वर्ष : 17 अंक : 289 लखनऊ शुक्रवार, 31 अक्टूबर, 2025 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

विश्ववार्ता

www.vishwavarta.com

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

मौसम

सूर्योदय : 5:46
सूर्यास्त : 6:25
अधिकतम : 31:00°
न्यूनतम : 26:00°

ई-पेपर पढ़ने के लिए स्कैन करें हमारा क्यू आर कोड

मूल्य ₹4

नगर संस्करण **

फिल्म 'महाकाली' में भूमि शेट्टी का पहला लुक आया सामने 10

मनोवांछित फल देने वाली हैं माता कालकाजी 2

योगी का गन्ना मंत्र, चुनावी तालमेल 6

चाबहार पोर्ट पर भारत को ... 12

बिहार के मोकामा में खूनी हुआ चुनाव

जन सुराज पार्टी का प्रचार कर रहे दुलारचंद यादव की हत्या से सनसनी

- जन सुराज के पीयूष ने कहा-बाहुबली अनंत सिंह का हाथ
- अनंत सिंह ने आरोप जड़ा- इसके पीछे बाहुबली सूरजभान

एजेंसी

पटना। बिहार के पटना जिले की मोकामा विधानसभा सीट पर जन सुराज पार्टी का प्रचार कर रहे दुलारचंद यादव की गुरुवार को हत्या कर दी गई। बसावनचक गांव में वे गुरुवार को जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी के साथ चुनाव प्रचार कर रहे थे। आरोप हैं कि अपराधियों ने गोली मारकर हत्या करने के बाद दुलारचंद यादव को गाड़ी से भी कुचला। दुलारचंद की गाड़ी पर गोलियों के निशान मिले हैं। वारदात के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति नियंत्रित करने में जुट गए। परिजनों ने दुलारचंद की हत्या का आरोप मोकामा से बाहुबली पूर्व विधायक एवं जेडीयू के उम्मीदवार अनंत सिंह पर लगाया है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। रेंज आईजी जितेंद्र राणा ने बताया कि मौके पर अधिकारियों को भेजा गया है। पुलिस फिलहाल मामले की छानबीन में जुटी है।

पीयूष प्रियदर्षी ने गुरुवार को लगभग 3 बजकर 21 मिनट पर अपने फेसबुक पेज पर लाइव किया। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि अनंत सिंह के समर्थकों ने उनकी गाड़ी पर हमला किया। उन्होंने कहा,₹गरीब दबने वाला नहीं है। प्रशासन कुछ नहीं कर रहा है। हम अपनी लड़ाई लड़ लेंगे। दुलारचंद यादव को मारा है, यह भूलने वाले नहीं है। टाल हमारा इलाका है। गुंडागर्दी पर उतरना सही नहीं है। हम भी कमजोर नहीं हैं।₹ पीयूष ने कहा कि दुलारचंद यादव के साथ जो हुआ उसका जवाब बहुत जल्द ही दिया जाएगा।

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव में मोकामा हॉट सीट बनी हुई है। यहां से बाहुबली पूर्व विधायक अनंत कुमार सिंह एनडीए प्रत्याशी के रूप में जेडीयू के टिकट पर मैदान में हैं। उनके खिलाफ महागठबंधन ने दूसरे बाहुबली सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी को आरजेडी के टिकट पर लड़ाया है। वहीं, पीके की जन सुराज पार्टी से भी पीयूष प्रियदर्शी मैदान में हैं। मोकामा में गुरुवार को जनसुराज के कैंडिडेट पीयूष प्रियदर्शी के काफिले पर हमला हुआ। इसमें उनके चाचा दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जनसुराज के नेताओं ने बताया कि हमारे कैंडिडेट का काफिला अनंत सिंह की गाड़ी के पीछे था। अचानक अनंत सिंह के समर्थक गाड़ियों से निकले और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना घोसवरी की है।

दुलारचंद यादव की हत्याकांड पर जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह का पहला रिएक्शन आया है। बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह ने दुलारचंद यादव की हत्या का आरोप राष्ट्रीय जनता दल की कैंडिडेट वीणा देवी के पति सूरजभान सिंह पर लगा दिया है। अनंत सिंह ने आरोप लगाया कि टाल क्षेत्र में वोट मांगने के दौरान उनके काफिले पर साजिश के तहत हमला किया गया। उन्होंने इसके पीछे बाहुबली सूरजभान की साजिश करार दिया। वहीं, दूसरी ओर, जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्षी के समर्थन में प्रचार कर रहे दुलारचंद यादव की हत्या का आरोप परिजन ने अनंत सिंह पर लगाया है।

जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह ने गुरुवार शाम को एक चैनल से बातचीत में कहा, "हम टाल में वोट मांग रहे थे, रास्ते में देखे कि और भी गाड़ियां खड़ी हैं। हमें लगा कि वो लोग भी वोट मांग रहे हैं। फिर वे मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। तब भी हमने कहा कुछ नहीं। फिर हमारी 30 गाड़ियां आगे बढ़ गईं। 10 गाड़ियां पीछे रह गईं। उन पर मारना शुरू कर दिया गया। किसी ने रोड़ा रखा हुआ था, पंजा (लोहे का कवर) ऊंगली में पहने था। पूरी तैयारी के साथ थे। सूरजभान का ही खेला है, ताकि लड़ाई-झगड़ा कर्फ्यू हो जाए तो वोट बैंक इधर-उधर हो जाए।"

अनंत सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि दुलारचंद यादव ने ही सबसे पहले उन पर हाथ उठाया था। हालांकि, जब बवाल हुआ तब वे 40 गाड़ियां आगे थे। पूर्व विधायक ने दावा किया कि उनके काफिले की 10 गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। हालांकि, पुलिस मामले की जांच कर रही है। चुनावी रंजिश में हत्या की आशंका जताई जा रही है। दूसरी ओर, इस वारदात के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति है। मौके पर कई वरीय पुलिस अधिकारी पहुंचे हैं और जांच कर रहे हैं। दुलारचंद यादव आरजेडी से जुड़े बताए जाते हैं और इस चुनाव में वे प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के समर्थन में प्रचार कर रहे थे।

जस्टिस सूर्यकांत देश के 53वें सीजेआई

24 नवंबर को शपथ लेंगे, हरियाणा के सबसे यंग एडवोकेट जनरल रहे

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जज जस्टिस सूर्यकांत को देश का 53वां चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया नियुक्त किया गया है। वे 24 नवंबर को शपथ लेंगे। उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा। लॉ मिनिस्ट्री ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मौजूदा चीफ जस्टिस भूषण आर गवई ने सोमवार को केंद्र सरकार से उनके नाम की सिफारिश की थी।

इसके साथ सीजेआई नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। परंपरा है कि मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने को कहा जाता है। मौजूदा सीजेआई गवई का कार्यकाल 23 नवंबर को खत्म हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जज 65 साल की उम्र में रिटायर होते हैं। जस्टिस सूर्यकांत सीजेआई पद से 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे।

जस्टिस सूर्यकांत इंडियन ज्युडिशियरी की टॉप पोस्ट पर पहुंचने वाले हरियाणा से पहले शख्स होंगे। उनके नाम की सिफारिश करते हुए सीजेआई गवई ने कहा कि जस्टिस सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट की कमान संभालने के लिए उपयुक्त और सक्षम हैं। जस्टिस सूर्यकांत की हरियाणा की यात्रा हिसार के एक गुमनाम से गांव पेटवाड़ से शुरू हुई। वे सत्ता के गलियारों से जुड़े विशेषाधिकारों से दूर पले-बढ़े। उनके पिता एक शिक्षक थे। 8वीं तक उन्होंने गांव के स्कूल में ही पढ़ाई की, जहां बैठने के लिए बेंच नहीं थी। दूसरे गांव वालों की तरह जस्टिस सूर्यकांत ने अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए खाली समय में खेतों में काम किया। पहली बार शहर तब देखा जब वे 10वीं की बोर्ड परीक्षा देने हिसार के एक छोटे से कस्बे हांसी गए थे। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत कई कॉन्स्टिट्यूशनल बेंच का हिस्सा रहे हैं। अपने कार्यकाल के दौरान वे संवैधानिक, मानवाधिकार और प्रशासनिक कानून से जुड़े मामलों को कवर करने वाले 1000 से ज्यादा फैसलों में शामिल रहे।

उनके बड़े फैसलों में आर्टिकल 370 को निरस्त करने के 2023 के फैसले को बरकरार रखना भी शामिल है। वह पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की फुल बेंच का हिस्सा थे जिसने 2017 में बलात्कार के मामलों में डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को लेकर जेल में हुई हिंसा के बाद डेरा सच्चा सौदा को पूरी तरह से साफ करने का आदेश दिया था।

इस मर्द से ज्यादा दम उस महिला में था

इंदिरा गांधी का जिक्र कर राहुल का मोदी पर हमला

एजेंसी

नालंदा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'ऑपरेशन सिंदूर' रुकवाने का दावा करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 50 बार अपमान किया है, लेकिन मोदी 'डरपोक' हैं और उनमें यह कहने का दम नहीं है कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। राहुल गांधी ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के समय का उल्लेख करते हुए कहा, '1971 में अमेरिका ने अपनी नौसेना का सातवां बेड़ा भेजा, लेकिन इंदिरा गांधी ने साफ कह दिया था कि हम आपकी नौसेना से नहीं डरते, हमें जो करना होगा, हम करेंगे।" उन्होंने आगे कहा, 'इंदिरा गांधी महिला थीं, लेकिन इस मर्द

(मोदी) से ज्यादा दम उस महिला (इंदिरा गांधी) में था।'

उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने संबंधी ट्रंप के दावे का हवाला देते हुए कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति ने 50 बार भारत के प्रधानमंत्री का अपमान किया...ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि सात विमान गिराए गए।

फिल्मी स्टाइल में बच्चों को बंधक बनाने वाले का एनकाउंटर

आरोपी ढेर, एक घंटे तक चली कार्रवाई, पुलिस पता लगा रही आखिर आरोपी चाहता क्या था?

एजेंसी

मुम्बई। मुंबई के पवई इलाके के रा स्टूडियो में गुरुवार को फिल्मी स्टाइल में 17 बच्चों समेत 19 लोगों को बंधक बनाने वाला एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान फायरिंग में आरोपी रोहित आर्या को गोली लगी, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई।

रोहित ने 1:45 बजे 17 बच्चे, एक सीनियर सिटिजन और एक नागरिक को बंधक बनाया था। पुलिस और स्पेशल कमांडो ने एक घंटे की कार्रवाई में सभी बंधकों को सुरक्षित बचा लिया। आरोपी के पास से एक एयरगन और केमिकल मिला है। हालांकि अब तक आरोपी रोहित आर्या के मकसद का पता नहीं चल पाया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 100 से ज्यादा बच्चों को ऑडिशन के लिए बुलाया था।

मुंबई पुलिस ने बताया कि आरोपी मनोवैज्ञानिक रूप से अस्थिर लग रहा है। रोहित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी आया है, जिसमें वह कह रहा है- ₹मैं रोहित आर्या हूं। सुसाइड करने के बजाय मैंने एक योजना बनाई है और कुछ बच्चों को यहां बंधक बनाकर रखा है। मेरी ज्यादा मांगें नहीं हैं। मेरी बहुत ही साधारण मांगें हैं, नैतिक मांगें हैं और कुछ सवाल हैं। मैं कुछ लोगों से बात करना चाहता हूं, उनसे सवाल पूछना चाहता हूं और अगर उनके जवाबों

के जवाब में मेरे पास कोई सवाल हो, तो मैं उनसे भी पूछना चाहता हूं, लेकिन मुझे ये जवाब चाहिए।

इसमें उसने कहा है कि ₹मुझे और कुछ नहीं चाहिए। मैं कोई आतंकवादी नहीं हूं, न ही मैं बहुत ज्यादा पैसे की मांग करता हूं, और मैं कोई अनैतिक मांग नहीं कर रहा हूं। मैंने एक प्लान के तहत बच्चों को बंधक बनाया है। अगर मुझे थोड़ा भी उकसाया गया तो मैं इस जगह (स्टूडियो) को आग लगा दूंगा। मैंने आत्महत्या का कदम उठाने के बजाय यह प्लान बनाया था। मुझे उकसाया न जाए, नहीं तो मैं बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाला कदम उठा लूंगा।

बच्चों के स्टूडियों के खिड़की से झांकने पर आसपास के लोगों ने शोर मचाया। बच्चे मदद की गुहार लगा रहे थे। इसके बाद फौरन पुलिस को सूचना दी गई। कुछ ही देर में स्थानीय पुलिस, एटीएस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। इलाके को चारों ओर से घेर लिया। रोहित अंदर से लगातार पुलिस को धमका रहा था और कह रहा था कि कार्रवाई की तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे।

दोपहर 1:45 बजे सूचना मिली कि स्टूडियो में बच्चों को बंधक बना लिया गया है। पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और आरोपी से बातचीत (नेगोशिएशन) करने की कोशिश की। आरोपी को समझाने में नाकाम रहने पर पुलिस बाथरूम के रास्ते स्टूडियो में घुसी ताकि आरोपी को अचानक घेर सकें।

शौर्य, स्वाभिमान का प्रेरणास्थल होगा शिवाजी महाराज संग्रहालय

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में आगरा में बन रहे छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारत के स्वाभिमान, सांस्कृतिक वैभव और वीरता का प्रेरणास्थल बनेगा। मुख्यमंत्री ने अब तक की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए शेष कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि भवन का निर्माण कार्य जनवरी तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए, ताकि संग्रहालय का स्वरूप देने का काम तय समय पर पूरा हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संग्रहालय केवल इतिहास का स्थिर प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव होना चाहिए, जहाँ आगंतुक भारत की गौरवगाथा को महसूस कर सकें। उन्होंने निर्देश दिया कि संग्रहालय की प्रत्येक गैलरी को ऐसी थीमैटिक और इंटरएक्टिव प्रस्तुति दी जाए, जिससे आगंतुक केवल दर्शक न रहकर सहभागी बनें। मुख्यमंत्री ने 'शिवाजी एवं द ग्रेट एस्केप गैलरी' के संबंध में निर्देश दिए कि इसमें आगरा किले से छत्रपति शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक मुक्ति की घटना को 7D तकनीक, डिजिटल साउंड, लाइट और विजुअल इफेक्ट्स के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए।

मोदी नाच सकते हैं, कहकर राहुल कर रहे अपमान

महागठबंधन में चल रही कलह, राजद-कांग्रेस एक दूसरे फाड़ते हैं पोस्टर

विश्ववार्ता ब्यूरो

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बिहार के छपरा में एक चुनावी रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और महागठबंधन पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के ₹पीएम मोदी वोटों के लिए नाच सकते हैं₹ जैसे बयान न केवल उनका अपमान हैं, बल्कि यह विपक्ष के भीतर गहरे आंतरिक मतभेदों को भी दर्शाते हैं। पीएम मोदी ने दावा किया कि आरजेडी और कांग्रेस का गठबंधन तेल और पानी जैसा है और सत्ता के लालच में वे एक साथ आए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों ने अपने शासनकाल में बिहार को धोखा दिया है और वे राज्य का विकास कभी नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस चुनाव की असली खबर उनके अपमान की नहीं, बल्कि आरजेडी और कांग्रेस के बीच की अंदरूनी कलह है।

उन्होंने कहा कि बिहार से ऐसी खबरें आ रही हैं कि आरजेडी कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यकर्ताओं के पोस्टर फाड़ रहे हैं और कांग्रेस कार्यकर्ता आरजेडी के प्रति दुश्मनी दिखा रहे हैं। मोदी ने जोर देकर कहा कि यह गठबंधन केवल सत्ता पाने की चाहत में बना है। उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस पर बिहार को सालों तक राज करने के बावजूद धोखा देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने आरजेडी के शासनकाल के दौरान हुए अपराधों का भी जिक्र किया। उन्होंने सन 1998 के चंपा विश्वास मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि यह उस समय के जंगलराज का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि एक दलित आईएएस अधिकारी की पत्नी ने बिहार के राज्यपाल को पत्र लिखकर बताया था कि कैसे आरजेडी के गुंडों ने उन्हें और उनके परिवार की अन्य महिलाओं को प्रताड़ित किया था। मोदी ने कहा कि उस समय मुख्यमंत्री का कार्यालय भी अपराधियों का अड्डा बन गया था।

उन्होंने पहली बार वोटर बने युवाओं से अपने वोट का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता के वोटों ने बिहार को जंगलराज से मुक्त कराया था और सुशासन आया था। अब यह युवाओं की बारी है कि वे अपने एक वोट से सुशासन को समृद्धि में बदलें। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर बिहार और उसके लोगों का बार-बार अपमान करने का आरोप लगाया।

राष्ट्रपति ट्रंप का बना 'आधार कार्ड'

शरद पवार के पोते पर एफआईआर की गयी दर्ज

एजेंसी

मुंबई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर फर्जी आधार कार्ड सामने आया है। इसे बनावाने का आरोप शरद पवार की एनसीपी के नेता और उनके भतीजे विधायक रोहित पवार पर लगा है। रोहित पवार ने दावा किया कि उन्होंने फर्जी आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया का भांडाफोड़ करने के लिए ऐसा किया था। फर्जी बेवसाइट और कागजातों के जरिए ट्रंप का आधार कार्ड बनावाने के बाद उन्होंने 16 अक्तूबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए इसका खुलासा भी किया था। हालांकि, अब भारतीय जनता पार्टी की शिकायत के बाद उनकी खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई है।

इस मामले में भारतीय जनता पार्टी ने मुंबई के दक्षिण साइबर पुलिस थाने में रोहित पवार, वेबसाइट डेवलपर और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। एफआईआर के मुताबिक इस तरीके से फर्जी वेबसाइट के जरिए फर्जी आधार कार्ड बनाने से नागरिक गुमराह हो सकते हैं, आधिकारिक संस्थानों में विश्वास कम हो सकता है और ₹समाज में समूहों के बीच कलह और दुश्मनी पैदा हो सकती है।₹ बकौल बीजेपी पदाधिकारी रोहित पवार का यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

बिहार में हम तेजस्वी के साथ : अखिलेश

जनता बदलाव चाहती है, मोदी ने बना रखा है नीतीश को मोहरा

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के साथ गाजीपुर के सैदपुर पहुंचकर विधायक अंकित भारती को शुभ विवाह की शुभकामनाएं दी। अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव ने अंकित भारती और उनके परिजनों, समर्थकों से मिलकर शादी की बधाई दी। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार की जनता बदलाव चाहती है। बिहार खुशहाली और तरक्की के रास्ते पर जाना चाहता है। बिहार में श्री तेजस्वी यादव के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। हम सभी लोग तेजस्वी यादव के साथ है और बिहार को आगे ले जाएंगे। विकास करेंगे। नौजवानों को रोजगार और नौकरी देंगे। उन्होंने कहा

कि भाजपा ने नीतीश कुमार के साथ षड्यंत्र किया है। बिहार की जनता, और सभी नेता जानते है कि भाजपा केवल चुनाव के लिए नीतीश कुमार का इस्तेमाल कर रही है। भाजपा धोखेबाज पार्टी है। भाजपा किसी की सगी नहीं है। उसने बिहार की जनता को धोखा दिया हैं। जनता इंडिया गठबंधन के साथ है।

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री और भाजपा सरकार की साख देश के साथ विदेश में भी खत्म हो चुकी है। अमेरिका के राष्ट्रपति हर रोज टिप्पणी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री का माखौल उड़ा रहे हैं। अमेरिका टैरिफ लगाकर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है। वहीं केन्द्र सरकार चीन के साथ व्यापार बढ़ाकर हमारे देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा रही है। चीन ने हमारे बाजार पर कब्जा कर लिया है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर पहुंच गयी है। किसानों को खाद, डीएपी नहीं मिल रही है। आखिर क्या कारण है कि किसान लाइनों में लगा है लेकिन खाद नहीं मिल रही है। धान की सरकारी खरीद नहीं हो रही है। बिचौलिए फसल की लूट कर रहे है।

किसानों को धान की सही कीमत नहीं मिल रही है। समाजवादी सरकार में हमने एक्सप्रेस-वे के किनारे मंडियां बनायी थी लेकिन भाजपा सरकार ने मंडियों का काम रोक दिया।

हिमाचल की संजौली मस्जिद गिराने के आदेश

शिमला। हिमाचल की राजधानी शिमला में विवादित संजौली मस्जिद को पूरी तरह हटाना होगा। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट यजुवेंद्र सिंह ने वक्फ बोर्ड और संजौली मस्जिद कमेटी की याचिका पर आज (गुरुवार को) फैसला सुनाया। कोर्ट ने निगम आयुक्त शिमला के फैसले को सही ठहराया। मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी ने जिला अदालत में चुनौती के बाद मस्जिद को तोड़ने का काम रोक दिया गया था।

नगर निगम आयुक्त भूपेंद्र अत्री ने 5 अक्टूबर 2024 को मस्जिद की ऊपर की 3 मंजिल को हटाने के आदेश दिए थे। मामला फिर हाईकोर्ट में चला। हाईकोर्ट ने पहले के केस निपटाने का आदेश दिया। फिर 3 मई को कमिश्नर ने पूरा ढांचा गिराने के आदेश दिए। इस फैसले को मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी ने जिला अदालत में चुनौती दी थी।

दिल्ली 2020 का दंगा था देश में सत्ता परिवर्तन का आपरेशन

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने दीं तमाम तरह की दलीलें, 389 पन्नों का हलफनामा दाखिल कर जमानत का किया विरोध

विश्ववार्ता ब्यूरो।

नयी दिल्ली। दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर जमानत याचिका का विरोध करते हुए पुलिस ने कई बड़े दावे किए हैं। दिल्ली पुलिस ने 389 पन्नों का हलफनामा दायर करते हुए दलीलें पेश की हैं कि क्यों आरोपियों को जमानत नहीं मिलनी चाहिए। दिल्ली पुलिस ने दस्तावेजी और तकनीकी सबूतों के आधार पर आरोप लगाया है कि सांप्रदायिक आधार पर पूरे देश में दंगों की साजिश रची गई थी। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने 8 बड़े आरोप लगाते हुए जमानत का विरोध किया है।

दिल्ली पुलिस ने कहा है कि आरोपियों ने सांप्रदायिक सद्भाव को खत्म करके देश की एकता और संप्रभुता पर चोट करने के लिए साजिश रची थी। वे भीड़ को ना सिर्फ सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने के लिए उकसाना चाहते थे बल्कि सशस्त्र विद्रोह चाहते थे। गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित इस तरह की थ्योरी को 'रिजीम चेंज ऑपरेशन' कहा जाता है। पुलिस का यह भी कहना है कि दंगे को पूरे देश में फैलाने की साजिश थी।

पुलिस ने कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद चैट्स से साबित होता है कि सोच-समझकर इसे उस समय अंजाम देने की साजिश रची गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत आने वाले थे। इसका मकसद अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींचकर सीएए को वैश्विक मुद्दा बनाना

था और इसे मुसलमानों के खिलाफ हिंसा के रूप में पेश करना था।

पुलिस ने यह भी दलील दी है कि यूएपीए जैसे अपराध में 'जेल ही नियम' माना गया है। अदालत के अनुसार आरोप प्रथम दृष्टया सही हैं और इन्हें गलत साबित करने की जिम्मेदारी याचिकाकर्ताओं पर थी, जो वे नहीं कर सके। अपराध की गंभीरता देखते हुए सिर्फ देरी के आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती।

पुलिस ने कहा कि हाई कोर्ट और विशेष अदालत दोनों ने पाया कि आरोपियों ने मिलकर आरोप तय होने की प्रक्रिया में लगातार अड़चनें डालीं। सेक्शन 207 की प्रक्रिया भी अपीलीय अदालत के हस्तक्षेप से मुश्किल से पूरी हो सकी। रोजाना सुनवाई के आदेश के बावजूद आरोपियों ने दो साल तक ट्रायल को टालते रहे।

पुलिस ने कहा कि 900 गवाहों के होने की वजह से ट्रायल जल्दी पूरा नहीं होने की दलील ना केवल अपरिपक्व है, बल्कि जमानत प्राप्त करने के लिए बनाया गया एक भ्रामक तर्क भी है। पुलिस ने कहा कि रिकॉर्ड में करीब 155 सार्वजनिक गवाह हैं, जिनमें से 58 ने अदालत में बयान दिए हैं। 47 गवाहों को सुरक्षा दी गई है, जिनमें 38 ने धारा 164 और बाकी ने धारा 161 के तहत बयान दर्ज कराए हैं।

पुलिस ने कहा कि फरवरी 2024 में उमर खालिद ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले ली थी। इसलिए हाई कोर्ट के निष्कर्ष अब अंतिम हो चुके हैं और उन्हें दोबारा खोलने या नई जमानत अर्जी के जरिए चुनौती नहीं दी जा सकती।

दिल्ली पुलिस के अनुसार चक्का जाम का असली मकसद पुलिसकर्मियों और गैर-मुसलमानों को निशाना बनाकर दंगे भड़काना और सरकारी-संपत्ति को नुकसान पहुंचाना था। पुलिस ने कहा कि शरजील इमाम ने दंगों पर थीसिस लिखी थी और उनके भाषणों में इसका असर साफ दिखता है।

पुलिस ने कहा कि जेसीसी नामक व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया गया, जो फर्जी दस्तावेजों से लिए गए नंबर पर चलाया गया था। इसके अलावा 'मुस्लिम स्टूडेंट्स ऑफ जेएनयू नाम से भी एक सांप्रदायिक ग्रुप बनाया गया था, जिसे उमर खालिद के निर्देश पर शुरू किया गया।

मुंबई में पुलिस ने फर्जी वैज्ञानिक को किया अरेस्ट

मुम्बई। मुंबई पुलिस ने वर्सोवा से 60 साल के फर्जी वैज्ञानिक अख्तर कुतुबुद्दीन हुसैनी को गिरफ्तार किया। वह खुद को भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर का अधिकारी बताता था और बह बीएआरसी में भी घुस चुका है। अख्तर के पास से 14 मैप, परमाणु ब्लूप्रिंट और तीन पासपोर्ट बरामद हुए हैं, जिनका इस्तेमाल उसने कई बार विदेश यात्राओं के लिए किया था। शक है कि ये यात्राएं जासूसी या गोपनीय जानकारी के लेन-देन से जुड़ी हैं। अख्तर को अधिकारी पिछले दो साल से ट्रैक कर रहे थे। क्राइम ब्रांच ने उसे एनआईए और आईबी की सूचना पर पकड़ा। घर की तलाशी के दौरान पुलिस को फर्जी पासपोर्ट, आधार, पैन कार्ड और बार्क के नकली आईडी कार्ड मिले हैं। एक पहचान पत्र पर नाम अली रजा हुसैन, तो दूसरे पर अलेक्जेंडर पामर लिखा था। पुलिस जांच में पता चला है कि हुसैनी ने पिछले कुछ महीनों में कई अंतरराष्ट्रीय कॉल्स किए थे।

एक नजर

पंचायत चुनाव को देखते हुए सरकार ने गन्ना किसानों को दिया लॉलीपॉप लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह

लखनऊ। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि पंचायत चुनाव नजदीक आते ही प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों को मात्र 30 पैसे प्रति किलो (30 प्रति क्विंटल) की "ऐतिहासिक बढ़ोतरी" का तोहफ़ा देकर एक बार फिर किसानों की मेहनत का मजाक उड़ाया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 की शुरुआत से अब तक यह इतनी छोटी वृद्धि है कि इसे "उपहार" कहना किसानों का अपमान है। सरकार और बीजेपी किसान मोर्चा द्वारा इस मामूली बढ़ोतरी को तीन हजार करोड़ रुपये के उपहार और "मास्टर स्ट्रोक" बताकर अख़बारों में विज्ञापन छपवाना पूरी तरह चुनावी नौटंकी है। सुनील सिंह ने व्यंग्य करते हुए कहा किसानों के चेहरों पर खुशहाली की मिठास बताई जा रही है, जबकि असल में यह सिर्फ़ चुनावी मिठास है। उन्होंने आगे कहा कि जब वर्ष 2014 में सोने का भाव 26,000 प्रति 10 ग्राम था और आज 1,25,000 पहुँच गया है, तब केवल 30 पैसे प्रति किलो बढ़ाकर इसे "मास्टर स्ट्रोक" कहना किसानों के साथ अन्याय और उपहास है। लोकदल अध्यक्ष ने सरकार से पूछा कि क्या गन्ना किसान की लागत नहीं बढ़ी? क्या बिजली, डीज़ल, खाद, मजदूरी सब सस्ते हो गए हैं? अंत में उन्होंने कहा कि लोकदल हमेशा किसानों की वास्तविक लागत के अनुरूप गन्ने का दाम और भुगतान की गारंटी की मांग करता रहेगा।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा मऊ के दो दिवसीय दौरे पर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा गुरुवार से मऊ जनपद के दो दिवसीय भ्रमण पर रहेंगे। अपने प्रवास के दौरान मंत्री शर्मा विभिन्न सामाजिक, जनसेवा एवं विकास से जुड़े कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे। गुरुवार को मऊ पहुंचने के बाद मंत्री शर्मा कई सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। शुक्रवार को वे बलिया मोड़ (मऊ) स्थित कार्यक्रम स्थल पर रन फॉर यूनिटी में शामिल होकर लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और युवाओं को राष्ट्र एकता और समरसता का संदेश देंगे। इसके उपरांत मंत्री श्री बापू इंटर कॉलेज, कोपागंज में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। अपने प्रवास के दौरान वे जूनियर हाईस्कूल मझवारा मोड़, घोसी में आयोजित सरदार पटेल जयंती के अवसर पर जनसेवा संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में वे विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

नियम विरूद्ध ढंग से मतदाता बनाये जाने के लिए सपा ने की शिकायत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 से बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत जनपदों बिजनौर, बरेली, पीलीभीत, मुरादाबाद, अमरोहा, बदाँयू, शाहजहाँपुर, संभल और रामपुर में निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के कर्मचारी, लाइब्रेरियन, लिपिक (क्लर्क), मेडिकल स्टाफ, चपरासी, चौकीदार, लैब असिस्टेंट व सगे सम्बन्धियों, समर्थकों को शिक्षक बताकर नियम विरूद्ध ढंग से मतदाता बनाये जाने के विरुद्ध शिकायत कर अविलम्ब निष्पक्ष जांच कराकर और दोषी जनो के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही किये जाने की मांग की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 को सम्बोधित ज्ञापन में कहा गया है कि बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत जनपद बिजनौर, बरेली, पीलीभीत, मुरादाबाद, अमरोहा, बदायूं, शाहजहांपुर, सम्भल और रामपुर में सम्बन्धित जिला विद्यालय निरीक्षकों (डी.आई.ओ.एस.) को तत्काल प्रभाव से निर्देशित करें कि नियम विरूद्ध ढंग से नियुक्त वित्तविहीन अंशकालिक शिक्षकों को मतदाता न बनाया जाये। बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में वित्तविहीन अंशकालिक शिक्षक दिखाकर विद्यालय के लिपिक, चपरासी, चौकीदार तथा सगे सम्बन्धियों का फार्म-19 भराये गये है, उन्हें तुरन्त निरस्त कराया जाय। समाजवादी पार्टी की माँग है कि तत्काल संज्ञान में लेकर भारत निर्वाचन आयोग उच्च अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी भेज कर बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत सभी जनपदों में इसकी जाँच करें और दोषी जनों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाए, जिससे स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक, पारदर्शी चुनाव सम्पन्न हो सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी को यह ज्ञापन सर्व के.के. वास्तव, डॉ. हरिश्चन्द्र, राधेश्याम सिंह ने सौपते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

यूनियन बैंक को वित्तीय वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 4249 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ, एनपीए घटा

लखनऊ। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 4,249 करोड़ रहा है जबकि इसी अवधि में बैंक की ब्याज आय 26,650 करोड़ रुपये रही।यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मण्डल ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक के लेखों का आज अनुमोदन किया है। बैंक के कुल कारोबार में वर्ष दर वर्ष 3.24% की वृद्धि हुई है, जिसमें सकल अग्रिमों में वर्ष दर वर्ष आधार पर 4.99% की वृद्धि हुई है और कुल जमाराशि में वर्ष दर वर्ष आधार पर 1.90% की वृद्धि हुई है। 30 सितंबर, 2025 तक बैंक का कुल कारोबार 22,09,828 करोड़ है। वैश्विक जमाराशि में वर्ष दर वर्ष 1.90% की वृद्धि हुई है। 30 सितंबर, 2025 तक बैंक के पास कुल जमाराशि आधार 12,34,621 करोड़ है।बैंक के रैम क्षेत्र में वर्ष दर वर्ष आधार पर 8.14% की वृद्धि हुई है, जिसमें वर्ष दर वर्ष आधार पर रिटेल में 23.98% की वृद्धि और एमएसएमई अग्रिमों में 14.88% की वृद्धि हुई है।

क्लीन काशी, ग्रीन काशी, डिवाइन काशी के दर्शन से अभिभूत होंगे श्रद्धालु

काशी की सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोकआस्था का अद्वितीय संगम है देव दीपावली : मुख्यमंत्री

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में 05 नवम्बर को वाराणसी में आयोजित होने वाली देव दीपावली 2025 की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देव दीपावली काशी की सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोकआस्था का अद्वितीय संगम है। यह पर्व भारत की उस अनादि परंपरा का सजीव प्रतीक है, जहाँ दीप केवल ज्योति नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य और राष्ट्रभाव का प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी की देव दीपावली का आयोजन इस प्रकार किया जाए कि यह भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आध्यात्मिक चेतना का विश्व संदेश बने। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि देव दीपावली से पूर्व आयोजित गंगा महोत्सव (01 से 04 नवम्बर) और मुख्य आयोजन देव दीपावली (05 नवम्बर) की सभी तैयारियाँ समयबद्ध, व्यवस्थित और उच्च गुणवत्ता की हों। घाटों की प्रकाश सज्जा, दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जनसहभागिता की तैयारियाँ इस प्रकार हों कि श्रद्धा, अनुशासन और सौंदर्य का संतुलन प्रदर्शित हो। उन्होंने कहा कि गंगा तट पर दीपदान का दृश्य श्रद्धा और अनुशासन की मिसाल बने। इसके लिए घाटों पर भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या अवरोध न हो। मुख्यमंत्री ने पर्यटन, नगर निगम, पुलिस, जल पुलिस, संस्कृति, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी, विद्युत व स्वास्थ्य विभागों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि वे अपनी जिम्मेदारी के अनुरूप आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि देव दीपावली के अवसर पर घाटों पर स्मार्ट लाइटिंग, आकर्षक फ्लोरल डेकोरेशन, थीम-आधारित इंस्टालेशन तथा ड्रोन और सीसीटीवी मॉनिटरिंग की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि घाटों, गलियों और प्रमुख मार्गों की सफाई और सजावट पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा प्रत्येक घाट पर पर्याप्त सफाई कर्मी तैनात रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कंट्रोल रूम 24×7 सक्रिय रहे और कमांड सेंटर से सीसीटीवी फीड की निगरानी निरंतर की जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त शौचालय, पेयजल व्यवस्था, चिकित्सीय सहायता और प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किए जाएँ। घाटों के समीप आपातकालीन नौका एवं एम्बुलेंस सेवाएँ उपलब्ध रहें। नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें लाइफ जैकेट, पंजीकरण टैग और निर्धारित रूट की जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री ने नमो घाट, राजघाट, राजेन्द्र प्रसाद घटा, दशाश्वमेध घाट सहित सभी प्रमुख घाटों पर आयोजित होने वाले दीपोत्सव की तैयारियों की भी समीक्षा की और कहा कि वहाँ दीप सज्जा, पर्यटक सुविधाएँ और सुरक्षा उपाय उच्च स्तर पर किए जाएँ। उन्होंने कहा कि नाविक समुदाय काशी की परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, उनका उत्साह और योगदान देव दीपावली की गरिमा को और बढ़ाता है। प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि उन्हें पर्याप्त सहयोग मिले और श्रद्धालुओं को सुरक्षित नौका सेवाएँ प्राप्त हों। बैठक में बताया गया कि चेत सिंह घाट पर 25 मिनट की प्रोजेक्शन सहित प्रतिदिन 03 बार लेज़र शो का आयोजन करने की योजना है। इसी तरह, काशी विश्वनाथ घाट और चेत सिंह घाट के बीच रेत की सैंड आर्ट इंस्टॉलेशन लगाई जाएगी। ग्रीन आतिशबाजी, लेज़र शो और संगीत कार्यक्रम के साथ काशी विश्वनाथ धाम घाट के सामने 10 मिनट का ग्रीन फायरक्रैकर शो आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि देव दीपावली का आयोजन 'क्लीन काशी, ग्रीन काशी, डिवाइन काशी' के भाव को साकार करने वाला हो। घाटों से लेकर गलियों तक स्वच्छता, सुगमता और प्रकाश व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने यातायात प्रबंधन, पार्किंग, बैरिकेडिंग, शटल सेवाओं, विद्युत आपूर्ति और चिकित्सा सेवाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए ताकि किसी भी क्षेत्र में जाम या अव्यवस्था न हो। उन्होंने कहा कि गंगा तटों पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों, विद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला समूहों और धर्माचार्यों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। यह आयोजन जनसहयोग, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी का यह पर्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन और आत्मबल का उत्सव है। काशी आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक यहाँ की पावनता, व्यवस्था और अनुशासन देखकर 'अतिथि देवो भवः' की भारतीय परंपरा को अनुभव करें।

योगी जी के कारण एक माह में दो बार दीपावली मनाने का मिला अवसर

गुरुवार को मुख्यमंत्री से मिले किसान, जताया आभार

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने बुधवार को पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति कुंतल की ऐतिहासिक वृद्धि की। इस निर्णय के पश्चात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गन्ना किसानों से संवाद किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के निर्णय के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए गन्ना किसानों ने अपनी भावनाएं साझा कीं। किसानों ने एक स्वर में कहा कि योगी जी के कारण हमें एक माह में दो बार दीपावली मनाने का अवसर मिला।

सभी को गोपाष्टमी की बधाई। एक समय था कि जब गन्ना रखे-रखे सूख जाता था और पर्ची नहीं मिलती थी। आज मोबाइल पर पर्ची मिल रही है। आलू-गन्ना, चना-गन्ना, सरसों-गन्ना, पत्ता गोभी गन्ना जैसे सहफसली खेती का अवसर मिला है। आमदनी बढ़ी है। यह मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में ही संभव हो पाया।

– संतोष वाजपेयी, प्रगतिशील किसान

योगी सरकार ने गन्ना मूल्य बढ़ाकर किसानों को तोहफा दिया है, इसके लिए धन्यवाद। पूर्व में कांग्रेस हो, बसपा हो या सपा..किसी ने हमारी सुध नहीं ली। 'जय-जवान जय किसान' का नारा भले कांग्रेस से आया, लेकिन सार्थक भाजपा सरकार में ही हो सका है। राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने क्रेडिट कार्ड की व्यवस्था कराई और पीएम मोदी ने हमें सम्मान निधि दिया है।

– हीरा सिंह, मथुरा

पिछली दो सरकारों के 10 वर्ष में गन्ना मूल्य एक रुपये भी नहीं बढ़ा। योगी जी ने 08 वर्षों में 35% से ज्यादा मूल्य बढ़ाया है। पहली कैबिनेट में योगी जी ने हमारे ऋण की माफी की। पूरा प्रदेश निहाल हो गया। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सीएम योगी अन्नदाता किसानों के उत्थान के लिए सतत प्रयत्नशील हैं।

– रामनिवास यादव, प्रगतिशील किसान

आज किसी की हिम्मत नहीं कि एक भी गन्ना गायब कर सके

सीएम योगी के नेतृत्व में एक माह में दो बार दीपावली मनाने का मौका मिला है। गन्ना मूल्य बढ़ाने के लिए किन शब्दों में धन्यवाद करूँ, समझ नहीं आ रहा। पूर्व की सरकारों में कांटे पर घटतौली, व्यवस्था का हिस्सा थी। योगी सरकार बनने के बाद आज किसी की हिम्मत नहीं कि एक भी गन्ना गायब कर सके।

– सरदार गुरदत्त सिंह, गन्ना किसान

गरीब किसानों के चेहरे पर योगी सरकार लेकर आई मुस्कान

योगी सरकार ने गरीब किसान के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम किया है। प्रदेश सरकार का यह कदम गन्ना किसानों को समृद्धि की ओर लेकर जा रहा है। सरकार का यह फैसला गन्ना किसानों के हित में है। गन्ना मूल्य बढ़ाने के लिए पूरे शामली की ओर से मुख्यमंत्री जी का आभार।

– सत्यपाल भूरा, शामली

बेहतर प्रतिभाओं को खोजने के लिए कांग्रेस पार्टी आयोजित करेगा का टैलेंट हंट प्रोग्राम

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। जननायक राहुल गांधी की मंशा के अनुरूप अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे देश में प्रवक्ता/पैनलिस्ट /रिसर्च कोऑर्डिनेटर/पब्लिसिटी कोऑर्डिनेटर हेतु बेहतर प्रतिभाओं को खोजने के लिए एक ''टैलेंट हंट'' प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से आयोजित कराने के लिए सप्तागिरी उलाका -सांसद एवं हरिशंकर गुप्ता जी- पूर्व विधायक (दिल्ली) को उत्तरदायित्व सौंपा गया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सहयोग से उक्त सदस्यगण इस ''टैलेंट हंट'' प्रोग्राम को पूरे प्रदेश भर में आयोजित करेंगे। उक्त विषय पर आयोजित आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय लखनऊ पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरिशंकर गुप्ता जी, पूर्व विधायक (दिल्ली) ने कहा कि आज जिस तरह का झूठ, अफवाह और फेक न्यूज़ का माहौल सत्ताधारी दल भाजपा ने पूरे देश में बना रखा है उससे लड़ने के लिए, उनके झूठ और अफवाह को खारिज करने के लिए इस अभियान के तहत पूरे देश के हर एक जिले से बेहतर प्रतिभाओं को जिनका कांग्रेस विचारधारा में विश्वास हो, जिन्हें मुद्दों और इतिहास की बेहतर समझ हो, जिनकी वाणी में ओज हो ऐसे लोगों को हम इस अभियान के तहत खोज कर उन्हें भाजपा के इस झूठ और प्रोपोगेंडा को खत्म करने की जिम्मेदारी सौंपेंगे। गुप्ता ने कहा की उत्तर प्रदेश में इस अभियान को पांच चरण में पूर्ण किया जाएगा। पहले चरण में इस अभियान को पूरा करने वाली कमेटी का गठन किया जाएगा साथ ही रजिस्ट्रेशन एवं अभियान का प्रचार प्रसार किया जाएगा। दूसरा चरण ऑनलाइन स्क्रीनिंग का होगा। जिसमें तहत हम जोनवार प्रतिभागियों की शॉर्ट लिस्टिंग करेंगे। यह चरण ऑनलाइन इंटरव्यू पर आधारित होगा तीसरे चरण में दूसरे चरण के शॉर्ट लिस्टेड प्रतिभागियों को प्रदेश के 6 जोनों में जोन वाइस साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा। चौथे चरण में राजधानी लखनऊ में तृतीय चरण के शॉर्ट लिस्टेड प्रतिभागियों को बुलाया जाएगा, जिन्हें एक वृहद मूल्यांकन की प्रक्रिया से गुजरना होगा। इस प्रक्रिया के निर्णायक मंडल में एआईसीसी के जोनल/नोडल कोऑर्डिनेटर, प्रदेश अध्यक्ष या उनका प्रतिनिधि, प्रदेश सीएलपी लीडर या उनका प्रतिनिधि, एआईसीसी मीडिया पर्यवेक्षक और एक मीडिया एक्सपर्ट शामिल होंगे। अंतिम चरण में रिजल्ट की घोषणा की जाएगी तथा चयनित अभ्यर्थियों की प्रशिक्षण दिया जाएगा। गुप्ता ने कहा कि इस वृहद अभियान के तहत हम राष्ट्रीय प्रवक्ता, प्रदेश प्रवक्ता, जिला प्रवक्ता, पैनलिस्ट, रिसर्च कोऑर्डिनेटर और पब्लिकसिटी कोऑर्डिनेटर नियुक्त करेंगे। यूपी में इस अभियान को सुचारू ढंग से संचालित करने के लिए एक संचालन कमेटी बनाई गई है।

बिहार की जनता बदलाव चाहती : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के साथ गाजीपुर के सैदपुर पहुंचकर विधायक अंकित भारती को शुभ विवाह की शुभकामनाएं दी। अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव ने अंकित भारती और उनके परिजनों, समर्थकों से मिलकर शादी की बधाई दी। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार की जनता बदलाव चाहती है। बिहार खुशहाली और तरक्की के रास्ते पर जाना चाहता है। बिहार में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। हम सभी लोग तेजस्वी यादव के साथ है और बिहार को आगे ले जाएंगे। विकास करेंगे। नौजवानों को रोजगार और नौकरी देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नीतीश कुमार के साथ षड़्यंत्र किया है। बिहार की जनता, और सभी नेता जानते है कि भाजपा केवल चुनाव के लिए नीतीश कुमार का इस्तेमाल कर रही है। भाजपा धोखेबाज पार्टी है। भाजपा किसी की सगी नहीं है। उसने बिहार की जनता को धोखा दिया हैं। जनता इंडिया गठबंधन के साथ है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी और भाजपा सरकार की साख देश के साथ विदेश में भी खत्म हो चुकी है। अमेरिका के राष्ट्रपति हर रोज टिप्पणी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी का माखौल उड़ा रहे हैं। अमेरिका टैरिफ लगाकर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है। वहीं केन्द्र सरकार चीन के साथ व्यापार बढ़ाकर हमारे देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा रही है। चीन ने हमारे बाजार पर कब्जा कर लिया है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर पहुंच गयी है। किसानों को खाद, डीएपी नहीं मिल रही है। आखिर क्या कारण है कि किसान लाइनों में लगा है लेकिन खाद नहीं मिल रही है। धान की सरकारी खरीद नहीं हो रही है। बिचौलिए फसल की लूट कर रहे है। किसानों को धान की सही कीमत नहीं मिल रही है। समाजवादी सरकार में हमने एक्सप्रेस-वे के किनारे मंडियां बनायी थी लेकिन भाजपा सरकार ने मंडियों का काम रोक दिया। मंडियां बन गयीं होती तो किसानों को धान, गेहूं, आलू समेत सभी फसलों का सही मूल्य मिल जाता। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही किसानों की मदद की जायेगी। मंडी बनायी जायेगी। साथ ही नौजवानों को नौकरी, रोजगार दिया जायेगा। फौज में पक्की भर्ती का इंतजाम करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा और मुख्यमंत्री जी जनता को भाषणों में उलझाये हुए हैं। उत्तर प्रदेश में निवेश नहीं आ रहा है। निवेश आन्ध्र प्रदेश और तेलांगाना, तमिलनाडु समेत दक्षिण भाजपा के राज्यों में जा रहा है। भाजपा झगड़ा लगाने वाली पार्टी है। समाज को धर्म और जाति में लड़ाने का काम करती हैं। अब तो भाजपा के इंजन खुद ही एक दूसरे से टकरा रहे हैं। मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा एसआईआर में घोटाला करना चाहती है। उत्तर प्रदेश में कहीं भी बीएलओ पीडीए के नहीं हैं। उत्तर प्रदेश में पीडीए मतदाताओं की संख्या सबसे ज्यादा है लेकिन उनके बीएलओ नहीं हैं। भाजपा सरकार ने जाति-धर्म के आधार पर भेदभाव करके बीएलओ बनाए हैं।

धर्म और अध्यात्म अद्भुत और अलौकिक है वैदिक काल की सिद्ध मां कालकाजी पीठ, दिल्ली में माता कालकाजी सिद्ध पीठ पर लगता है भक्तों का तांता

मनोवांछित फल देने वाली हैं माता कालकाजी, तंत्र-मंत्र की भी साधना करते हैं यहां साधक

राजेंद्र बहादुर सिंह

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर अरावली पर्वत श्रृंखला की सूर्यकूट नामक एक छोटी सी पहाड़ी पर स्थित है।

माता काली की यह अति पवित्र प्राचीन चमत्कारी पीठ वैदिक काल की बताई जाती है। माता काली को समर्पित "कालकाजी मंदिर" का पौराणिक महत्व सनातन धर्म के साथ शक्ति उपासना और परंपरा में गहराई से जुड़ा है। प्राचीन काल से लेकर 18वीं शताब्दी तक यह मंदिर घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा हुआ था, और यह भी माना जाता है कि उस दौरान कई सिद्ध साधु-संत और तांत्रिक यहां दूर-दूर से माता की साधना के लिए आते थे। भारत के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में रहती है प्रतिवर्ष यहां विदेशी पर्यटक भी मां के दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि मां इतनी दयालु हैं कि हर किसी की झोली यहां हाजिरी लगाने से भर जाती है। दिल्ली में स्थित इस "कालकाजी मंदिर" का सम्बन्ध महाभारत काल से यानी द्वापर युग से जुड़ा हुआ है, इसलिए कुछ विद्वानों का मानना है कि पांडवों ने इंद्र प्रस्थ की स्थापना के समय माँ कालका की उपासना की थी। इस मंदिर को प्राचीन ग्रंथों में "जयंती काली या "कालिका सिद्ध पीठ के नाम से भी जाना जाता है। "देवी भागवत पुराण" और "मार्कंडेय पुराण" में इस कालकाजी मंदिर का उल्लेख अखण्ड भारत के एक पवित्र और प्राचीन तीर्थस्थल के रूप में मिलता है। यह मंदिर मनोकामना सिद्धपीठ के रूप में विख्यात है। महाभारत काल में भगवान कृष्ण ने पांडवों सहित यहां आकर भगवती की आराधना की। १५ वीं और १६ वीं शताब्दी के मध्य नाथ संप्रदाय के बाबा बालकनाथ ने इस स्थान को अपनी तपोस्थली के रूप में चुना। उन्हें भगवती का साक्षात्कार हुआ। मां ने बाबा को मन्दिर का जीर्णोधार करने का आदेश दिया। बाबा बालकनाथ के कहने पर अकबर बादशाह द्वितीय के पेशकार राजा मिर्जा केदार ने इस स्थान का जीर्णोद्धार करवाया।

वहीं, 1667 में औरंगजेब ने मंदिर ध्वस्त करने का फरमान जारी कर दिया था। लेकिन शक्तिस्वरुपा मां की महिमा से मंदिर का अधिक नुकसान नहीं हुआ और पुनर्निर्माण के बाद से यह मंदिर आस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है। इब्नेबुतुता नाम के विदेशी यात्री ने इस भव्य मन्दिर का ब्यौरा अपने यात्रा वृतांत्तों में दिया है। हजरत मुख्या निजामुद्दीन औलिया कालिका मन्दिर की ओर जाती भक्त मंडलियों को देखकर खुशी से कहते हैं "देखों कितनी दूर-दूर से मातृ भक्त अपनी मन्नतें लिए हुए गाते बजाते हुए भाव विभोर होकर अपनी रंग बिरंगी वेषभूषाओं में मां का यशोगान करते हुए जा रहे हैं।" संस्कृत साहित्य के प्रख्यात ग्रंथकार अरूण देव बर्मन ने अपनी सूर्यशतक नामक कृक्ति में कालिका मां की वंदना की है। मत्स्य पुराण में गौरी नामावली में हस्तिनापुर में जयंती काली का स्थान है ऐसा वर्णन मिलता है। तंत्र साधना की दृष्टि से यह पीठ अनाहतचक्र पर स्थापित है। अनाहत चक्र में बारह दल का कमल है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भी संपूर्ण ब्रह्माण्ड को बारह भागों में बांटा गया है। प्रत्येक 30 अंश के भाग को उसके आकार और गुणों के अनुरूप एक राशि का नाम दिया गया है। सूर्य एक मास में एक राशि को पार करता है। इस प्रकार एक वर्ष में पूरे 'भ' चक्र अर्थात संपूर्ण ब्रह्माण्ड का परिभ्रमण करता है। मन्दिर के बारह द्वार द्वादश आदित्यों और बारह महीनों का भी संकेत देते हैं। इस मन्दिर के बारह द्वार इसी आधार पर बने हैं। बाहर परिक्रमा में छत्तीस द्वार हैं जो मातृकाओं के द्योतक है। हर द्वार के सम्मुख तीन द्वार मां भगवती के त्रिगुणात्मक स्वरूप का भी परिचय देते हैं। मन्दिर की परिक्रमा के साथ ही उत्तर दिशा में गणेश की प्रतिमा है। पीछे कुछ दूरी पर हनुमान जी व भैरव का स्थान है। मन्दिर के द्वार के सम्मुख दो सिंह प्रतिमाएं स्थापित है। आगे यज्ञशाला बनी है जहां समय-समय पर शक्ति साधक यज्ञ करते हैं। संवत 1779 विक्रमी में राजा राम वर्मा ने यहां ललिताम्बा यज्ञ किया था। यज्ञ संपूर्ण होने पर उन्होंने मां भगवती को चौरासी घंटे भेंट किए थे। आज भी मन्दिर के चारों ओर कई सुंदर सरोवरों, बावलियों, चबूतरों और इमारतों के अवशेष दिखाए देते हैं। भवन के भीतर बने भित्ति चित्रों को देखकर मन्दिर की भव्यता का अनुमान सहज ही होता है। मन्दिर में अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित है। रात्रि के समय मां कालिका के लिए भक्त सुंदर शैय्या को सजाकर मन्दिर में रखते हैं। भक्तों की मान्यता है कि मां भगवती नित्यप्रति छोटी बालिका के रूप में आकर विश्राम करती है। इसलिए रात्रि काल में मन्दिर के सभी द्वार बंद रखे जाते हैं। प्रातःकाल पुजारी घंटानाद करके मन्दिर में प्रवेश करता है। बाद में मन्दिर के पट भक्तों के लिए खोल दिए जाते हैं। मन्दिर प्रातः काल 4 बजे खुल जाता है और रात्रि को 11. 30 बजे बंद होता है। दोपहर में लगभग 11 बजे मां के भोग के लिए तथा 3 बजे से 4 बजे तक सफाई के लिए बंद रहता है। इस पीठ में वेदोक्त, पुराणोक्त और तंत्रोक्त तीनों ही विधाओं से पूजा अर्चना की जाती है और साधक अभिष्ट फल प्राप्त करते हैं। पूर्व काल में यहां भी पशु बलि प्रदान की जाती थी जो बाद में बंद कर दी गई। अब केवल पशु को तिलक करके छोड़ दिया जाता है। ऐसी मान्यता है कि वह पशु कुछ दिनों बाद अपने आप मर जाता है। श्री सिद्ध कालिका पीठ में अष्टमी, चतुर्दशी एवं सप्ताह में मंगलवार, शनिवार को विशेष भीड़ रहती है। नवरात्र में यहां विशाल मेला लगता है। लाखों मातृ भक्त मां के दर्शन के लिए लिए यहां आते हैं और दर्शन कर मां को फल फूल नारियल आदि की भेंट चढ़ाते हैं। भगवती यहां प्रत्यक्ष है। वह अपने भक्तों के रोग, शोक, दुख, संताप एवं शत्रुओं के नाश करके अपने भक्तों को अभीष्ट भूखों को अन्न जल व निर्धनों वर देकर मनोरथ पूर्ण करती है। को अपार धन प्रदान करती है। ज्ञान योगियों को ज्ञान व सिद्धि चाहने वाले को सिद्धियां प्रदान करतीं हैं। यहां पूरे वर्ष भर भजन, कीर्तन, जागरण, यज्ञ आदि संपन्न होते रहते हैं। मां काली ही दस महा विद्या के रूप में प्रकट हुई। यहां पूजा अर्चना करने पर समस्त चराचर जगत को माता काली साधक के अधीन कर देती हैं। वहीं आद्यशक्ति चराचर विश्व में नानारूपों में विद्यमान है।

● दिल्ली से गोरखपुर का है पुराना रिश्ता, महंत अवधूत जी के प्रयासों से पीठ के विकास की और तेज हुई रफ्तार

मां कालका के दिव्य दर्शन

महंत अवधूत जी के नेतृत्व में कार्य कर रही है पीठ

कालका पीठाधीश्वर महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत जी

परम पूज्य गुरुदेव महंत श्री रामनाथ जी महाराज के 6 अप्रैल 1992 को ब्रह्मलीन होने के बाद गद्दी संभालने वाले कालिका पीठाधीश्वर महंत श्री सुरेंद्रनाथ अवधूत को इसी दिन यह दायित्व सौंपा गया। आध्यात्मिक परंपरा के अनुसार पीठ के महंत के ब्रह्मलीन होने के ही दिन नए उत्तराधिकारी की घोषणा आवश्यक होती है महंत अवधूत जी के नेतृत्व में कार्य कर रही है पीठ आज देश और विदेश के करोड़ों करोड़ लोगों की आस्था का प्रतीक बन चुकी है मान्यता है की मां के दरबार में आने वाले हर वक्त की मनोकामना यहां पूर्ण होती है। लोग अपनी मान्यताओं को पूरी होने के लिए मां के दरबार में अर्जी लगाते हैं और मान्यता पूरी होने पर मां का दर्शन पूजन हवन संकीर्तन आदि यथाशक्ति भक्त लोग करते हैं। कहा जाता है कि यदि प्रशासनिक खामियां और न्यायालय में मुकदमे के माध्यम से अवरोध उत्पन्न न किया गया होता तो आज यह पीठ देश की अत्यंत धनवान पीठों में से एक होती क्योंकि प्रतिदिन यहां हजारों की भीड़ मां के दर्शन के लिए उमड़ती है नवरात्र सहित अन्य प्रमुख हिंदू त्योहारो पर देश की राजधानी दिल्ली में स्थित मां कालिका पीठ में लाखों की भीड़ प्रतिदिन दर्शन के लिए आती है कभी-कभी मंदिर प्रशासन को भी इस भीड़ को नियंत्रित करने में पसीने आ जाते हैं लेकिन महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत के सरल स्वभाव कुशल प्रबंधन और आध्यात्मिक दक्षता के चलते सभी को दर्शन सुलभ हो जाते हैं। महंत सुरेंद्रनाथ जी पिछले करीब तीन दशक से अधिक समय से इस बीच के निर्विवाद और लोकप्रिय पीठाधीश्वर है। जिनके नेतृत्व में पीठ के बहुत सारे विकास कार्य हुए हैं और बहुत सारे कार्य अभी प्रस्तावित भी हैं जो भविष्य में किए जाने हैं।

गोरखपुर की गोरख पीठ से है गहरा नाता

नाथ संप्रदाय की इस पीठ का गोरखपुर स्थित गोरख पीठ से गहरा संबंध है पीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ के ब्रह्मलीन हो जाने के बाद नाथ संप्रदाय के अध्यक्ष उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री एवम गोरखधाम पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी हैं और कालिका पीठ भी नाथ संप्रदाय की है इसलिए गोरखपुर पीठ का दिल्ली की इस पीठ से दशकों पुराना गहरा आत्मीय रिश्ता है।

एक नजर

14 कोसी परिक्रमा में हरजीत कौर मेमोरियल सेवा संस्था के तत्वावधान में विराट भंडारे

अयोध्या। 14 कोसी परिक्रमा के शुभ अवसर पर राम नगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं की सेवा को समर्पित श्रीमती हरजीत कौर मेमोरियल सेवा संस्था के तत्वावधान में विराट भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी संस्थान अयोध्या धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अयोध्या विधानसभा प्रत्याशी सुरेश यादव द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान माझी मझवार समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष रामजस माझी और पुरोहित समाज के अध्यक्ष राजेश महाराज विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे सेवा शिविर 14 कोसी परिक्रमा पथ स्थित ब्रह्मकुंड निकट लगाया गया, जिसका संचालन समिति के अध्यक्ष गुरवीर सिंह सोढ़ी के नेतृत्व में किया गया। उद्घाटन के पश्चात सुरेश यादव ने कहा कि "भक्तों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है, यह परिक्रमा करने के समान ही फलदायी होता है उन्होंने बताया कि इस सेवा शिविर में परिक्रमा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, चाय, पानी, भोजन प्रसादी और आवश्यक सामग्री का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है कार्यक्रम में संस्था के मीडिया प्रभारी अंकुर पांडे, कोषाध्यक्ष नवनीत कौर, ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा के ज्ञानी गुरजीत सिंह, अगमप्रीत सिंह समेत कई समाजसेवी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिले में होगा रन फॉर यूनिटी

अम्बेडकरनगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती (31 अक्टूबर 2025) को जिले में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भव्यता एवं उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। इस संबंध में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम को सफल एवं अनुशासित ढंग से संपन्न कराया जाए। यह दौड़ 31 अक्टूबर 2025 को प्रातः 7:00 बजे पुलिस लाइन अकबरपुर से प्रारंभ होकर पटेल तिराहे तक जाएगी।इस अवसर पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी आदि सहित पुलिस विभाग एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा एनसीसी कैडेट व जनपद के विभिन्न विद्यालयों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा सहायता हेतु एम्बुलेंस मय स्टाफ, पेयजल व्यवस्था, तथा अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर को आवश्यकता अनुसार रूट डायवर्जन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' के माध्यम से सरदार वल्लभभाई पटेल जी के आदर्शों और राष्ट्रीय एकता के संदेश को आगे बढ़ाया जाएगा। इसी के साथ ही जनपद स्तरीय कार्यक्रम के साथ-साथ जनपद स्थानों पर भी 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन भव्य रूप से किया जाए, जिससे राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचे।

रामकथा सागर तो कृष्ण कथा जीवों का आकर्षण

अयोध्या। उत्तर वाले मया बाजार से सटे टिकरा बैहारी गांव में चल रही चतुर्थ दिवस की भागवत कथा में अंतर्राष्ट्रीय कथा व्यास आचार्य राधेश शास्त्री जी ने बताया कि श्री राम जैसा कोई पुत्र नहीं हुआ, वशिष्ठ जैसा कोई गुरु नहीं हुआ, दशरथ जैसा कोई पिता नहीं हुआ, कौशल्या जैसी कोई माता नहीं हुई, श्रीराम जैसा कोई पति नहीं हुआ, सीता जैसी कोई पत्नी नहीं हुई, भरत जैसा कोई भाई नहीं हुआ और रावण जैसा कोई शत्रु नहीं हुआ। रामकथा तो सागर जैसी है और श्री कृष्ण की कथा सभी प्रकार के जीवों को आकर्षित करती है। सामान्यतः जीवों के चार भेद हैं- पामर, विषयी, मुमुक्षु और मुक्त। कृष्ण कथा योगी और भोगी दोनों को आनंद देती है। इस अवसर पर मुख्य यजमान इंद्रदेवी एवं रमेश कुमार पांडेय सहित जानकी प्रसाद पाण्डेय, हरिश्चंद्र पांडेय, वृजेश पांडेय, अशोक पांडेय, मोहित तिवारी, रामचंदर तिवारी, कमलकांत पाठक, शिवसहाय मौर्या आदि गणमान्य ने राधेश जी महाराज को माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नगर क्षेत्र और आसपास गांवों के हजारों की संख्या में श्रोताओं ने वामन जन्म, राम जन्म एवं कृष्ण जन्म की कथा श्रवण कर खूब आनंद प्राप्त किया।

एसपी ग्रामीण ने खुद बढ़कर व्हीलचेयर से कराया मार्ग पार,श्रद्धालुओं ने सराहा

अयोध्या। चौदह कोसी परिक्रमा के दौरान अयोध्या में श्रद्धा, सेवा और मानवीय संवेदना का सुंदर संगम देखने को मिला। परिक्रमा में शामिल एक बुजुर्ग महिला जब भीड़ और थकान के कारण आगे बढ़ने में असमर्थ हो गईं, तब एसपी ग्रामीण बलवंत कुमार चौधरी ने स्वयं पहल करते हुए उन्हें व्हीलचेयर पर बैठाकर कुछ दूरी तक मार्ग पार कराया। भीषण भीड़ के बीच यह दृश्य देखकर श्रद्धालुओं में भावुकता और प्रशंसा का माहौल बन गया। सभी ने इस संवेदनशील पहल को पुलिस की मानवता और सेवा भावना का वास्तविक उदाहरण बताया। एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने कहा कि परिक्रमा में शामिल हर श्रद्धालु की सुविधा और सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। वृद्धजन और महिलाएं इस यात्रा की आत्मा हैं, उनकी सेवा करना ही सबसे बड़ा पुण्य है। उधर, प्रशासन की व्यवस्था के बीच यह मानवीय पहल श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा बन गई। लोगों ने कहा कि इस तरह की संवेदनशीलता पुलिस और जनता के बीच भरोसे को और मजबूत करती है।

अयोध्या के मरकजी जामा मस्जिद टाटशाह मे खोला गया उम्मीद पोर्टल सेंटर

अयोध्या। माननीय उच्चतम न्यायालय के वक्फ पर अंतरिम आदेश के पश्चात उम्मीद पोर्टल पर वक्फ के अवकाफ को दर्ज कराने हेतु वक्फ बोर्ड द्वारा नामित जिला कोर्डिनेटरों के द्वारा जनपद अयोध्या के मरकजी जामा मस्जिद टाटशाह मे खोला गया उम्मीद पोर्टल सेंटर। पोर्टल का शुभारम्भ काजी ए शहर मरकजी जामा मस्जिद टाटशाह शहर फैजाबाद के इमाम व खतीब जनाब मुफ़्ती शमसुल कमर कादरी साहब क़िबला द्वारा सरपरस्त जनाब मौलाना मुख़्तारुल हसन साहब बगदादी की सरपरस्ती मे मरकज जामा मस्जिद कमेटी के सदर जनाब सैय्यद सुल्तान अशरफ साहब व नायब सदर जनाब मो. कमर रईस साहब व सेक्रेटरी जनाब सिराजुल हक साहब व खजांची मो. मोईनुद्दीन साहब, नायब खजांची मो. इमरान साहब की मौजूदगी जिला कोर्डिनेटर द्वारा मरकजी जामा मस्जिद टाटशाह मे उम्मीद पोर्टल का सेंटर कुरान खानी और दुआ के बाद खोला गया! जिसमे वक्फ के अवकाफ को उम्मीद पोर्टल पर 5 दिसम्बर 2025 तक दर्ज कराने का आहवाहन किया गया। उम्मीद पोर्टल के जिला कोर्डिनेटर मोहम्मद आजम कादरी ने सभी वक्फ के मुतवल्लियो को 5 दिसम्बर 2025 के पहले वक्फ के अवकाफ मस्जिद, क़ब्रस्तान, ईदगाह, दरगाह, इमामबाड़ा आदि को उम्मीद पोर्टल पर दर्ज कराने के लिए आमंत्रित किया है।जिला कोर्डिनेटर मोहम्मद आरिफ ने बताया कि वक्फ के इस कार्य डीर के लिए एक सेंटर पहले से खिदमत एसोसिएट, निकट सोसाइटी ऑफिस, रीडगंज फैजाबाद मे भी खुला हुआ है वहाँ आकर भी ऑनलाइन पोर्टल पर वक्फ को निशुल्क दर्ज करा सकते है, ऑनलाइन उम्मीद पोर्टल पर दर्ज कराने का काम पूरी तरह से निशुल्क होता है। इस मौके पर जिला कोर्डिनेटर सैय्यद सुल्तान अशरफ साहब, कोर्डिनेटर मोहम्मद आजम कादरी साहब, कोर्डिनेटर मोहम्मद आरिफ साहब, कोर्डिनेटर मोहम्मद शमीम खान साहब, कोर्डिनेटर शाहिद अली साहब व अन्य मोअज़्ज़ीज़ हज़रात मौलाना ताहिर साहब, मौलाना बशीर खान साहब, हाफ़िज़ शादाब साहब नायब इमाम जामा जामा मस्जिद टाटशाह, व सुहैल साहब, अर्सलान आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं के सेवा के लिए उदय तिराहे पर शिविर लगाकर चाय व दवा वितरित

अयोध्या कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नीलम शर्मा ने परिक्रमा में आए श्रद्धालुओं के सेवा के लिए उदय तिराहे पर शिविर लगाकर चाय व दवा वितरित किया शिविर का उद्घाटन कांग्रेस जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने चाय वितरण की शुरुआत करके किया इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश सिंह ब्रजेश साहनी जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पांडेय जिओ हैदर आदि उपस्थित रहे।

14 कोसी परिक्रमा का शुभारंभ

लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू स्नान कर किया नागेश्वरनाथ महादेव का अभिषेक

विश्ववार्ता संवाददाता

अयोध्या। पावन नगरी अयोध्या में आज भोर 4 बजकर 51 मिनट पर 14 कोसी परिक्रमा का शुभारंभ हुआ। परिक्रमा का समापन शुक्रवार की भोर 4 बजकर 40 मिनट पर होगा। परिक्रमा के आरंभ होते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सरयू तट पर उमड़ पड़ी। लाखों भक्तों ने सरयू स्नान कर 'जय सरयू मैया' और 'जय श्री राम' के जयघोष के साथ नागेश्वरनाथ महादेव का अभिषेक किया। श्रद्धालु रामपथ से होते हुए हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन के लिए भी पहुंचे। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की अक्षय नवमी तिथि पर आयोजित 14 कोसी परिक्रमा अयोध्या की प्राचीन धार्मिक परंपरा का प्रतीक है। मान्यता है कि इस दिन की गई परिक्रमा और पुण्य कर्म अक्षय रहते हैं, अर्थात उनका क्षय कभी नहीं होता। देशभर से लगभग 20 लाख श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। इस दौरान मौसम ने श्रद्धालुओं की कड़ी परीक्षा ली। तड़के शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने परिक्रमा मार्ग को कीचड़ में बदल दिया, लेकिन भक्तों की आस्था अडिग रही। भीगे वस्त्रों और छालों से भरे पैरों के बावजूद श्रद्धालु 'जय श्री राम' के उद्घोष के साथ 42 किलोमीटर की यह कठिन यात्रा पूरी करने में जुटे रहे। आस्था के रंग में डूबी अयोध्यापूरी नगरी भक्ति और रामनाम के जयघोष से गूंज रही है। परिक्रमा मार्ग पर हर ओर दीपक, भजन और रामधुन की गूंज श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रही है। बारिश और कठिनाई के बावजूद श्रद्धालुओं की उमंग ने यह संदेश दिया है कि आस्था के आगे हर चुनौती नगण्य है।

प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था रही

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतज़ाम किए हैं। परिक्रमा क्षेत्र को 5 जोन और 32 सेक्टर में बांटा गया है। लगभग 80 मजिस्ट्रेट सहित सुपर जोनल, सब जोनल और सेक्टर अधिकारी लगातार निगरानी में जुटे हैं। राम की पैड़ी स्थित सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस में मेला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां छह वरिष्ठ अधिकारी और तीन सहयोगी अधिकारी तीन शिफ्टों में ड्यूटी कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए जगह–जगह कैंप और खोया–पाया केंद्र बनाए गए हैं, जो 24 घंटे सक्रिय रहेंगे।रेलवे को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि परिक्रमा मार्ग से गुजरते समय ट्रेनें सावधानीपूर्वक और हॉर्न बजाकर चलें। वहीं, प्रमुख स्थानों पर 24 घंटे पुलिस बल तैनात है। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार, एएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर और जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे स्वयं कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार के स्थानांतरण नीति की धज्जियां उड़ाता नगर निगम

» अवर अभियंता शशिकला पर पूर्व में भी लगा था फर्जी फाइल बनाने का आरोप

विश्ववार्ता संवाददाता

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या पर लगातार लग रहे भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच स्थानांतरण नीति की धज्जियां उड़ाने का नया मामला सामने आया है। जहां नगर निगम के अधिकारी कुछ जन प्रतिनिधियों का वरदहस्त प्राप्त कर लगातार जमे हुए हैं। स्वास्थ विभाग से गुरु प्रसाद सहायक नगर आयुक्त 4 वर्ष,ब्रिजेन्द्र वर्मा 8 वर्ष, अवर अभियंता अन्नू जायसवाल 8 वर्ष , अवर अभियंता शशिकला 4 वर्ष, राकेश कुमार सिंह सहायक लेखा अधिकारी 8 वर्ष से तैनात है, अवर अभियंता जलकल शशिकला पर पूर्व में भी भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे हैं जिनके द्वारा तमाम गलत तरीके से फाइल बनाकर भुगतान कराए जाने का भी आरोप लगा। स्थानांतरण नीति के शासनादेश के अनुसार 3 साल में नियम है लेकिन शासन के इन नियमो पर नगर निगम अयोध्या के अधिकारी भारी पड़ रहे। नगर निगम के इन अधिकारियों ने तो खुद का जमीन मकान भी ले लिया है। अवर अभियंता अन्नू जायसवाल तो नगर निगम के दो टर्न पूरी करने की तरफ अग्रसर है। इन अधिकारियों के लंबे समय तक टीके रहने से ठेकेदारी में अपने आदमियों को टेंडर दिलाने का काम करना भी शुरू कर दिया है यहां तक कि अधिकारी अपने रिश्तेदार और आदमियों को पर्दे के पीछे ठेके में उतार चुके है। स्थानांतरण नीति इसीलिए था कि अधिकारी एक जगह टिककर भ्रष्टाचार में संलिप्त न होने पाए समय समय पर उनका स्थानांतरण होता रहे लेकिन नगर निगम अयोध्या में तो भ्रष्टाचार को बढ़ाने का काम यही अधिकारी कर रहे।

चौदह कोसी परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं की सेवा में आरएसएस

परिक्रमार्थियों की सेवा में संघ, पूर्व सैनिक परिषद एवं होम्योपैथी महासंघ के स्वयंसेवक

विश्ववार्ता संवाददाता

अयोध्या। बरसात में भीगते किंतु श्रद्धा भक्ति की चादर से तन ढकते अपने प्रभु श्रीराम की अयोध्या की चौदह कोसी परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं की सेवा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सेवा विभाग , सेवा भारती, पूर्व सैनिक परिषद, आरोग्य भारती, होम्योपैथी महासंघ एवं आयुर्वेद परिषद ने परिक्रमा पथ पर जगह जगह सेवा शिविर लगाकर चाय , पानी, बिस्किट, एवं दवाएं वितरित कर सेवा की। सिविल डिफेंस वार्डन एवं महानगर सहसेवा प्रमुख होम्योपैथी चिकित्सक डॉ उपेंद्र मणि त्रिपाठी , पूर्व सैनिक परिषद के अध्यक्ष श्री प्रकाश पाठक के संयोजन में कौशलपुरी मोड पर रात्रि से ही शिविर प्रारंभ कर दिया गया। रामनगर मोड़ पर सेवा भारती के डॉ प्रेमचंद्र , डॉ सौरभ दीक्षित, अफीम कोठी के निकट डॉ पंकज, डॉ विवेक श्रीवास्तव, लक्ष्मण किला के निकट लवकुश, लोहियानगर में अनुराग के संयोजन में स्वास्थ्य एवं जलपान सेवा शिविरों के माध्यम से श्रद्धालुओं की सेवा की जा रही है। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अयोध्या के कैप्टन बी के सिंह सुबेदार मेजर बालेन्दु भूषण मिश्रा कैप्टन रमा निवास तिवारी फ्लाइट लेफ्टिनेंट देवेन्द्र प्रताप सिंह सुबेदार सूर्य प्रताप सिंह कैप्टन सिन्धु पाण्डेय सुबेदार अमर जीत सिंह कैप्टन कौशल किशोर मिश्रा कैप्टन विजय कुमार सिंह नायब सूबेदार श्याम गिरि नायब सूबेदार सिद्धनाथ शर्मा नायब सूबेदार कपिल देव सिंह नायब सूबेदार रानू सिंह हवलदार शिव कुमार सिंह, हवलदार विजय पाठक हवलदार सुधाकर पाठक , सुबेदार अनिल कुमार सिंह, कैप्टन ओम प्रकाश शर्मा, कैप्टन पारस नाथ पाण्डेय, साधुना प्रसाद शुक्ल राकेश शुक्ला व्यवसायी चेतन सिंह, डा अरुण तिवारी, डा प्रज्ञा मिश्रा, हवलदार राणा प्रताप सिंह,पूर्व सेलटेक्स कमिश्नर इन्द्र प्रकाश तिवारी, ज्ञान द्विवेदी, देवेन्द्र शर्मा,आदि स्वयंसेवकों ने सेवाएं दीं।

परिक्रमार्थियों की सेवार्थ श्री रामाय सेवा ट्रस्ट ने लगाया सेवा कैम्प

देवकाली भीखापुर में पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने किया शुभारंभ, सेवा ही सच्ची साधना का दिया संदेश

अयोध्या। चौदह कोसी परिक्रमा के पावन अवसर पर रामनगरी में सेवा व समर्पण की अद्भुत मिसाल पेश करते हुए श्री रामाय सेवा ट्रस्ट द्वारा देवकाली भीखापुर में भव्य सेवा कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प का शुभारंभ पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल तथा ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने भगवान श्रीराम व महाबली हनुमान के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः का सामूहिक उच्चारण वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करता रहा। सेवा कैम्प में परिक्रमार्थियों के लिए चाय-पानी, विश्राम स्थल, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, मेडिकल कैम्प और मोबाइल टॉयलेट जैसी उत्कृष्ट सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया और चाय पीकर 'जय श्रीराम' के जयघोष के साथ परिक्रमा पथ पर आगे बढ़ चले।

पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा परिक्रमा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जनसेवा का अवसर है। सेवा ही सच्ची साधना है।पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल ने कहा-रामनगरी की आत्मा सेवा और समर्पण में बसती है। यही भावना हमें समाज के प्रति उत्तरदायी बनाती है। वहीं शिवेंद्र सिंह ने कहा-परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा ही हमारा धर्म है। सेवा भाव से किया गया प्रत्येक कार्य प्रभु श्रीराम को समर्पित है।दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ कैम्प में उमड़ती रही। राम नाम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सेवा में भाजपा मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह, व्यापारी नेता शिवम शुक्ला, बाबूराम यादव सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक निष्ठा से जुटे रहे।

विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व अभय सिंह ने परिक्रमार्थियों की सेवा कर लिया आशीर्वाद

विश्ववार्ता संवाददाता

अयोध्या। चौदह कोसी परिक्रमा के पावन अवसर पर अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और गोसाईगंज विधायक अभय सिंह ने परिक्रमा पथ पर लगे विभिन्न सेवा कैम्पों का दौरा कर श्रद्धालुओं की सेवा की और आशीर्वाद प्राप्त किया। दोनों विधायकों ने सूर्यकुंड, दर्शननगर, हनुमानगढ़ी नाका, सहादतगंज, लक्ष्मण घाट, नयाघाट, भीखापुर सहित अनेक स्थलों पर पहुंचे कैम्पों में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और परिक्रमार्थियों से संवाद किया। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि परिक्रमा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण की भावना का जीवंत उदाहरण है। श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करना हम सभी का दायित्व है।" वहीं विधायक अभय सिंह ने कहा कि "परिक्रमा मार्ग पर लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों का समन्वय अनुकरणीय है। सेवा ही सच्ची भक्ति है। दोनों विधायकों ने प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता कर चिकित्सा, सुरक्षा, जलपान और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। परिक्रमा पथ पर "जय श्रीराम" के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

अयोध्या में शुरू हुई ब्रेस्ट कैंसर की विशेष ओपीडी सेवाएं

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल लखनऊ की एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. फाराह अरशद ने किया ओपीडी का शुभारंभ

विश्ववार्ता संवाददाता

अयोध्या। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कैंसर उपचार को और सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने अयोध्या में ब्रेस्ट कैंसर की विशेष ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की है।

यह सेवा देवा मेमोरियल मेडिकल, सर्जिकल एंड मॅटर्निटी नर्सिंग होम के सहयोग से शुरू की गई है।इस विशेष ओपीडी का शुभारंभ डॉ. फाराह अरशद, एसोसिएट डायरेक्टर- ब्रेस्ट एंड एंडोक्राइन सर्जरी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ की उपस्थिति में किया गया। अब डॉ. फाराह अरशद हर महीने के तीसरे गुरुवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक देवा मेमोरियल मेडिकल, सर्जिकल एंड मॅटर्निटी नर्सिंग होम, देवकली रोड, अयोध्या में मरीजों को परामर्श एवं फॉलो-अप सेवाएं प्रदान करेंगी।

शुभारंभ अवसर पर डॉ. फाराह अरशद ने कहा कि, ब्रेस्ट कैंसर से लड़ाई में सबसे प्रभावी हथियार है-समय पर पहचान और सही इलाज की शुरुआत। अयोध्या में इन ओपीडी सत्रों के जरिए हमारा उद्देश्य उन महिलाओं तक पहुंचना है, जिन्हें विशेष इलाज की सुविधा आसानी से नहीं मिल पाती। नियमित जांच और शुरुआती पहचान से न केवल बीमारी का इलाज आसान हो जाता है, बल्कि मरीज के पूरी तरह ठीक होने की संभावना भी अधिक रहती है। देर से पहचान होने पर इलाज जटिल और खर्चीला हो जाता है।

अयोध्या में इन नई सेवाओं की शुरुआत के साथ, मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ, प्रदेश के छोटे शहरों में भी अपनी चिकित्सा सेवाओं का विस्तार कर रहा है, ताकि मरीजों को उच्चस्तरीय कैंसर उपचार और विशेषज्ञ परामर्श अपने ही शहर में उपलब्ध हो सके, बिना लंबा सफर तय किए।

मंदिर में बने बलिदानी कारसेवक स्थल :मनीष

30 अक्टूबर 1990 के बलिदानी कारसेवकों को हिंदू महासभा ने किया नमन

विश्ववार्ता संवाददाता

अयोध्या। 30 अक्टूबर 1990 की कार सेवा में बलिदान हुए वासुदेव गुप्ता एवं राजेंद्र धरिकार की पुण्यतिथि पर हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय द्वारा बलिदानी कारसेवकों के आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर माल्यार्पण पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी विनम्र श्रद्धांजलि प्रदान का नमन किया गया इस अवसर पर हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय के द्वारा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र प्रेषित कर यह मांग की गई है कि जब ऐसे में जब अयोध्या में भव्यतम, दिव्यतम राम मंदिर का निर्माण कार्य अपनी निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है किंतु इस मंदिर निर्माण के पीछे हजारों लाखों पुण्य आत्माओं का जो बलिदान हुआ उसे पूरी तरह से उपेक्षित कर ने उन्हें नेपथ्य में धकेल दिया गया ,आज भी यह बलिदानी कारसेवकों के परिवार न्याय पाने की आशा में टकटकी लगाए बैठे हैं उन्होंने प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित करें मांग की है कि 1990 में बलिदान हुए कारसेवक वासुदेव गुप्ता ,राजेंद्र धरिकार ,रमेश पांडेय ,एवं राम अचल गुप्ता सहित अन्य बलिदानी कारसेवकों के परिवार वालों को बुनियादी सुविधाएं, आर्थिक सहायता, एवं परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए ,इसी के साथ-साथ राम जन्मभूमि परिसर में बलिदानी सभी कार सेवकों की स्मृति में बलिदान स्थल का निर्माण कराया जाए ,तथा 1990 में कारसेवकों पर गोली चलवाने वाले हत्यारे मुलायम सिंह यादव जिन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया उनका सम्मान तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए श्री पांडेय ने कहा कि निर्दोष कारसेवकों पर गोली चलवाने वाला व्यक्ति वाला व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ नागरिक कैसे हो सकता है? हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष महंत रामलोचन शरण शास्त्री राजन बाबा द्वारा भी बलिदानी कारसेवकों के चित्र पर माल्यार्पण अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई श्रद्धांजलि देने वाले प्रमुख लोगों में वासुदेव गुप्ता के पुत्र संदीप गुप्ता , मीरा गुप्ता, राजेंद्र धरिकार के भाई रविंद्र धरिकार, सोनी देवी, सोनाली धरिकार, रुचि धरिकार, लकी, आलोक, चेतन ,शिवानी ,सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

14 कोसी परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं के लिए लगा स्वास्थ्य शिविर

अयोध्या। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी एवं राज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है, सभी श्रद्धालु भंडारे का प्रसाद लेकर अवश्य आगे बढ़े, प्रभु श्री राम आपकी परिक्रमा शीघ्र पूरा करेंगे,प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी ने कहा कि विकास प्राधिकरण कार्यालय के आगे शनि मंदिर के सामने विगत वर्षों की बात इस वर्ष भी 14 कोसी परिक्रमा करने वालों श्रद्धालुओं राम भक्तों से अपील किया कि सभी लोग प्रसाद अवश्य ले, प्रसाद में हलुआ , चना,तहरी,चाय का प्रसाद अवश्य प्राप्त करे इस अवसर पर पंडित शिव शंकर शास्त्री , राजेश सिंह, पंडित दिनेश , सत्येंद्र पांडेय ,बाबा भगत ,मनीष सिंह के साथ दर्जनों लोगों द्वारा सहयोग किया गया।

भागवत कथा सुनने मात्र से ही मिलती है जन्म मरण से मुक्ति

विश्ववार्ता संवाददाता

हजपुरा, अम्बेडकरनगर। कहरा सुलेमपुर में मुख्य यजमान दुर्गा प्रसाद सिंह के यहां चल रही भागवत कथा में पांचवें दिन कथा व्यास पंडित विपुल महराज ने कृष्ण सुदामा प्रसंग का वर्णन किया। कहा कि प्रभु का नाम उच्चारण मात्र से ही पापों से मुक्ति मिलती है। भागवत कथा के रसपान से जीव जन्म मरण से मुक्त हो जाता है। श्रीमद् भागवत कथा से अधिक कल्याणकारी कोई साधन नहीं है। सभी का सुख केवल भगवान के चरणों में निहित है। इसलिए व्यस्त जीवन से समय निकालकर इसका श्रवण अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भागवत कथा अमृत के समान है। जिसके श्रवण से मनुष्य अमृत तुल्य बन जाता है। यह एक ऐसी दिव्य औषधि है जो जन्म मृत्यु के चक्र से मुक्ति दिलाता है। भागवत कथा को पंचम वेद कहा गया है। जिसे पढ़ने और सुनने से जीवन का परम उद्देश्य साकार होता है। कथा में कृष्ण सुदामा के मित्रता का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि सुदामा जब कृष्ण से मिलने के लिए द्वारिकापुरी पहुंचते हैं। बाहर पहले उनका द्वारपालो के द्वारा उपहास उडाया जाता है। लेकिन जब सुदामा के आने की जानकारी भगवान श्री कृष्ण को मिलती है तो वह उनसे मिलने के लिए नंगे पैर ही दौड़ पडते हैं। यह देख सभी आश्चर्यचकित हो जाते हैं। श्री कृष्ण सुदामा को अपने साथ लेकर भवन आते हैं। प्रेम में वह इतना बिहवल हो जाते हैं कि अपने आंसुओं से ही सुदामा का पैर धुलते हैं। और मन ही मन उनकी समस्या जानकर उसे दूर कर देते हैं। कृष्ण सुदामा की मित्रता का यह अनुपम उदाहरण है।

रणनीति जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

बीएलओ अपने बूथ पर घर-घर जाकर मतदाता सूची की शुद्धता का करें सत्यापन

विश्ववार्ता संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर आज कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा SIR को लेकर दिए गए निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों, कार्यक्रमों और इसकी प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गईइस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विशेष प्रकार पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न होने पाए। और साथ ही साथ सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो सके, इसके लिए पूरी सतर्कता बरती जाए। उन्होंने कहा कि वृद्ध, बीमार, दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी), निर्धन एवं अन्य अशक्त व्यक्तियों को मतदाता सूची में सम्मिलित करने का विशेष ध्यान दिया जाए।इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों से सभी बूथों पर अपने-अपने बूथ लेबल एजेंट नियुक्त करने और उसकी सूची जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जो पुनरीक्षण कार्यों में बीएलओ का सहायोग करेंगे। उन्होंने डुप्लीकेट, शिफ्टेड एवं मृत मतदाताओं को लेकर पूरी सावधानी रखें। उन्होंने बताया कि किसी भी मतदेय स्थल पर बारह सौ से अधिक मतदाता नहीं रहेंगे।इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 03 नवम्बर, 2025 तक विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) से संबंधित तैयारी, प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्रों का मुद्रण किया जायेगा। 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का मतदाताओं को वितरण किया जायेगा एवं प्रपत्रों को भरवाकर प्राप्त किया जायेगा। 09 दिसम्बर, 2025 को आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। दावे और आपत्तियां दाखिल किये जाने की अवधि 09 दिसम्बर, 2025 से 08 जनवरी, 2026 तक होगी। नोटिस जारी किये जाने, सुनवाई एवं सत्यापन व दावे और आपत्तियों का निस्तारण एवं गणना प्रपत्रों पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निर्णय किये जाने की अवधि 09 दिसम्बर, 2025 से 31 जनवरी, 2026 तक होगी। 07 फरवरी, 2026 को अन्तिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक पार्टियों के पदाधिकारियों को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में मतदाताओं से संबंधित माननीय आयोग निर्देश के संबंध में श्रेणीवार जानकारी देते हुए बताया कि श्रेणी (ए) ऐसे मतदाता जिनका जन्म भारत में 01.07.1987 के पूर्व हुआ है और जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में है, ऐसे मतदाता का केवल एनुमरेशन फॉर्म भरवाना होगा और दस्तावेजों के रूप में केवल 2003 की मतदाता सूची का साक्ष्य अपलोड करना होगा।श्रेणी (बी)-ऐसे मतदाता जिनका जन्म भारत में 01.07.1987 के पूर्व हुआ है। लेकिन 2003 की मतदाता सूची में नाम अंकित नहीं है। उन्हें जन्म तिथि और / या जन्म स्थान को प्रमाणित करने के लिए नीचे दी गई सूची (13 दस्तावेजों की) में से कोई भी दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे। श्रेणी (सी)ऐसे मतदाता जिनका जन्म भारत में 01.07.1987 और 02.12.2004 के बीच हुआ है।

एक नजर

सीबीगंज थाने के समीप दो दुकानों में चोरी

बरेली, सीबीगंज। बेखौफ होकर अज्ञात चोरों थाने से कुछ कदम कि दूरी पर दो अलग-अलग बन्द दुकानों के ताले तोड़कर हजारों रुपए का माल पर हाथ फेर दिया। पीड़ित जब दुकान खोलने पहुंचे तो उन्हें चोरी घटना की जानकारी हुई। दोनों पीड़ितों ने चोरी घटना की तहरीर पुलिस को सौंप कर कार्रवाई की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक चोरी का मुकदमा थाने में दर्ज नहीं हुआ था। सीबीगंज के खलीलपुर निवासी धर्मपाल मौर्य के मुताबिक वे स्लीपर रोड पर एक छोटी सी परचून की दुकान चलाते हैं और वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोर दुकान के ताले तोड़कर अंदर घुसे और उसमें रखा हजारों रुपए का सामान कब्जे में लिया और लेकर फरार हो गए। इसी दौरान कर लालता प्रसाद पस्तौर निवासी कि दुकान में ताला तोड़कर घुसे चोरों ने हजारों रुपए का सामान का कब्जे में लिया और समेटकर फरार हो गए। दोनों पीड़ित जब दुकान खोलने गुरुवार सुबह पहुंचे तो उन्हें दुकान में हुई चोरी की घटना की जानकारी हुई। जिसके बाद दोनों पीड़ितों ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध पुलिस को तहरीर सौंपी है। वहीं थाने के समीप दुकानों में हुई चोरी से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। घटना के बाद सीबीगंज कस्बे में गश्त कर रही पुलिस पर सवाल उठना लाजिमी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला से घर में घुसकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पीलीभीत। गांव निवासी एक महिला ने अपने पड़ोसी पर पति की गैर मौजूदगी में घर में घुसकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने का आरोप लगाते हुए थाना पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गजरौला थाना क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि बुधवार की रात परिवार के सभी सदस्यों ने खाना। खाना खाने के बाद उसका पति गांव में किसी काम से चला गया और वह अपने बच्चों सहित सो रही थी। रात दस बजे के बाद गांव निवासी आकाश उसके घर में घुस गया और चाकू की नोक पर दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने लगा। महिला ने विरोध करते हुए शोर मचाने की कोशिश की तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी देकर डरा दिया। इससे पहले कि आरोपी आकाश मौके से फरार होता कि महिला का आ गया और आरोपी को पकड़ लिया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। गजरौला थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया।

अधेड़ का शव यूकेलिप्टस के पेड़ पर लटका मिला

पीलीभीत। यूकेलिप्टस के पेड़ पर एक अधेड़ का शव लटका देखा तो ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। पुलिस ने शव को शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा। बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया मंडन निवासी 40 वर्षीय राजेश कुमार पुत्र बाबूराम बीती रात अचानक से लापता हो गया था। परिजनों ने राजेश कुमार की खोजबीन की लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चला। गुरुवार की सुबह अचकचा गांव निवासी ग्रामीण अपने खेतों पर जाने के लिए घर से निकलकर पुलिया पर पहुंचे तो देखा कि लापता राजेश का शव यूकेलिप्टस के पेड़ पर झूल रहा है। आग की तरह फैली खबर परिजनों के कानों तक पहुंची। मृतक के परिजन और बरखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से पूछताछ करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के मुताबिक राजेश कुमार शराब का शौकीन था, लेकिन मानसिक रूप से भी अस्वस्थ चल रहा था।

ऑटो में सवार अज्ञात युवक ने काटी जेब, 35 हजार रुपये उड़ाए

बरेली। थाना सुभाषनगर क्षेत्र में जेबकटी का एक मामला सामने आया है। अशोक नगर मढ़ीनाथ निवासी बृज किशोर पुत्र स्वर्गीय पुत्तू लाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने गुरुवार को समय लगभग 11 बजे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सीतापुर अस्पताल अय्यूब खां चौराहा शाखा से अपनी पत्नी के इलाज के लिए ₹35,000 रुपये निकाले थे। बृज किशोर ने रुपये पैंट की दाहिनी जेब में रख लिए और उसी चौराहे से घर जाने के लिए एक ऑटो में सवार हो गए। उनके साथ ऑटो में एक अज्ञात युवक भी बैठा था जो मढ़ीनाथ पुलिया से कुछ दूर पहले ही उतर गया। घर पहुंचने पर जब बृज किशोर ने जेब देखी तो वह कटी हुई थी और ₹35,000 रुपये गायब थे। पीड़ित ने बताया कि उसी युवक ने चालाकी से उनकी जेब काटकर रुपये निकाल लिए। उन्होंने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर रुपये बरामद कराने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जाएगी ताकि आरोपी का सुराग लगाया जा सके।

वक्फ संपत्ति कब्जाने के मामले में, जांच होगी

बरेली। 26 सितंबर को हुए बवाल के मुख्य आरोपियों में शामिल मौलाना तौकीर रजा के करीबी नफीस और उनका परिवार एक बार फिर मुश्किल में है। वक्फ संपत्ति कब्जाने के मामले में दर्ज मुकदमे में लगी एफआर (फाइनल रिपोर्ट) को एसएसपी ने खारिज कर दी और दोबारा विवेचना के आदेश जारी किए हैं। जानकारी के अनुसार, साजदा बेगम नाम की महिला ने डॉ. नफीस के बेटों नोमान और फरहान समेत पांच लोगों पर वक्फ संपत्ति कब्जाने के गंभीर आरोप लगाते हुए थाना किला में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की विवेचना के बाद पुलिस ने आरोपों को निराधार बताते हुए एफआर लगा दी थी, लेकिन वादी ने हार नहीं मानी और गोपनीय हेल्पलाइन के जरिए एसएसपी से शिकायत की। एसएसपी ने शिकायत की जांच सीओ प्रथम को सौंपी। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि एफआर लगाने के पीछे वक्फ बोर्ड के विधि सलाहकार की राय का हवाला दिया गया था, मगर उनके बयान ही दर्ज नहीं किए गए थे। इस गंभीर त्रुटि को देखते हुए एसएसपी ने एफआर खारिज कर दोबारा विवेचना के आदेश दिए हैं। बवाल के बाद प्रशासन ने नफीस का अवैध बारातघर गिराया था और दुकानें भी सील कर दी थीं। अब वक्फ संपत्ति विवाद में दोबारा जांच शुरू होने से परिवार की कानूनी परेशानी और बढ़ने वाली है।

विश्व रिकॉर्ड बनाने में जुटेगा आदित्य शंकर

बरेली। आम जिंदगी जीते हुए कुछ एक लोगों में कुछ अलग करने की क्षमता उत्पन्न हो जाती है ऐसे बिरले लोग लीक से हटकर कुछ ऐसा करते हैं जिससे बाकी लोग आश्चर्यचकित हो जाते हैं। ऐसा ही एक कारनामा सीबीगंज इलाके के खलीलपुर रोड पटेल नगर के रहने वाले आदित्य शंकर ने कुछ अलग करने का संकल्प लिया है। उन्होंने तय किया है कि वह एक नवंबर को सुबह 9:00 बजे से अपने ही क्षेत्र के शिव ज्ञान स्कूल में 220 घंटे लगातार बोलकर उपन्यास और कुछ धार्मिक पुस्तक का अध्ययन करेंगे।

निगोही, मदनापुर व जैतीपुर, बन्डा ब्लॉक में मनरेगा में चल रहा फर्जीवाड़े का जाल

सुबह 300, रात में 1200 मजदूरों की हाजिरी सिस्टम में घुसे ब्लाक स्तर के अधिकारियों का कमाल

» निगोही के ढकिया तिवारी में प्रतिदिन चल रहे 132 मजदूर

मदनापुर ब्लाक के लईखेड़ा में चल रहे 172 मजदूर व गोविंदपुर में 178 मजदूर

> जहां से शिकायत मिलती है उसकी जांच कराकर कार्यवाही की जाती है
> **योशोवर्धन सिंह, उपायुक्त श्रम रोजगार**

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। गरीबों को रोजगार देने के लिए बनी मनरेगा योजना में निगोही, जैतीपुर और मदनापुर ब्लॉकों में खुलेआम खेल चल रहा है। शासन की मंशा को ठेंगा दिखाते हुए अफसरों और स्थानीय जिम्मेदारों की मिलीभगत से सरकारी धन की बंदरबांट की जा रही है।

जानकारों के मुताबिक निगोही क्षेत्र के ढकिया तिवारी गांव में प्रतिदिन 130 मजदूरों के काम करने का रिकॉर्ड दर्ज किया जा रहा है जबकि मौके पर मुश्किल से 10 से 15 मजदूर ही काम करते नजर आते हैं। यही हाल जैतीपुर और मदनापुर ब्लॉकों का भी है जहां सुबह मजदूरों की हाजिरी 300 दर्ज की जाती है, मगर रात 1200 तक पहुंच जाती है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह सब खंड विकास अधिकारी व एपीओ तकनीकी सहायकों और रोजगार सेवकों की मिलीभगत से हो रहा है। बिना काम के मजदूरों के नाम पर फर्जी हाजिरी लगाकर भुगतान कराया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि कई जगह तो कुदाल फिर भी मजदूरों का पैसा जारी हो रहा है। वहीं जो फोटो अपलोड की जाती है उसमें महिलाओं का नाम दर्ज होता लेकिन फोटो से महिलाएं गायब होती है। सरकार की जनकल्याणकारी योजना में इस तरह की धांधली शासन की छवि धूमिल कर रही है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि निगोही, मनरेगा कार्यों की जांच कराई जाए। जिससे फर्जीवाड़े का पूरा खेल बेनकाब हो सके। ग्रामीण बोले रोजगार सेवक कहता है कि अपना बैंक पास बुक दे दो जितना रुपया आएगा उसका 20 प्रतिशत मिलेगा बाकी रुपया हमारा होगा। हमारे नाम से मजदूरी निकाली जा रही है, पर हमें कमीशन मिलती है। मनरेगा के नाम पर हो रहे इस खेल ने यह साबित कर दिया है कि जिम्मेदारों की आंखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी बंधी हुई है और योजनाओं का लाभ आम गरीब तक पहुंचने से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है।

किसानों को करोड़ों की चपत लगाकर आढ़ती फरार, लाइसेंस सस्पेंड

विश्ववार्ता संवाददाता

पीलीभीत। किसानों के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी कर आढ़ती फरार हो गया। मण्डी अधिकारियों ने बालमुकुन्द राममूर्ति आढ़त का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। फर्म स्वामी प्रियांशु अग्रवाल ने कई किसानों से धान की उपज खरीदी थी और करोड़ों की देनदारी से बचने के लिए आढ़त पर ताला लगाकर फरार हो गया।

जनपद शाहजहांपुर के निगोही थाना क्षेत्र स्थित ग्राम संडाखास निवासी संदीप कुमार ने मण्डी सचिव को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि अक्टूबर माह की अलग-अलग तीन तिथियों में उसने अपना धान नवीन मंडी स्थल पीलीभीत में स्थित बालमुकुन्द राममूर्ति आढ़त पर प्रियांशु अग्रवाल को बेचा था। कई अन्य किसानों ने भी अपनी जरूरत पर आढ़ती प्रियांशु अग्रवाल को धान की फसल बेची थी। आढ़ती प्रियांशु अग्रवाल ने किसानों को 15 दिनों में खरीदे गए धान का भुगतान करने का वादा किया, लेकिन तय समय पर भुगतान नहीं किया और अपनी आढ़त पर ताला डालकर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक

आरोपी आढ़ती प्रियांशु अग्रवाल को पीलीभीत और शाहजहांपुर के 42 किसानों ने 1,98,59,677 रुपयों का 10,126.40 कुंतल धान और 7,72,500 रुपए की कीमत का 300 कुंतल गेहूं बेचा था। किसानों को देनदारी का भुगतान न करना पड़े, इसलिए आरोपी आढ़ती किसानों के साथ धोखाधड़ी करके भाग गया। मंडी सचिव ने मामले की जांच मण्डी सहायक जहीर अहमद को सौंपी है। मंडी सहायक ने बताया कि फर्म स्वामी आढ़त में ताला डालकर फरार हो गया है और किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाया है।मामले की गंभीरता को देखते हुए मण्डी समिति पीलीभीत के सभापति विजय वर्धन तोमर और सचिव प्रवीण कुमार अवस्थी ने फर्म का लाइसेंस निलंबित कर दिया है।

अमरगंज में घरेलू हिंसा और दहेज उन्मूलन विषय पर जागरूकता चौपाल संपन्न

विश्ववार्ता संवाददाता

पीलीभीत। जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देश पर महिला कल्याण विभाग द्वारा मिशन शक्ति अभियान 05 के तहत घरेलू हिंसा, दहेज उन्मूलन थीम पर ललौरीखेड़ा ब्लॉक के ग्राम अमरगंज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग से संरक्षण अधिकारी रमनदीप कौर ने घरेलू हिंसा 2005 दहेज उन्मूलन विषय पर विस्तृत जानकारी दी।

जिला मिशन कोर्डिनेटर सुवर्णा पाण्डेय द्वारा विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टाफ सेंटर के बारे में जानकारी दी गई। इसी क्रम में महिलाओं व बच्चों को टोल फ्री नंबर 1098, 181, 1090, 112 इत्यादि के बारे में जागरूक किया गया। जागरूकता चौपाल में स्कूल की प्रधानाध्यापिका एवं समस्त छात्राओं सहित पंचायत सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प, शिक्षकों ने दिखाई एकजुटता

» प्राथमिक शिक्षक संघ ने किया दिल्ली चलो का आह्वान

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने शिक्षकों के अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा देने के लिए आगामी 21 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले ऐतिहासिक आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि यह आंदोलन शिक्षकों की एकता और सम्मान की परीक्षा है। ब्लॉक संसाधन केंद्र कांट पर आयोजित शिक्षक बैठक में संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष यशपाल सिंह यादव ने कहा कि

प्राथमिक शिक्षक संघ ने सदैव शिक्षकों के मान सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया है और हर बार विजय हासिल की है। यही संघ का सौ वर्षों का गौरवशाली इतिहास है।

उन्होंने कहा कि अब समय है कि शिक्षक एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करें। 21 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में लाखों शिक्षकों की उपस्थिति यह साबित करेगी कि हम अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और संगठित हैं। बैठक में महामंत्री उमेश सक्सेना, कोषाध्यक्ष अजीज अहमद, विष्णु पाल, मुमताज खान, रजनी यादव, प्रीति, अतुल सक्सेना, रिचा तोमर, अफसाना बेगम, पूनम कश्यप, देवराज स्वरूप, दीपक अग्निहोत्री, नूर नबी और रमेश पाल सहित अनेक शिक्षकों ने अपने विचार रखे। सभी ने एक स्वर में कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा नहीं, समाज की दिशा तय करता है और अब वक्त है अपनी एकता को देश के सामने प्रदर्शित करने का। यशपाल यादव बोले संघ की शक्ति एकजुटता में है और दिल्ली आंदोलन उसका प्रतीक बनेगा।

सरदार पटेल की जयंती मनायेगी कुर्मी क्षत्रिय सभा

बरेली। कुर्मी क्षत्रिय सभा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 31 अक्टूबर को ब्रह्मपुरा स्थित सरदार पटेल स्मारक कुर्मी क्षत्रिय छात्रावास में भव्य समारोह आयोजित करेगी। रविवार को सभा के पदाधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद छत्रपाल गंगवार शामिल होंगे।

वहीं अतिविशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, विधायक डॉ. एम.पी. आर्य, पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह गंगवार (वीरू), अर्बन कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष श्रुति गंगवार, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ऐबरन कुमार गंगवार, उषा गंगवार, नीरू पटेल, पूर्व विधायक छोटेलाल गंगवार, नरेन्द्र पाल सिंह गंगवार सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

महिला सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन

» खराब काम करने वाली आशाओं को हटाने के निर्देश

» टीकाकरण में स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए स्थिति सुधारने के निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड नवाबगंज में महिला सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष उप्र राज्य महिला आयोग डॉ. बबीता सिंह चौहान द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के विषय में जागरूक किये जाने के साथ ही महिलाओं को समाज में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कराये जाने हेतु प्रेरणा दी गयी। उन्होंने कहा कि हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी को बढ़ावा देते हुए महिलाओं को बढ़ावा दिया गया कि वह हर घर में स्वदेशी उत्पाद का प्रयोग करें, महिलाएं स्वयं से अपनी कला को विकसित करते हुए उत्पादों को घर में बनाए और आत्मनिर्भर बनें क्योंकि वर्तमान में महिलायें समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। यदि महिलायें आत्मनिर्भर बनेंगी तो ही वह अपने घर परिवार एवं समाज के विकास में सहयोग करेंगी, जिससे एक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण होगा। इसके अतिरिक्त आईएमए हॉल में अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के विषय में सभी महिलाओं को जागरूक करते हुए सभी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अध्यक्ष उ.प्र. राज्य महिला आयोग डॉ. बबीता सिंह चौहान, सदस्य राज्य महिला आयोग पुष्पा पांडे, विधायक नवाबगंज डॉ. एमपी आर्य, विधायक मीरगंज डॉ. डीसी वर्मा, अध्यक्ष अर्बन कोऑपरेटिव बैंक श्रुति गंगवार, जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा, महिला मोर्चा, आंगनबाड़ी, आशाएं एवं अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक एवं शहरी नियमित टीकाकरण के सम्बन्ध में सिटी टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने ई संजीवनी पोर्टल पर डॉक्टरों द्वारा की जा रही दैनिक ओपीडी की समीक्षा की गई, जिस पर दलेलनगर, मझगंवा, फरीदपुर,नवाबगंज की स्थिति खराब होने पर सम्बन्धित एम ओ आई सी को स्थिति सुधारने और

सीएचओ की उपस्थिति को सुधारने हेतु कार्यवाही करने के दिए निर्देश।

उन्होंने नियमित टीकाकरण में संतनगर, जसोली, बहेड़ी और कालीबाड़ी स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारियों को स्थिति को ठीक करने के निर्देश दिए और कहा कि अधिकारी टीकाकरण में लक्ष्य सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करें। अधिकारियों को एक टीम बनाकर फील्ड में उतर कर संवाद

स्थापित कर टीकाकरण को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारियों को खराब काम करने वाली आशाओं और निजी अस्पतालों में डिलीवरी के लिए गर्भवतियों को ले जाने वाली आशाओं को चिन्हित कर त्वरित कार्रवाई कर सेवा समाप्ति के निर्देश दिए कि जो परिवार नवंबर माह में बच्चों का नियोजित टीकाकरण पूर्ण नहीं करवाते हैं,तो उनका दिसंबर माह का पूर्ति विभाग द्वारा दिया जाने वाला राशन रोका जाए। वैक्सीन ना करवाने वाले परिवारों को जागरूक करने व भ्रान्तियां कम करने के लिए उन्होंने पूर्ति विभाग के अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आपसी तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय बैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम,आशा भुक्तान,आभा आई डी, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना,राष्ट्रीय कुष्ठ निवारण कार्यक्रम,आर सी एच पोर्टल पर डेटा फीडिंग सम्बन्धी, राष्ट्रीय टी बी रोग नियंत्रण कार्यक्रम, सर्जन परफॉर्मेंस,परिवार कल्याण कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रमों और योजनाओं की प्रगति सम्बन्धित समीक्षा की गई , समीक्षा उपरांत जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारी को यथोचित कार्यवाही कर प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित सभी चिकित्सा अधिकारियों को अपने-अपने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ सफाई , लोगों के बैठने कि सुविधा सहित अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं को अच्छे से बनाए रखने के निर्देश दिए ।

वर्षा बाधित मैच में डीएलएस से जीता हल्द्वानी

तीसरा दिन : श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी-20 प्राइज मनी वुमन क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन फर्स्ट

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी- 20 प्राइज मनी वूमन क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन फर्स्ट के तीसरे दिन गुरुवार को दिल्ली दबंग वुमन्स और हल्द्वानी क्वीन्स एवं एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी और देहरादून स्ट्राइकर्स वुमन्स के मध्य रोमांचक मुकाबला हुआ। वर्षा बाधित मैच में हल्द्वानी ने डीएलएस से दिल्ली पर जीत हासिल की। इस मैच में 26 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाने और तीन ओवर में एक मेडन के साथ सिर्फ 8 देकर 2 विकेट हासिल करने के लिए हल्द्वानी की अंकिता शाह को मैन आफ द मैच घोषित किया गया। टूर्नामेंट के अंतिम लीग मैच में एसआरएमएस को 3 विकेट से हराकर तीनों लीग मैच जीत देहरादून स्ट्राइकर्स फाइनल में पहुंची। तीसरी बार देहरादून की नीलम बिष्ट मैन आफ द मैच की हकदार बनीं। नीलम ने एक छक्के और 2 चौकों के साथ 22 गेंदों पर 23 रन बनाए और 3 विकेट हासिल कर एसआरएमएस के खिलाड़ियों पर अंकुश बनाया। एसआरएमएस एकेडमी और देहरादून स्ट्राइकर्स पहले ही फाइनल में स्थान बना चुके हैं। फाइनल शुक्रवार सुबह 9 बजे खेला जाएगा।

बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग और एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीईटी) में गुरुवार को श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी-20 प्राइज मनी वूमन क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन फर्स्ट का पांचवां और छठा लीग मैच हुआ। बारिश के चलते श्रीराम मूर्ति क्रिकेट स्टेडियम में टूर्नामेंट का पांचवां मैच सुबह कुछ देर से दिल्ली दबंग वुमन्स और हल्द्वानी क्वींस के बीच आरंभ हुआ। दिल्ली की कप्तान गरिमा बिष्ट ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हल्द्वानी की बेहतरीन गेंदबाजी के चलते दिल्ली की टीम निर्धारित ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 67 रन ही बना सकी। जवाब में हल्द्वानी क्वींस ने 7.4 ओवर में एक विकेट पर 57 रन बना लिए। इसी समय बारिश के चलते मैच फिर रोकना पड़ा। अंत में वर्षा बाधित मैच के परिणाम के लिए डीएलएस का सहारा लिया गया, जिसमें हल्द्वानी विजयी घोषित हुआ। इस मैच में 26 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाने और तीन ओवर में एक मेडन के साथ सिर्फ 8 देकर 2 विकेट हासिल करने के लिए हल्द्वानी की अंकिता शाह को मैन आफ द मैच घोषित किया गया।

टूर्नामेंट का छठा और अंतिम लीग मैच भी वर्षा बाधित हुआ। टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी और देहरादून स्ट्राइकर्स वुमन्स के हुए इस मैच में टॉस जीत कर एसआरएमएस की कप्तान मुस्कान खान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। वर्षा बाधित 16-16 ओवर के इस मैच में एसआरएमएस की टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 84 रन बनाए। इसमें मुस्कान (28 रन, 22 गेंद, 6 चौके), मनीषा कंवर (20 रन, 21 गेंद, 2 चौके) और काजल भाटी (15 रन, 17 गेंद, 2 चौके) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देहरादून की हरफलमौला खिलाड़ी नीलम बिष्ट ने 13 रन देकर एसआरएमएस के 3 खिलाड़ियों को आउट किया। जीत के लिए 84 रन का पीछा करने उतरी देहरादून स्ट्राइकर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शबाना खान के रूप में सात रन पर ही उसका पहला विकेट गिरा। गिरते विकेटों के बीच भी बल्लेबाजों ने एक गेंद शेष रहते अपनी टीम को जीत दिला दी। देहरादून स्ट्राइकर्स ने 15.5 ओवर में 85 रन बना कर तीन विकेट से एसआरएमएस को पराजित किया। इस मैच में भी देहरादून की नीलम बिष्ट मैन आफ द मैच बनीं। टूर्नामेंट के तीनों मैच में मैन आफ द मैच रहने वाली नीलम ने इस मैच में एक छक्के और 2 चौकों की मदद से 22 गेंदों पर 23 रन बनाए और 3 विकेट हासिल किए। मैच में हृदेश कुमार और सौरभ कुमार अंपायर और अनुज शर्मा थर्ड अंपायर रहे। कुणाल ने स्कोरर और युसुफ अंसारी ने कमेंट्री की जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी, एसआरएमएस सीईटी के प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता, वाइस प्रिंसिपल डा.ऋतु सिंह, सीईटीआर के डीन डा. शैलेश सक्सेना, डायरेक्टर फार्मेसी डा. नितिन शर्मा, टूर्नामेंट आयोजन समिति के सदस्य, कालेज फैकेल्टी और कोच मनीष सिंह मौजूद रहे।

श्याम महोत्सव में गरजी गोलियां पुलिस प्रशासन की नाकामी उजागर

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। भक्ति और आस्था के बीच बुधवार की रात जलालाबाद में गोलियों की गूंज सुनाई दी। मोहल्ला नौसारा में चल रहे श्याम महोत्सव के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन में लीन थे तभी माहौल अचानक सनसनीखेज हो गया। बताया जाता है कि कार्यक्रम के आयोजक ने मंच से ही असलहा निकालकर खुलेआम कई राउंड फायरिंग कर दी। जिससे मौके पर लोग सन्न रह गए। जहां श्याम नाम की गूंज होनी चाहिए थी वहां बारूद की गंध फैल गई। भक्तों के बीच दहशत का माहौल बन गया। महिलाओं और बच्चों में डर का वातावरण देखा गया। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ वरना बड़ा हादसा हो सकता था। घटना नगर के बीचोंबीच हुई जहां चीता मोबाइल, गश्त टीम और एलआईयू जैसी इकाइयां नियमित रूप से सक्रिय रहती हैं।

बावजूद इसके इतनी बड़ी चूक सुरक्षा तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करती है। आखिर इतने बड़े धार्मिक आयोजन में असलहा पहुंचा कैसे? और जब मंच

» फायरिंग का वीडियो वायरल, पुलिस ने नहीं की कोई कार्यवाही

से गोलियां चलीं, तो खुफिया तंत्र को भनक क्यों नहीं लगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की मौजूदगी के बावजूद यह घटना हुई, जो लापरवाही का स्पष्ट प्रमाण है। भक्ति स्थल पर असलहे का प्रदर्शन न केवल अनुशासन की रेखा लांघता है बल्कि श्रद्धा को भी कलंकित करता है। अब जबकि फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, लोग सवाल पूछ रहे हैं क्या अब भी प्रशासन मूकदर्शक बना रहेगा, या फिर दोषियों पर कठोर कार्रवाई होगी।

जयंती | सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई

जनपद में भव्यता के साथ मनाई जाए सरदार पटेल की जयंती

» सरदार पटेल के विचारों और योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर किए जाएं जागरूकता कार्यक्रम

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय भावना के प्रबल प्रतीक लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल जी की जयंती के उपलक्ष्य में बरेली में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी देवयानी की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया और आगामी 31 अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रमों की रूपरेखा की जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि ''सरदार/150 रन फॉर यूनिटी/पदयात्रा'' का कल 31 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे शुभारम्भ किया जाएगा, यह यात्रा पटेल चौक से प्रारंभ होकर चौकी चौराहा, गांधी उद्यान होते हुए बरेली कॉलेज में समापन होगी। पदयात्रा में छात्र-छात्राएं, सामाजिक संगठन, युवक मंगल दल के सदस्य, एनसीसी कैण्डर्स एवं नगर के गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। पदयात्रा के माध्यम से सरदार पटेल की एकता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। पदयात्रा के समापन स्थल बरेली कॉलेज पर मुख्य आयोजन किया जाएगा, जहां स्वदेशी मेले, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता जागरूकता, सांस्कृतिक

कार्यक्रमों आदि का भी आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है, इसलिए युवाओं को उनके विचारों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, शासकीय कार्यालयों, सामाजिक संस्थाओं एवं सार्वजनिक स्थलों पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें निबंध, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिता, जनजागरूकता रैलियां आदि शामिल होंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्रमों में जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस आयोजन से जुड़ सकें।

उन्होंने कहा कि युवाओं, छात्रों और नागरिकों में देशभक्ति और समाज सेवा की भावना जागृत करने के लिए यह अवसर अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल जी की जयंती केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता के प्रति संकल्प का दिन है। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु नगर के सभी शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों को भी सक्रिय रूप से जोड़ा जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को जयंती कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूर्ण समर्पण और सजगता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि सरदार पटेल जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर से 25 नवंबर 2025 तक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, सांस्कृतिक आयोजनों और सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, पुलिस अधीक्षक यातायात मो. अकमल खान, जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत सिंह, उपायुक्त उद्योग विकास यादव, आरएसओ, जिला सूचना अधिकारी, उप निदेशक माई भारत पुष्पा सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

बेटियां ही स्वावलंबी भारत और स्वदेशी अपनाने में निभा सकती हैं महत्वपूर्ण भूमिका

शाहाबाद हरदोई। बेटियां स्वावलंबी भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं वह स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार को लेकर परिवार को जागृत कर सकती हैं स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग स्वावलंबन और अपनत्व की भावना पैदा करता है। उक्त विचार स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत समन्वयक हर्षवर्धन सिंह ने एक बैठक में व्यक्त किए। स्वदेशी जागरण मंच के नगर संयोजक सुधीर कुमार श्रीवास्तव द्वारा आयोजित बैठक में प्रांत समन्वयक स्वदेशी जागरण मंच हर्षवर्धन सिंह ने कहा कि आज के सामाजिक परिवेश में हम पाश्चात्य संस्कृति से इतने प्रभावित हो गए हैं कि उससे मुक्ति पाना आवश्यक है। स्वदेशी उत्पादन,खानपान,रहन सहन वेशभूषा आदि स्वदेशी होनी चाहिए विदेशी आक्रांताओं ने हमें लूट कर कभी सोने की चिड़िया कहे जाने वाले देश को बर्बाद कर दिया। अब देश की धनी वस्तुओं का प्रयोग कर विकसित भारत बनाने में सभी को आगे आना चाहिए। बैठक में विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग करने की शपथ और संकल्प लिया सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि वे शीघ्र ही स्वदेशी और विदेशी वस्तुओं का पत्रक आप लोगों के बीच में दिया जाएगा। इस अवसर पर प्रवीण सिंह प्रखंड कार्यवाहक आर एस एस,रचित गुप्ता,देवेंद्र गुप्ता उर्फ गुड्डू, शिवम सिंह,अंकुर सिंह,राजीव प्रधान सहोरा, कुलदीप मौर्य, रितेश श्रीवास्तव,अभिषेक सैनी,राहुल राठौर,सुशील राजपूत,अंकित गुप्ता अनिल लाहौरी,सुबीन गुप्ता,राजा वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

डीएलएड की तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू

हरदोई। डीएलएड वर्ष –2025 तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं गुरुवार से जिले में शुरू हो गयीं हैं। परीक्षा के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रथम पाली में शैक्षिक मूल्यांकन क्रियात्मक शोध एवं नवाचार विषय की परीक्षा आयोजित हुई। जिसमें कुल 1393 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें 1364 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 111 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में समावेशी शिक्षा विषय की परीक्षा हुई। जिसमें 1383 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें 1354 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। सहायक परीक्षा प्रभारी अखिलेश कुमार ने बताया कि सभी केंद्रों पर परीक्षाएं शांतिपूर्ण संपन्न हुईं।

सरकारी डीजल से आराम फरमा रहे सीएचसी अधीक्षक

हरदोई। सीएचसी में डीजल का सरकारी पैसा जिम्मेदारों की गाड़ी में धुंआ बनकर उड़ रहा है।सीएचसी में लगे जनरेटर के लिए प्राप्त होने वाली डीजल उपयोग न होकर अधीक्षक की गाड़ी में धुंआ बनकर उड़ रहा है। यहां पर खाने को तो भारी जनरेटर लगा हुआ है लेकिन चलता कभी नहीं इसके लिए सरकार से लगभग 30 लीटर डीजल प्रति दिन आता है जिसका उपयोग जनरेटर में नहीं बल्कि निजी गाड़ियों में किया जाता है। बिजली न होने पर जनरेटर से लैब,एक्सरे प्रभावित न हो इसलिए प्रशासन की ओर से यहां पर 2 जनरेटर लगवाये गए हैं ताकि मरीजों को समय से जांचों का लाभ मिल सके।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यहां पर जनरेटर दिन में कभी नहीं चलता है। जनरेटर में प्रयोग होने वाला डीजल अधीक्षक की गाड़ी में लखनऊ से शाहाबाद और अन्यत्र जगह जाने में ही खप जाता है।वैसे इलाकाई विधायक और राज्यमंत्री रजनी तिवारी द्वारा सीएचसी में ऑक्सीजन प्लांट की व्यवस्था,बड़े बड़े 2 जनरेटर के अलावा हीन वाडी चेकअप की मशीन की सौगात दी गई है। यह सभी सुविधाएं राजनेताओं से जुड़े अधिकारियों ने मिट्टी में मिलाकर रख दिया।जनरेटर के लिए पैथोलॉजी सेंटर और ऑक्सीजन प्लांट सफेद हाथी बने खड़े हुए हैं जिनका जिम्मेदारों की नजरों में शायद जनहित से कोई सरोकार नहीं रह गया हो।लीवर किडनी के अलावा लिपिड प्रोफाइल की जांच के लिए आने वाला रिजेंट अस्पताल के बाहर चल रही पैथोलॉजी में भेज दिया जाता है।रिजेंट के नाम पर मरीजों को सीएचसी के सामने कुलदीप यादव की लैब से जांच कराई जाती है।सबसे खास बात यह है कि जांच कुलदीप की पैथोलॉजी में कराई जाती है और उक्त जांच को बाकायदा सीएचसी शाहाबाद के रजिस्टर पर अंकित की जाती है।

सरदार पटेल जयंती को भव्यता से मनाने की तैयारी

कन्नौज। प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने गुरुवार को सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को भव्य रूप से मनाने की तैयारियों की समीक्षा बैठक की मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल की जयंती पर राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया जाएगा और लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर को "रन फॉर यूनिटी" का आयोजन किया जाएगा, जो पीएसएम डिग्री कॉलेज से बोर्डिंग ग्राउंड तक निकाला जाएगा। इस मार्च में एनसीसी, एनएसएस की टोलियां, लगभग 10 से 15 विद्यालयों के छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल होंगे। असीम अरुण ने जनपदवासियों से अपील की कि सभी लोग यूनिटी मार्च में शामिल होकर देश की एकता और अखंडता के संकल्प को मजबूत करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम की रूपरेखा सुव्यवस्थित हो और आयोजन में कानून व्यवस्था, अनुशासन और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) देवेंद्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट वैशाली सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

भाजपा मनाएगी सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती, तैयारियां पूरी

सचिन कटियार

फर्रुखाबाद। बृहस्पतिवार को भाजपा जिला अध्यक्ष फतेहचंद वर्मा ने बेवर रोड स्थित जय सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में भाजपा पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक बुलाई जिसमें उन्होंने 2 नवंबर को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के जनपद आगमन को लेकर विस्तृत जानकारी दी एवं तैयारी बैठक की। भाजपा जिला अध्यक्ष फतेहचंद वर्मा ने बताया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी 2 नवंबर को जनपद पहुंचकर कानपुर कमिश्नरी मंडल के आठ जनपदों की बैठक में शामिल होंगे इसी दौरान वह सांसद मुकेश राजपूत के पुत्र के वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे जिला अध्यक्ष ने बताया कानपुर कमिश्नरी मंडल के जनपद फर्रुखाबाद,औरैया, इटावा,कन्नौज,कानपुर नगर, कानपुर दक्षिण,कानपुर देहात और कानपुर ग्रामीण की संगठनात्मक बैठक में शामिल होकर पूर्ववत कार्यक्रमों एवं आगामी कार्यक्रमों की तैयारी एवं समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कानपुर कमिश्नरी मंडल के अंतर्गत 33 विधानसभा एवं पांच लोकसभा सम्मिलित रहेगी। जिसमें पूर्व में 2022 के विधानसभा प्रत्याशी,वर्तमान विधायक,पूर्व में 2024 लोकसभा प्रत्याशी,वर्तमान सांसद,8 जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी शामिल होंगे।

इसके साथ ही सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों से संबंधित सभी आठ जनपदों के कार्यक्रम संयोजक एवं सहसंयोजक कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल सहित 140 पदाधिकारी बैठक में अपेक्षित रहेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष ने बताया यह बैठक पांचाल घाट स्थित नारायण आश्रम में आयोजित होगी। इस बैठक के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी मतदाता पुनरीक्षण अभियान एवं सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी बैठक लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के संभावित कार्यक्रम समयानुसार पार्टी मुख्यालय द्वारा प्राप्त हो जाएगा।

इस बैठक के अवसर पर सांसद मुकेश राजपूत आलू विपणन संघ सभापति एवं कार्यक्रम संयोजक विमल कटियार जिला महामंत्री डीएस राठौर, जिला महामंत्री सुनील रावत, जिला महामंत्री हिमांशु गुप्ता, जिला मंत्री अमरदीप दीक्षित, जिला उपाध्यक्ष रश्मि दुबे, जिला उपाध्यक्ष अशनील दिवाकर, जिला मंत्री अभिषेक बाथम, जिला मंत्री गोपाल राठौड़, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मयंक सिंह बुंदेला, जिला उपाध्यक्ष अतुल दीक्षित, धर्मेंद्र राजपूत पिछड़ा वर्ग मोर्चा, जिला महामंत्री कृष्णा मुरारी राजपूत, कपिल मंडल अध्यक्ष महेंद्र राजपूत, आर्थिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक जितेंद्र सिंह, सर्वेश कुशवाहा, नवनीत पाल जिला मीडिया प्रभारी शिवांग रस्तोगी, डॉ. उदय प्रताप सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

गांधी की मूर्ति हटाने को लेकर कलेक्ट्रेट में सपा का प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश की आत्मा और आदर्श हैं

विश्ववार्ता संवाददाता

कन्नौज। जनपद के छिबरामऊ में महात्मा गांधी की प्रतिमा हटाकर पूर्व सहकारिता मंत्री की मूर्ति लगाए जाने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस कदम के विरोध में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और एसडीएम को ज्ञापन देकर पूरे प्रकरण की जांच की मांग की।

सपा जिलाध्यक्ष कलीम खां के नेतृत्व में पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव, कल्याण सिंह दोहरे, जयकुमार तिवारी, हसीब हसन, विवेक पाल, यशवीर भदौरिया नेम सिंह यादव आंसू पाल इसहाक खान समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश की आत्मा और आदर्श हैं, उनकी प्रतिमा को हटाना राष्ट्र का अपमान है।

पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव एवं सपा नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में सत्ता के दबाव में जनभावनाओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने मांग की कि हटाई गई गांधी प्रतिमा को तत्काल पुनः स्थापित किया जाए।

इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में भारी पुलिस बल तैनात रहा। ज्ञापन सौंपने के बाद सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो पार्टी जिलेभर में व्यापक आंदोलन करेगी। इस पूरे प्रकरण को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है।

मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर व तीमारदार के बीच मारपीट

कन्नौज। बुधवार की रात एक बार फिर बबाल हो गया। बीती रात यहां डाक्टर और तीमारदारों के मध्य विवाद हो गया। परिजनों ने एक सदस्य को पीटने का आरोप डाक्टर पर लगाया है। इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी नरेन्द्र चंद्र की पत्नी विमला देवी ने घरेलू विवाद के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया था। परिजनों को मामले की जानकारी हुई तो हालत गंभीर होने के कारण विमला को लेकर उनके बेटे रजत और दीपक अन्य परिजनों के साथ रात में ही उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज तिर्वा पहुंचे। यहां महिला को इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। दीपक का आरोप है कि, इमरजेंसी वार्ड में तैनात डाक्टर से जब मां विमला देवी को देखने को कहा गया तो उन्होंने पहले देखा और रिफर करने की बात कही। इसके बाद डाक्टर अपने इमरजेंसी कक्ष में चले गए। दीपक का कहना था कि जब उसने दोबारा दरवाजा खटखटाया तो डाक्टर ने गेट नहीं खोला।बार बार गेट खटखटाने पर गेट खुला और विवाद शुरू हो गया।

विधायक खेल प्रतियोगिता : 100 मीटर जूनियर वर्ग में सत्यवीर व काजल प्रथम

हरदोई। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत विधानसभा स्तरीय विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन सीतापुर रोड स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में गुरुवार को किया गया। जिसका शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती एवं ब्लॉक प्रमुख बावन वीरेंद्र सिंह द्वारा किया गया। 100 मीटर जूनियर बालक वर्ग में सत्यवीर और बालिका वर्ग में काजल कश्यप प्रथम रहीं। 100 मीटर सब जूनियर बालिका वर्ग दौड़ में प्रथम, 100 मीटर सीनियर बालक वर्ग में सत्यम मिश्रा, गोला फेंक सीनियर बालक वर्ग में हिमांशु गौतम प्रथम, जूडो में सब जूनियर बालक वर्ग में 25 किलोग्राम में धर्मदास, 30 किलोग्राम में केशव पाल, 35 किलोग्राम में ऋषभ पाल, 40 किलोग्राम में अजय, 45 किलोग्राम में आकाश, 55 किलोग्राम में सुमित प्रथम तथा जूडो सीनियर बालक 55 किलोग्राम वर्ग में सुमित ने बाजी मारी। वॉलीबॉल सब जूनियर बालक वर्ग में एसजी आर आर पब्लिक स्कूल की टीम विजेता रही तथा सेंट जेवियर्स की टीम उपविजेता रही। कार्यक्रम प्रभारी व कार्यक्रम का संचालन युवा कल्याण अधिकारी श्रेया गुप्ता द्वारा किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रबोध कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी मंजू शर्मा, बीईओ सदर, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी पीके सिंह, नितिन यादव, रामाकांत, उपस्थित रहे। पीटीआई देवेश मिश्रा, धर्मेंद्र, आसिफ, सूबेदार मेजर सिंह (पूर्व सैनिक), संदीप, पीटीआई विनीता सिंह व सुमित त्रिवेदी व समस्त पीआरडी जवान रहे।

राष्ट्रीय एकता के प्रतीक थे सरदार वल्लभभाई पटेल

विश्ववार्ता संवाददाता

हरदोई। शिव सत्संग मण्डल के राष्ट्रीय समन्वयक अम्बरीष कुमार सक्सेना ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल भारतीय इतिहास के ऐसे महान व्यक्तित्व हैं जिन्हें "लौह पुरुष" और "राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार" के रूप में जाना जाता है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आज़ाद भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया।

सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाड नामक स्थान पर हुआ था। उनके पिता झवेरभाई पटेल एक साधारण किसान थे और माता लाडबाई धार्मिक विचारों वाली थीं। बचपन से ही सरदार पटेल में अनुशासन, आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय की भावना थी।उन्होंने वकालत की पढ़ाई इंग्लैंड से की और भारत लौटकर एक सफल वकील बने। परंतु देशभक्ति की भावना ने उन्हें गांधीजी के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ दिया।

सरदार पटेल ने किसानों के अधिकारों के लिए खेड़ा सत्याग्रह और बारदोली सत्याग्रह का नेतृत्व किया। बारदोली आंदोलन की सफलता के बाद उन्हें "सरदार" की उपाधि दी गई।स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में लगभग 562 रियासतें थीं। सरदार पटेल ने अपनी कुशल नीति, दृढ़ता और कूटनीति से इन रियासतों का भारत संघ में विलय कराया। यह कार्य असंभव प्रतीत हो रहा था, परंतु उनके साहस और दूरदर्शिता ने इसे संभव बना दिया। इसी कारण उन्हें "भारत का बिस्मार्क" कहा जाता है।

सरदार पटेल का पूरा जीवन अनुशासन,दृढ़ संकल्प और देश की एकता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने देशहित को हमेशा सर्वोपरि माना।

सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन हमें यह सिखाता है कि एकता में ही शक्ति है। वे सच्चे अर्थों में भारत की एकता, अखंडता और समरसता के प्रतीक हैं। उनका जीवन और विचार सदैव हमें प्रेरित करते रहेंगे।

घाट पर लगने वाले मेले का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

विश्ववार्ता संवाददाता

हरदोई। गुरुवार को जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने अन्य अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से कार्तिक पूर्णिमा पर बेरियाघाट पर आयोजित होने वाले मेला मार्ग व घाट की तैयारियों के सम्बन्ध में निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि मेला आयोजन स्थल पर पेयजल व शौचालय आदि की उचित व्यवस्था करायी जाए। पार्किंग की व्यवस्था उचित स्थान पर की जाए। एम्बुलेंस को तैनात रखा जाए।

अग्निशमन की उचित व्यवस्था की जाए। मेले के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया जाये। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए घाट पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पुलिस टीमें लगातार गश्त करती रहें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और श्रद्धालुओं को सुरक्षित महसूस हो। सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। पर्याप्त संख्या में गोताखोरों की व्यवस्था की जाए। कार्यक्रम स्थल पर प्रकाश आदि की व्यवस्था की जाए। सफाई की उचित व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गोपाष्टमी पर्व : गौ माता का पूजन अर्चन कर लिया आशीर्वाद

विश्ववार्ता संवाददाता

हरदोई। श्री गोविंद वृद्धजन सेवा एवं गो विज्ञान समिति के तत्वाधान में गुरुवार को लखनऊ रोड स्थित नयागांव मुबारकपुर गौशाला में गोपाष्टमी का महापर्व मनाया गया। समिति के उप प्रबंधक सोनू गुप्ता ने बताया कि सर्वप्रथम गौ पूजन हुआ। गायों का सभी संस्था के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण किया। उसके उपरांत गायों को हरा चारा खिलाया गया। गायों की सेवा की गई। उसके बाद गो पालकों को प्रसाद वितरित किया गया।

इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष गोविंद गुप्ता, महिला अध्यक्ष विनीत पांडे, उपाध्यक्ष अनीता मिश्रा, कोषाध्यक्ष आनंद पांडे, मीडिया प्रभारी कंचन गुप्ता, वरिष्ठ सदस्य रमेश चंद्र गुप्ता, अजय अवस्थी, शेषनाथ अवस्थी, गौशाला मैनेजर अरुण कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भूपेश पाठक के नेतृत्व में चला जिले में हस्ताक्षर अभियान

फर्रुखाबाद। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष भूपेश पाठक द्वारा लगातार टीईटी के विरोध में अभियान चलाया जा रहा है वहीं उन्होंने कमालगंज क्षेत्र की न्याय पंचायत उगरपुर सुल्तान पट्टी में महामंत्री प्रवेश कुमार सिंह राठौर के साथ पहुंचकर टीईटी के विरोध में हस्ताक्षर अभियान चलाया।

जिसमें सभी शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया वहीं दूसरी ओर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पूर्व में कार्यरत शिक्षकों पर टेट परीक्षा अनिवार्य करने के फैसले के विरोध में शिक्षकों ने आज राजेपुर बी आर सी पर भी जोरदार हस्ताक्षर अभियान चलाया प्राथमिक शिक्षक संघ (संबंध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ नई दिल्ली) की फर्रुखाबाद जनपद इकाई ने जिला अध्यक्ष भूपेश पाठक के नेतृत्व में ब्लॉक संसाधन केंद्र राजेपुर पर बैठक आयोजित की जिसमे बड़ी संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया बैठक के दौरान टेट अनिवार्यता के निर्णय को व्यवहारिक बताते हुए इसके खिलाफ सामूहिक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षिकाओं ने भाग लिया शिक्षकों ने एक स्वर में इस फैसले को वापस लेने की मांग की जिला अध्यक्ष ने कहा कि दशकों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर टेट अनिवार्य करना किसी भी तरह से न्याय संगत नहीं है।

1 सितंबर 25 का SC का निर्णय सभी बेसिक शिक्षको के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह लगाना है जबकि वह सभी शिक्षक पूर्व से सभी सेवा शर्तों को पूर्ण कर , मेहनत एवं लगन से विद्यालयों में शिक्षण कार्य करते आ रहे हैं जिससे लाखों शिक्षकों की आजीविका पर संकट खड़ा होता दिखाई दे रहा है प्रमोद यादव ने कहा कि यह प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध है एवं सुमन वाला ने भी इसे काले कानून को तत्काल वापस लेने की मांग की आशीष बाजपेई ने कहा कि यह निर्णय शिक्षकों को अपमानित करने वाला है इसे का हम सब लोग विरोध करते हैं नीरज शुक्ला ने कहा कि कोर्ट को पुनर्विचार करते हुए शिक्षकों के हित में फैसला लेना चाहिए, सभी लोगों ने एकमत में कहा कि इस काले कानून का हम सड़क से संसद तक विरोध करेंगे और कहा गया कि सरकार इस निर्णय को तत्काल कोर्ट के द्वारा वापस ले अन्यथा संसद सत्र बुलाकर इस कानून को निरस्त करें जिससे लाखों शिक्षकों की आजीविका का खतरा टला सके जिससे देश के लाखों शिक्षक मन लगाकर विद्यालय में अध्ययन कार्य कर सकें हस्ताक्षर करने वाले शिक्षकों में,शैलेन्द्र अवस्थी, राघवेंद्र प्रताप, भानु पाठक, कुमार गौरव,राजेश यादव,रश्मि अरोरा, किरण मौर्य,हेमलता सिंह, सिद्धि शुक्ला, अमिता पाल रेनू मिश्रा,सरला यादव, ज्योति लोधी आदि बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

बसोला से पांचाल घाट तक मजबूत तटबंध निर्माण की मांग

विश्ववार्ता संवाददाता

फर्रुखाबाद। शमशाबाद क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने गंगा की तबाही से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव, डॉ. जितेंद्र सिंह यादव, पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत, पूर्व विधायक अजीत कठेरिया,कांग्रेस की पूर्व विधायक लुईस खुर्शीद सहित तमाम समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नेताओं ने मांग की कि बसोला से पांचाल घाट तक मजबूत तटबंध (बांध) का निर्माण कराया जाए ताकि हर वर्ष आने वाली गंगा की बाढ़ से जनजीवन की तबाही को रोका जा सके।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा हर साल बाढ़ से हजारों परिवार तबाही झेलते हैं, लेकिन सरकार मौन बनी हुई है। बसोला से पांचाल घाट तक मजबूत तटबंध बनाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

अगर गंगा एक्सप्रेसवे का मार्ग इस क्षेत्र से होकर गुजरा होता तो यह बाढ़ की समस्या जीवनभर के लिए समाप्त हो जाती। परंतु भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों ने जनता की समस्याओं को पूरी तरह नज़रअंदाज़ किया है, जिसके कारण आज इस क्षेत्र की जनता विवश होकर अनशन पर बैठने को मजबूर है। वही डॉ. जितेंद्र सिंह यादव ने कहा जनता आज बुरी तरह परेशान है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी को जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है।

वे सिर्फ वोट बैंक की राजनीति में उलझी हैं और जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम कर रही हैं।

गांव-गांव की बुनियादी समस्याओं में आज तक कोई सुधार नहीं हुआ है धरना प्रदर्शन को संबोधित करती हूंपूर्व विधायक उर्मिला राजपूत ने कहा यह बांध जनता की जरूरत से जुड़ा हुआ है।

जनता बाढ़ और तबाही से त्रस्त है, इसलिए भारतीय जनता पार्टी सरकार को तत्काल इसका स्थायी निस्तारण करना चाहिए। धरना स्थल पर राजपाल यादव एडवोकेट, युवजन सभा के उपाध्यक्ष अभिषेक शाक्य प्रधान, बाबा साहब वाहिनी जिलाध्यक्ष अमन सूर्यवंशी, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष अनुराग यादव, राष्ट्रीय सदस्य छात्र सभा अखिल कठेरिया, शिवशंकर शर्मा, सीलू खान, विकास मंच के भइयन मिश्रा,सोमेंद्र यादव विधान सभा अध्यक्ष कायमगंज, सह मीडिया प्रभारी वीकेश यादव सहित अन्य समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

धर्म और राष्ट्रीय एकता के लिए स्वयं सेवकों ने किया पथ संचलन

» स्वयं सेवकों को नगर में पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

विश्ववार्ता संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवकों के द्वारा नगर में पथ संचलन कर रैली निकाली गई। जिसमें राष्ट्रीय व धार्मिक एकता का संदेश दिया गया। बैंडबाजों की धुन पर पथ संचलन में शामिल स्वयं सेवक गणवेश में नजर आए।

गुरुवार की दोपहर लगभग 03 बजे नगर के मुख्य चौराहा स्थित श्रीराम मंदिर से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पथ संचलन रैली का शुभारंभ किया गया। रैली को जीटी रोड, चकोर गली, तिर्वा रोड होते हुए वापस श्रीराम मंदिर लाया गया। जहां रैली का समापन किया गया। पथ संचलन के दौरान सभी स्वयं सेवक पूर्ण गणवेश व हाथों में दण्ड लिए नजर आए। स्वयं सेवकों का स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर जगह-जगह स्वागत किया। इसके बाद सभी लोगों ने मातृभूमि, राष्ट्र व धर्म की रक्षा का संकल्प लिया। बौद्धिक गोष्ठी के दौरान पंच परिवर्तन को बताया गया और उसका पालन करने की प्रतिज्ञा दिलाई गई।

इस दौरान देवेन्द्र देव, मंयक गुप्ता, ब्रजेश कौशल, शैलेश गुप्ता, ब्रजेश गुप्ता, नीरज मिश्रा, मनीष गुप्ता, विनय वर्मा, हरिओम गुप्ता, मानव गुप्ता, धर्मेन्द्र कौशल, पप्पन गुप्ता, राजीव चौहान, विकास गुप्ता, टीटू गुप्ता आदि रहे। बॉक्स के लिए नगर में संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में संघ शताब्दी वर्ष के रूप में संचालन का आयोजन किया गया है जिसमें 105 स्वयं से गणेश धारी स्वयंसेवकों ने भाग लिया कार्यक्रम राम मंदिर से प्रारंभ होकर चकोर गली तिर्वा रोड जीटी रोड होता हुआ राम जानकी मंडपम में संपन्न हुआ।

गोष्ठी पटेल भारत के लिए सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचारधारा हैं, चित्र पर फूल माला अर्पण कर किया गया नमन

सरदार पटेल का देश को एक करने में बहुत बड़ा योगदान : राजेश कटियार

विश्ववार्ता संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। भारत रतन लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य शिक्षकों प्रमुख बुद्धिजीवियों ने भाग लिया।

गुरुवार को नगर के मोहल्ला गांधीनगर स्थित मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सेवा प्रमुख राजेश कटियार ने कहा कि भारत रत्न लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वॉ जयंती वर्ष में शिक्षण संस्थानों के द्वारा भारत रत्न लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का पोस्टर बैनर डिस्प्ले कार्यक्रम किया जा रहा है छात्र-छात्राओं द्वारा निबंध प्रतियोगिता रैली वाद विवाद संवाद पोस्टर प्रतियोगिता एवं नाटक मंच का भी आयोजन विभिन्न जनपद के विद्यालयों में आयोजित किया जा रहे हैं। कहा कि सरदार पटेल भारत के लिए सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एक करने में बहुत बड़ा योगदान दिया जिला सेवा प्रमुख ने कहा कि

31 अक्टूबर 1875 में लोह पुरुष वल्लभभाई पटेल का जन्म हुआ था उनके पिता एक किसान थे उन्होंने शिक्षा लंदन से प्राप्त की एलएलबी करने के बाद 1913 में भारत में वकालत शुरू की और भारत के गृहमंत्री बने कुछ राजनीतिक नेताओं ने उनका देश का प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया उन्होंने 562 रियासतें भारतीय संघ में सफलतापूर्वक विलय कराया। उन्होंने सत्याग्रह जैसे आंदोलन का नेतृत्व भी किया नमक आंदोलन भी उन्होंने किया। विद्वान अधिवक्ता होने के बाद वह एक न्यायालय में बहस कर रहे थे उनकी पत्नी की मृत्यु का तार उन्हें मिला उन्होंने बहुत ही दृढ़ता पूर्वक कहा वह तो चली गई है लेकिन इनको मैं नहीं जाने दूंगा और उन्होंने उसे तार को अपनी जेब में रखकर बराबर बहस करते रहे इसलिए उनको लोह पुरुष भी कहा जाता है इससे पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेवा प्रमुख ने विद्यालय के प्रधानाचार्य शैलेश गुप्ता शिक्षकों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर फूलमाला अर्पण कर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की और सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को अपने जीवन में लागू करने का संकल्प लिया इस मौके प्रधानाचार्य शैलेश कुमार गुप्ता पर रिचा राजपूत सूर्यभान सिंह बृजेश कुमार गंगवार सुनील सिंह अभिषेक कुमार वर्मा दुर्ग विजय पुष्पेंद्र कुमार सिंह विजय शंकर पाठक करतार सिंह यादव डॉक्टर अमीर हम्ज़ा राम आसरे वर्मा राकेश यादव आलोक कुमार शिव सिंह यादव आनंद राजन रमेश चंद्र कुशवाहा अवनीश पटेल शाहिद शिक्षक कर्मचारी छात्र एवं छात्राएं मौजूद रहे।

150वाँ जयंती वर्ष पर हुआ विद्यालय में गोष्ठी आयोजित

पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय एकता के संदेश को फैलाने के लिए समाज के सभी वर्गों के लोगों के सहयोग से विद्यालयों में रन फॉर यूनिटी का भी आयोजन शुक्रवार को किया जाएगा जिसमें मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज गांधीनगर के अलावा नगर के गोमती देवी आदर्श इंटर कॉलेज रामगंज सरोजनी देवी आर्य बालिका इंटर कॉलेज तिर्वा रोड विमला देवी बृजमोहन सिंह इंटर कॉलेज सराय प्रयाग एसईएन इंटर कॉलेज तैराजैकेट सहित नगर की सहायता प्राप्त एवं माध्यमिक विद्यालयों में रन फॉर यूनिटी का आयोजन होगा जिसमें विद्यालय के छात्राएं प्रतिभाग करेंगे जिला विद्यालय निरीक्षक पप्पू सरोज के निर्देश पर क्षेत्र के सभी सहायता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गुरुवार को शिक्षकों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रणनीति बनाई।

संपादकीय

महाकाल की ज्योति

भारत की विशाल छाती में बसा मध्यप्रदेश वह जीवंत हृदय है, जहाँ प्राचीनता की गहराई और आधुनिकता की उड़ान एक साथ साँस लेती हैं, जहाँ हर कण में इतिहास की गरिमा और हर क्षण में भविष्य की उमंग समाहित है। यह भूमि केवल भूगोल की रेखाएँ नहीं, बल्कि भावनाओं की अनंत धारा है, जो राष्ट्र की आत्मा को पोषित करती है। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस उस अमर यात्रा का उत्सव है, जिसमें संघर्ष की लौ से प्रगति की ज्योति जली, और परंपरा की जड़ों से विकास के पंख फूटे। यह वह पर्व है जो हमें याद दिलाता है कि यह प्रदेश भारत का केंद्र बिंदु नहीं, बल्कि उसकी धड़कन है—जीवंत, अटल और प्रेरणादायक। इस पवित्र धरती की महिमा उसके प्राचीन अवशेषों में छिपी है, जहाँ भीमबेटका की गुफाएँ मानवता के प्रथम कलाकारों की उँगलियों से उकेरे गए चित्रों से सजी हैं, जो सहस्राब्दियों पुरानी सभ्यता की गवाही देती हैं। साँची का स्तूप बुद्ध की करुणा की शाश्वत भाषा बोलता है, खजुराहो के मंदिर प्रेम की उत्कृष्ट शिल्पकला से जीवन की उत्कटता को अमर बनाते हैं, जबकि उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर समय की सीमाओं को लाँघकर सनातन सत्य की झंकार पैदा करता है। यहाँ की नर्मदा नदी माँ की तरह बहती है, चंबल की घाटियाँ रहस्यों से भरी हैं, सतपुड़ा की हरियाली जीवन की सततता का प्रतीक है, और बुंदेलखंड की मिट्टी वीरता की कहानियाँ सुनाती है। मध्यप्रदेश की यह विविधता उसे एक जीवंत कैनवास बनाती है, जहाँ प्रकृति और संस्कृति का रंग इतनी सहजता से मिलते हैं कि पत्थर भी काव्य बन जाते हैं, और वन भी संगीत की लय में झूमते हैं। यह प्रदेश अपनी मिट्टी की सुगंध से नहीं, बल्कि उसके निवासियों की संकल्प शक्ति से पहचाना जाता है। यहाँ का किसान खेतों में पसीने की बूँदों से अन्न की सोने जैसी फसल उगाता है, युवा उद्यमी स्टार्टअप की चिंगारियों से नवाचार की आग जलाते हैं, महिलाएँ लाड़ली लक्ष्मी और बेटी बचाओ जैसी योजनाओं से सशक्त होकर समाज की धुरी बनती हैं, और हर नागरिक राष्ट्रप्रेम की उस अग्नि से प्रज्वलित है जो स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज की आत्मनिर्भरता तक जल रही है। मध्यप्रदेश में श्रम को देवत्व प्राप्त है, जहाँ मेहनत की हर बूँद विकास की नदी में समा जाती है। यह वह भूमि है जहाँ ग्रामीण की सादगी और शहरी की चमक एक साथ चमकती हैं, जहाँ परंपरा आधुनिकता की गोद में खेलती है। इतिहास की गहराइयों में डूबकर देखें तो मध्यप्रदेश शौर्य और बुद्धि का अनुपम संगम है। राजा भोज की विद्या ने परमार वंश को अमर बनाया, रानी दुर्गावती की तलवार ने गोंडवाना की स्वतंत्रता की रक्षा की, तात्या टोपे की क्रांति ने 1857 की ज्वाला को भड़काया, और चंद्रशेखर आजाद की बलिदानी आत्मा ने स्वाधीनता की मशाल जलाई। रानी अहिल्याबाई होल्कर की न्यायप्रियता ने मालवा को सुशासन का आदर्श दिया, जबकि पंडित रविशंकर शुक्ल की दूरदृष्टि ने आधुनिक मध्यप्रदेश की नींव रखी। यहाँ की माटी ने कवि कालिदास को जन्म दिया जिनकी रचनाएँ विश्व साहित्य की धरोहर हैं, और तानसेन की रागिनियाँ आज भी ग्वालियर की हवाओं में गूँजती हैं। मध्यप्रदेश केवल घटनाओं का संग्रह नहीं, बल्कि प्रेरणा का स्रोत है—जहाँ हर युग की महानता नई पीढ़ी को ऊर्जा देती है। आधुनिक युग में मध्यप्रदेश ने परंपरा को प्रगति की तेज रफ्तार रेल पर सवार कर, एक अनूठी मिसाल कायम की है। इंदौर का स्वच्छता अभियान पूरे राष्ट्र को साफ-सफाई का जीवंत पाठ पढ़ा रहा है, जबकि भोपाल की चमकती झीलें और घने वन पर्यावरण संरक्षण की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक बनकर हरियाली की गाथा गा रहे हैं। ग्वालियर का संगीत महोत्सव सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखता है, जबलपुर की रक्षा इकाइयाँ और शैक्षणिक केंद्र राष्ट्रीय सुरक्षा व ज्ञान की अडिग नींव मजबूत कर रहे हैं। उज्जैन का सिंहस्थ मेला अध्यात्म को वैश्विक मंच पर चमकाता है, तो सांची और खजुराहो जैसे धरोहर स्थल पर्यटन की धारा से अर्थव्यवस्था को नई उड़ान दे रहे हैं। प्रदेश की सड़कें अब चौड़े राजमार्गों में तब्दील हो चुकी हैं, रेल व हवाई संपर्क ने दूरियों को मिटाया है, और डिजिटल इंडिया की लहर गाँव-गाँव तक पहुँचकर हर हाथ को सशक्त बना रही है।

कटाक्ष

हसन जैदी

अगर सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते

प्रो. (डा.) मनमोहन प्रकाश

वस्तुतः यह केवल कल्पना नहीं, बल्कि इतिहास की संभावनाओं की गंभीर पड़ताल है। लौह संकल्प के निर्माता सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के उन महामानवों में थे जिन्होंने तलवार नहीं, बल्कि संगठन-शक्ति, दृढ़ इच्छाशक्ति और अद्वितीय प्रशासनिक दृष्टि एवं क्षमता से भारत के भूगोल और चेतना का पुनर्निर्माण किया। "लौहपुरुष" उपाधि केवल उनकी कठोरता का नहीं, बल्कि अनुशासित व्यवहार और निर्णयात्मक नेतृत्व का प्रतीक थी।

इतिहास में 'अगर' शब्द अपनी अपार संभावनाओं से युगों को झकझोर देता है। राष्ट्र-निर्माण के संदर्भ में भी एक प्रश्न सतत भारतीयों के मन में गूंजता रहता है कि यदि सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो राष्ट्र की दिशा और दशा कैसी होती? वस्तुतः यह केवल कल्पना नहीं, बल्कि इतिहास की संभावनाओं की गंभीर पड़ताल है। लौह संकल्प के निर्माता सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के उन महामानवों में थे जिन्होंने तलवार नहीं, बल्कि संगठन-शक्ति, दृढ़ इच्छाशक्ति और अद्वितीय प्रशासनिक दृष्टि एवं क्षमता से भारत के भूगोल और चेतना का पुनर्निर्माण किया। "लौहपुरुष" उपाधि केवल उनकी कठोरता का नहीं, बल्कि अनुशासित व्यवहार और निर्णयात्मक नेतृत्व का प्रतीक थी।उन्होंने लगभग 562 रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित कर यह सिद्ध कर दिया कि राजनीतिक इच्छाशक्ति जब राष्ट्रीय उद्देश्य से प्रेरित हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है। मेरा ऐसा मानना है कि यदि सरदार पटेल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो भारत का संघीय ढाँचा और भी संयमित एवं सुदृढ़ होता। हैदराबाद, जूनागढ़ और कश्मीर जैसे जटिल प्रश्नों को जिस निर्णायकता से उन्होंने गृह मंत्री रहते हुए सुलझाया, उसी दृष्टि से वे सीमांत समस्याओं विशेषकर पाकिस्तान, तिब्बत और पूर्वोत्तर सीमा के लिए प्रारंभिक स्तर पर कठोर और व्यावहारिक नीतियाँ अपनाते। संभवतः राज्य बनाम केंद्र का संघर्ष जिस रूप में बाद के दशकों में उभरा, उसकी तीव्रता बहुत कम होती।शासन में अनुशासन और उत्तरदायित्व चरम पर होता। वास्तव में आदरणीय पटेल जी अपने समय के सर्वाधिक व्यावहारिक प्रशासक थे। उन्होंने स्वतंत्र भारत की भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा की स्थापना सुनिश्चित की ताकि नवगठित भारत को एक अनुभवी, निष्पक्ष और राष्ट्रनिष्ठ नौकरशाही मिल सके। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शासन-तंत्र में 'कर्तव्य अनुशासन' सर्वोच्च पर होता। निर्णय क्षमता और क्रियान्वयन का संतुलन स्थापित होता। "कम योजनाएँ, अधिक परिणाम" ध्येय बनता। पटेल जी की अंतरराष्ट्रीय दृष्टि आदर्शवाद से नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वाभिमान की व्यावहारिकता से प्रेरित थी। 1949 में ही उन्होंने नेहरू को पत्र लिखकर चेताया था कि "चीन की

नीति पर भरोसा करना भविष्य में महँगा साबित होगा।"यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शायद भारत की विदेश नीति "भारत पहले" के सिद्धांत पर आधारित होती। पंचशील के आदर्श सिद्धान्त के स्थान पर वे सामरिक तैयारी और सीमा सुरक्षा को प्राथमिकता देते। सम्भवतः 1962 का चीन युद्ध या तो टल जाता, या भारत उससे कहीं अधिक सामरिक तैयारी के साथ लड़ता। किसान-पुत्र होने के नाते पटेल जी भलीभाँति जानते थे कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो कृषि-सुधार और ग्रामीण स्वावलंबन आर्थिक नीति का अभिन्न अंग बनते। वे निजी क्षेत्र और सहकारिता के बीच संतुलन स्थापित करते। केंद्रीकृत योजना व्यवस्था के स्थान पर वे उत्पादन बढ़ाने में जन-सहभागिता को महत्व देते। संभवतः "आत्मनिर्भर भारत" का विचार उसी दौर में नीति का मूल दर्शन बन जाता। इतना ही नहीं पटेल जी संविधान सभा में व्यवहारिक और स्पष्ट चिंतन के पक्षधर थे। वे लोकतंत्र को केवल मताधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य-शासन मानते थे। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो राजनीतिक दलों में वैचारिक अनुशासन और राष्ट्रहित सर्वोच्च मूल्य होता। गुटबाजी और व्यक्तिगत सत्ता-लालसा को वे प्रारंभ में ही नियंत्रित कर लेते, जिससे शासन-सातत्य और नीति-स्थिरता अधिक मजबूत होती। पटेल जी की धर्मनिरपेक्षता भारतीय परंपरा की समन्वय भावना पर आधारित थी जिसमें सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर अग्रसर माने जाते हैं। वे धार्मिक सहिष्णुता को जीवन-मूल्य मानते थे, किंतु राष्ट्रहित के प्रतिकूल उग्र या विभाजनकारी आग्रहों को कभी सहन नहीं करते। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो भारत की धर्मनिरपेक्षता सांस्कृतिक समरसता पर अधिक आधारित होती, न कि पश्चिमी निरपेक्षता के आयातित मॉडल पर। निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि यह भारत का दुर्भाग्य ही था कि उसे सरदार पटेल जैसा कर्मनिष्ठ राष्ट्रशिल्पी प्रधानमंत्री के रूप में नहीं मिल सका। यदि वे होते, तो भारत की नींव अधिक मजबूत, सीमाएँ अधिक सुरक्षित, शासन अधिक अनुशासित और आर्थिक नीति अधिक स्वावलंबी होती। इतिहास बदल नहीं सकता, पर उससे दिशा ली जा सकती है। आज जब भारत "विकसित राष्ट्र" की राह पर अग्रसर है, तब पटेल का सन्देश हमें स्मरण कराता है कि "एकता ही शक्ति है; और राष्ट्रहित से बढ़कर कोई स्वार्थ नहीं।"

अपनी राय हमें इस मेल पर भेजें-
vishwavarta.response@gmail.com

योगी का गन्ना मंत्र, चुनावी तालमेल की मिठास

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए गन्ने के दाम में तीस रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी कर दी है। अब अगेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य चार सौ रुपये और सामान्य प्रजाति का मूल्य तीन सौ नब्बे रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह निर्णय न केवल गन्ना किसानों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि प्रदेश की राजनीति में भी नए समीकरणों की आहट दे रहा है। इस एक फैसले से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान वर्ग, सहयोगी दलों और उद्योग जगत तीनों को साधने की कोशिश की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के खेतों से लेकर पूर्वांचल के गांवों तक इस घोषणा ने चर्चा का माहौल बना दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब प्रदेश में पंचायत चुनावों की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और 2027 के विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट भी तेज होती दिख रही है। गन्ना, उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की जान कहा जा सकता है। यह सिर्फ एक फसल नहीं बल्कि करोड़ों किसानों की आजीविका का आधार है। प्रदेश में करीब 29.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर गन्ना बोया जाता है और 122 से अधिक चीनी मिलें इसका प्रसंस्करण करती हैं। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से गन्ना किसानों को लगभग तीन हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। योगी सरकार का दावा है कि 2017 से अब तक उसने चार बार गन्ना मूल्य बढ़ाया है और इस अवधि में किसानों को लगभग दो लाख नब्बे हजार करोड़ रुपये का भुगतान कराया गया है, जो पिछली दो सरकारों के संयुक्त भुगतान से कहीं अधिक है। इस आंकड़े के पीछे सरकार का उद्देश्य साफ है किसानों के बीच भरोसे का माहौल बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देना। राजनीतिक तौर पर देखें तो यह कदम बेहद रणनीतिक है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों का वोट बैंक बेहद प्रभावी माना जाता है। मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर, बागपत, शामली जैसे जिलों में गन्ना किसानों की भूमिका निर्णायक होती है। 2007 में जब किसान बसपा की ओर झुके, तब मायावती सत्ता में आईं। 2012 में उन्होंने समाजवादी पार्टी का रुख किया तो अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बने। 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के बाद समीकरण बदले और किसान भाजपा के साथ खड़े दिखे। 2014 और 2017 में भाजपा ने इस समर्थन का पूरा लाभ उठाया। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में गन्ना बकाया और भुगतान में देरी के मुद्दे ने असर दिखाया और भाजपा की कई सीटें खतरे में आईं। उसके बाद किसान आंदोलन ने पश्चिमी यूपी की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। इस बार योगी सरकार ने समय रहते गन्ना मूल्य वृद्धि करके उसी भरोसे को फिर से मजबूत करने की कोशिश की है। इस फैसले का असर सिर्फ किसानों तक सीमित नहीं रहेगा। भाजपा के सहयोगी दल जैसे राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (एस) और सुभासपा को भी यह फैसला साधता दिखता है। आरएलडी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि योगी सरकार ने गन्ने की मिठास और किसानों की मेहनत का मान रखा है। इसी तरह सुभासपा और अपना दल (एस) ने भी सरकार की सराहना की है। यह संदेश साफ है कि भाजपा अपने सहयोगियों के साथ तालमेल को मजबूत करने में लगी है ताकि आने वाले चुनावों में विपक्ष को एकजुट होने का मौका न मिले। पश्चिमी यूपी में आरएलडी की पकड़ मजबूत है और किसान वर्ग में उसका प्रभाव भी। ऐसे में सरकार का यह कदम राजनीतिक दृष्टि से दोहरा फायदा देता है किसान खुश और सहयोगी दल संतुष्ट। गन्ना नीति को लेकर योगी सरकार की दिशा पिछले कुछ वर्षों में काफी स्पष्ट रही है। सरकार ने बकाया भुगतान को लेकर लगातार निगरानी रखी है, चीनी मिलों पर दबाव बनाया है और 'स्मार्ट गन्ना किसान' जैसी ऑनलाइन प्रणाली शुरू की है, जिससे गन्ना पर्ची और भुगतान की प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है। अब किसान का भुगतान सीधे डीबीटी के जरिए खाते में पहुंचता है। बिचौलियों का प्रभाव लगभग खत्म हुआ है। सरकार ने यह भी बताया है कि अब तक 42 चीनी मिलों की उत्पादन क्षमता बढ़ाई जा चुकी है, छह बंद मिलों को दोबारा चालू किया गया है और चार नई मिलें स्थापित की गई हैं। इन कदमों से प्रदेश में बारह हजार करोड़ रुपये का निवेश आया है, जिससे गन्ना उद्योग में रोजगार के नए अवसर भी बढ़े हैं। इथेनॉल उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश ने नया कीर्तिमान बनाया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में इथेनॉल उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर तक पहुंच गया है और आसवनियों की संख्या 61 से बढ़कर 97 हो गई है। इससे न सिर्फ किसानों को नई आमदनी के रास्ते खुले हैं, बल्कि वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र को भी बल मिला है। सरकार के अनुसार, दो चीनी मिलों में अब सीबीजी संयंत्र भी लगाए जा रहे हैं ताकि गन्ने के अपशिष्ट से जैव ऊर्जा का उत्पादन हो सके। इस तरह योगी सरकार गन्ना नीति को केवल मूल्य वृद्धि तक सीमित नहीं रखना चाहती बल्कि इसे ऊर्जा, निवेश और आत्मनिर्भरता के बड़े लक्ष्य से जोड़ रही है। हालांकि, विपक्ष इस फैसले को चुनावी दांव करार दे रहा है। समाजवादी पार्टी के सांसद वीरेंद्र सिंह का कहना है कि महंगाई के अनुपात में यह वृद्धि पर्याप्त नहीं है और सरकार किसानों के साथ छल कर रही है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने भी कहा कि दाम बढ़ाना अच्छा है, लेकिन 400 रुपये के पार जाना चाहिए था ताकि महंगाई की भरपाई हो सके। इन आलोचनाओं के बावजूद, यह भी सच है कि योगी सरकार के कार्यकाल में अब तक गन्ने के मूल्य में कुल 85 रुपये की वृद्धि हुई है, जबकि मायावती और अखिलेश यादव की संयुक्त दस वर्षों की अवधि में यह वृद्धि मात्र 65 रुपये रही थी। गन्ने की मिठास में छिपी राजनीति को समझना आसान नहीं। यह फसल पश्चिमी यूपी के साथ-साथ पूर्वांचल में भी आर्थिक-सामाजिक प्रभाव रखती है। माना जाता है कि प्रदेश की लगभग 180 विधानसभा सीटों पर गन्ना किसानों का सीधा प्रभाव है। ऐसे में योगी सरकार का यह फैसला चुनावी समीकरणों को सीधे प्रभावित करेगा। यदि किसानों के बीच यह संदेश जाता है कि सरकार ने उनके हित में काम किया है और बकाया भुगतान समय पर हुआ है, तो यह भाजपा के लिए बड़े राजनीतिक लाभ में बदल सकता है।

कविता

हिमानी

हम

हम लिख रहे हैं
अतीत के अपराध
और वर्तमान के राग
कि भविष्य बेहतर हो सके
हम दिख रहे हैं
इतिहास के भगत सिंह जैसे
21वीं सदी में क्रांति की मशाल लिए
कि आने वाली सदियां हमें भी याद करें
हम खोल रहे हैं जुबां
चुप रहने की
त्रासदियों के बीच भी
कि सच गूंगा न होने पाए
और झूठ भी सुन सके
उसकी गूंज को
हम शामिल हैं
हर उस विचार के साथ
कि जिससे समाज को
समानता की सूरत मिल सके
हमने कुछ रास्ते अख्तियार किए हैं
दिखाने के लिए दूसरों को रास्ता
कि हम गर मजबूर हो गए
कहीं अपनी अपनी मजदूरी के चलते तो
वो दूसरे उन रास्तों पर चल सकें।
मगर अब हमें बांध लेनी चाहिए
अपनी अंधी उम्मीदों की ये पोटली
कि किसी दूसरे के कंधों को ये बोझ न
सहना पड़े।

समाज की संवेदनहीनता का नतीजा भोजन की बबर्दी

तारकेश्वर मिश्र

भारत में हर साल 7.81 करोड़ टन भोजन की बर्बादी होती है, जो अमेरिका के मुकाबले तीन गुना है। देश में प्रति व्यक्ति भोजन की औसत बर्बादी करीब 55 किलोग्राम सालाना है। खासकर शहरी क्षेत्रों में भोजन की बर्बादी की मात्रा तेजी से बढ़ रही है, जहां लोग बचा हुआ खाना सीधे कूड़े में फेंक देते हैं। जरूरत से ज्यादा भोजन पकाना, खराब व्यंजन, शादी-ब्याह तथा पार्टियां और रेस्टोरेंट्स में जरूरत से ज्यादा ऑर्डर करने जैसी चीजें भोजन की बर्बादी का कारण हैं। यह हैरान करने वाली बात है कि जो भारत 2024 के वर्ल्ड हंगर इंडेक्स में 127 देशों की सूची में 105 वें स्थान पर है, वह भोजन बर्बाद करने वाले देशों की सूची में चीन के बाद दूसरे स्थान पर बना हुआ है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में दुनिया में लगभग 1.05 अरब टन खाद्य पदार्थ बर्बाद हुआ, जबकि इस दौरान करीब 78 करोड़ लोग भुखमरी से जूझ रहे थे। वैश्विक भुखमरी का मतलब भोजन की कमी नहीं है। इस समय, दुनिया में इतना भोजन पैदा हो रहा है कि इस धरती पर मौजूद हर बच्चे, महिला और पुरुष का पेट भर सके। कई समृद्ध देशों में, भोजन की बर्बादी रसोई घर में होती है - जब हम भोजन तैयार करते हैं, जो खाया नहीं जाता, या भोजन को फ्रिज और रसोई की अलमारियों में खराब होने के लिए छोड़ देते हैं। विकासशील देशों में लाखों लोगों के लिए, यह खाद्यान्न बर्बादी कटाई के समय होती है। खेतों में भंडारण की खराब सुविधाओं के कारण कीटों और फफूंद का प्रकोप होता है जिससे फसलें बर्बाद हो जाती हैं। तकनीक और बाजारों तक पहुँच की कमी का मतलब है कि कई किसान अपनी फसलों को खेतों में सड़ते हुए देखने को मजबूर हैं क्योंकि कटाई के लिए आवश्यक श्रम और वित्तीय निवेश अक्सर उपलब्ध नहीं होता। दीर्घकालिक गरीबी, संघर्ष और आर्थिक झटकों के साथ-साथ, खाद्यान्न की हानि दुनिया भर में भुखमरी के मूल कारणों में से एक है । खाद्यान्न की हानि, भोजन उत्पादन में प्रयुक्त संसाधनोंकेजैसे भूमि, जल और ऊर्जाकी भी बर्बादी है। यूएनईपी खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2024 के अनुसार दुनिया भर में मानव उपभोग के लिए उत्पादित भोजन का पांचवां हिस्सा नष्ट या बर्बाद हो जाता है। यह प्रतिदिन एक अरब भोजन के बराबर है। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खाद्य हानि और बर्बादी की कुल लागत लगभग 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी गई है । खाद्य पदार्थों की हानि और बर्बादी से वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है- जो विमानन क्षेत्र की तुलना में कुल उत्सर्जन का लगभग पांच गुना है। साठ प्रतिशत खाद्यान्न की बर्बादी घरेलू स्तर पर होती है। गर्म देशों में खाद्यान्न की बर्बादी अधिक होती है, घरेलू स्तर पर और कटाई के बाद के चरण में, क्योंकि उच्च तापमान के कारण खाद्यान्न का भंडारण, प्रसंस्करण और परिवहन प्रभावित होता है। देश में खाद्य उत्पाद का 40 फीसदी बर्बाद हो जाता है, जिसकी कीमत 92,000 करोड़ है। हालांकि रिपोर्ट बताती है कि भोजन की सबसे अधिक बर्बादी घरों में होती है। दुनिया का हर व्यक्ति साल में औसतन 132 किलोग्राम खाना फेंक देता है, जिनमें से 79 किलोग्राम घर से फेंका जाता है। भारत जैसे देश में भोजन की इतने बड़े पैमाने पर बर्बादी अपराध से कम नहीं है, जहां 2023 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 74 प्रतिशत आबादी स्वस्थ आहार का खर्च नहीं उठा सकती और 39 फीसदी को पोषक तत्वों से भरपूर आहार नहीं मिल पाता। भोजन की बर्बादी का अर्थ सिर्फ प्लेट में बचे खाने की बर्बादी नहीं है, यह हमारे समाज की असमानता और संवेदनहीनता की भी तस्वीर है। भोजन की बर्बादी उस जल, भूमि और ऊर्जा की भी बर्बादी है, जो भोजन तैयार करने में खर्च होती है। इतना ही नहीं, फेंका गया खाना कूड़े के ढेर में सड़ कर मीथेन गैस छोड़ता है, जो पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा है। आदत में बदलाव लाकर भोजन की बर्बादी पर अंकुश लगाया जा सकता है, जैसे- जरूरत के हिसाब से खाना बनाना, बचा भोजन दान करना और फेंकने के बजाय उससे खाद बनाना। दुनिया के कई देशों में फूड बैंक्स और जीरो वेस्ट किचन जैसी शुरुआत हुई हैं। भारत में नागरिक संगठनों और स्थानीय प्रशासनों को इस दिशा में कदम उठाने की जरूरत है, ताकि भूखों की भूख मिटाने के साथ संसाधनों की भी बचत हो। 2030 तक वैश्विक खाद्य अपव्यय को आधा करना संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। वास्तव में, यह संगठन के 17 सतत विकास लक्ष्यों में से एक है। कल्पना कीजिए कि अगर सारा खाना बर्बाद न होता, तो एक किसान क्या कर सकता थाकृ और अब कल्पना कीजिए कि अगर लाखों खाद्य-असुरक्षित किसानों के साथ ऐसा हो, तो इसका क्या मतलब होगा। कटी हुई फसलों को संभालने और भंडारण करने के कौशल की कमी छोटे किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। विश्व खाद्य कार्यक्रम किसानों को कटाई के बाद की बेहतर प्रबंधन विधियों और सब्सिडी वाले जल- और वायु रोधी भंडारण उपकरणों के प्रशिक्षण के माध्यम से इस समस्या का समाधान करने में मदद करता है। डब्ल्यूएफपी स्थानीय बाजारों तक पहुंच बढ़ाकर खाद्य अपव्यय की समस्या से भी निपट रहा है। इसमें स्कूलों के भोजन के लिए स्थानीय रूप से उगाई गई फसलों का उपयोग करना और समुदायों के साथ मिलकर सड़कें और पुल, साथ ही भंडारण सुविधाएं बनाना या उनका पुनर्निर्माण करना शामिल है।

एकता-अखंडता के शिल्पकार थे पटेल

रमा निवास तिवारी

किसी राष्ट्र की एकता और अखंडता उसके सशक्तिकरण का मूल परिचय है। सरदार बल्लभभाई पटेल इस सूत्र को भलीभांति समझते थे इसीलिये स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद तक उन्होंने देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया था।सरदार पटेल का जन्म गुजरात के नडियाद में 31अक्टूबर सन् 1875 में हुआ था। स्वतंत्रता आन्दोलन की दिशा में उनका पहला महत्वपूर्ण योगदान खेड़ा संघर्ष था।जिसे खेड़ा सत्याग्रह के नाम से भी जाना जाता है। बात 1918 की है गुजरात के खेड़ा जिले के किसानों की फसलें चौपट हो गई थीं और ब्रिटिश सरकार उन पर लगान का बोझ अलग से थोप रही थी जिसे देने में किसान सक्षम नहीं थे। ऐसे में गांधी जी के नेतृत्व में सरकार के विरुद्ध किसानों की लड़ाई सरदार पटेल ने लड़ी।युवाओं को एकजुट करके उन्होंने सरकार को अपना फैसला बदलने पर मजबूर कर दिया।इसी सत्याग्रह के बाद से वे गांधी जी और जनता दोनों के ही घनिष्ठ सम्पर्क में आ गये।देश की आजादी के लिए उन्होंने बड़ा काम किया था।आजाद भारत को विशाल भारत बनाने का श्रेय पटेल जी को जाता है।आजादी मिलने के पूर्व से ही वे तमाम देशी रियासतों को भारत में विलय कराने में लग गये थे।सरदार पटेल ने पी.वी. मेनन के साथ मिलकर इन रियासतों के राजाओं को समझा बुझाकर भारत में विलय करने पर राजी करा लिया था। केवल हैदराबाद,कश्मीर और जूनागढ़ इन तीन रियासतों को छोड़कर सभी रियासत के राजाओं ने विलय के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था।ये सभी रियासतें स्वायत्त थीं और इनकी अपनी स्वतंत्र संप्रभुता थी। यह सरदार पटेल की देन थी जो भारत की भौगोलिक सीमा का विस्तार हो पाया। आजादी मिलने तक लगभग सभी रियासतें भारतीय संघ का हिस्सा बन चुकी थीं। भारतीय संघ में विलय को लेकर जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध वहां की जनता ने विद्रोह कर दिया जिससे नवाब पाकिस्तान भग गया।पटेल ने मौका अनुकूल जानकर जूनागढ़ को भारतीय संघ में मिला लिया।हैदराबाद के निजाम ने विलय के प्रस्ताव को अस्वीकार किया तो वहां सेना भेजकर सरदार पटेल ने उसका आत्मसमर्पण करा लिया।इस प्रकार सरदार पटेल ने लगभग छह सौ के आसपास छोटी बड़ी रियासतों का विलय भारत में कराया।उनकी सूझबूझ और दूरदर्शिता का अन्दाजा इस घटना से लग जाता है।जब देश आजाद हुआ तो लक्षद्वीप समूह को पाकिस्तान अपने कब्जे में न ले ले इसलिए उन्होंने आजादी मिलने के दस पन्द्रह दिन बाद वहां भारत का झंडा फहराया।बाद में पता चला कि पाकिस्तान के नौसैनिक जहाज में सवार होकर वहां अपना झंडा फहराने आये थे लेकिन भारत का झंडा लगा देख वे वापस लौट गये।वे एकता के प्रबल प्रचारक थे इसीलिये एकता और अखंडता पर लगातार काम करते रहे।एकता के सूत्रों को जीवन भर वे अपने व्यक्तित्व और कृतित्व के जरिये बांटते रहे। उनके जन्म दिवस को भारत सरकार राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाती है।समाज को एकता की प्रेरणा मिलती रहे इसके लिए 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में नर्मदा नदी के सरदार सरोवर बांध से लगभग साढ़े तीन किलोमीटर की दूरी पर सरदार बल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा का लोकार्पण किया जिसे स्टेच्यू आफ यूनिटी के नाम से जाना जाता है। मोदी सरकार द्वारा बनवायी यह प्रतिमा विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है।यह सरदार पटेल जी के प्रति आदर और सम्मान का प्रतीक है। सरदार पटेल स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे।इरादों के मजबूत और नीतिगत दृढ़ता के धनी होने के नाते महात्मा गांधी ने सरदार बल्लभभाई पटेल को लौहपुरुष की संज्ञा दी थी।जनता की समस्याओं को लेकर वे जनता की आवाज बन जाते थे इसलिए लोग उन्हें सरदार भी कहने लगे थे।सरदार से उनका अभिप्राय मुखिया या प्रमुख हुआ करता था। बारदोली सत्याग्रह की सफलता के बाद उनका यह नामकरण हुआ था।सरदार पटेल को अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने में बड़ा वक्त लगा।22 वर्ष की अवस्था में उन्होंने दसवीं उत्तीर्ण की। परिवार में आर्थिक तंगी के कारण कालेज नही जा सके तो किताबें खरीदकर स्वयं से अध्ययन किया।36 वर्ष की अवस्था में वे वकालत की पढ़ाई करने इंग्लैंड गये।वकालत की पढ़ाई पूरी करके वे भारत आकर वकालत करने लगे।वे अपने काम को इबादत की तरह मानते थे।एक वाकया ध्यान आता है,इनकी पत्नी झाबेर बा कैंसर से पीड़ित थीं,उनका आपरेशन चल रहा था और पटेल जी किसी बहुत जरूरी केस की अदालती कार्यवाही में व्यस्त थे,उसी समय किसी ने पत्नी की मृत्यु की सूचना कागज पर लिखकर उन्हें प्रेषित की,वे अदालत में बहस कर रहे थे उन्होंने चिट्ठी पढ़ कर जेब में रख ली और बहस जारी रखी।जब अदालत की प्रक्रिया समाप्त हुई तब लोगों को बताया कि उनकी पत्नी की मृत्यु हो गई है।1991 में मरणोपरांत देश के सबसे बड़े सम्मान भारत रत्न से उन्हें सम्मानित किया गया। देश और देश के लोगों को एकता के सूत्र में बांधते बांधते उस राष्ट्र पुरुष ने 15 दिसम्बर 1950 को दुनिया से विदा ले ली। सरदार पटेल के विचार और जीवन दर्शन लोगों का पथ प्रदर्शन करते रहेंगे।

एक नजर

रास्ते पर कब्जा, ग्रामीणों का आवागमन ठप

फाजिलनगर (कुशीनगर)। स्थानीय विकास खंड के ग्राम विशुनपुरा, थाना चौरा

खास में सड़क पर अतिक्रमण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों के लगातार विरोध और शिकायत के बावजूद अब तक प्रशासनिक कार्रवाई का कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। ग्रामीण अलीराज पुत्र चांद मियां ने उपजिलाधिकारी कसया को लिखित शिकायत देकर बताया कि हफ़ीजुल्लाह पुत्र बाबू ने रास्ते के लगभग एक-तिहाई हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया है, जबकि बाकी हिस्सा पंकज पुत्र रामधार ने अपने कब्जे में ले लिया है। इस अवैध कब्जे के चलते गांव का मुख्य रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों का कहना है कि जब उन्होंने रास्ता खाली करने को कहा तो कब्जाधारियों ने गाली-गलौज और मारपीट पर उतर आए। दो दिन पहले ही हल्का लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर नापी कर स्थान चिन्हित किया था, लेकिन कब्जाधारियों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। आगामी प्रधानी चुनाव को देखते हुए ग्राम प्रधान इस पूरे मामले में चुप्पी साधे तमाशबीन बने हुए हैं, जिससे ग्रामीणों में नाराज़गी बढ़ती जा रही है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द रास्ता खाली कराया जाए, ताकि गांव का आवागमन सामान्य हो सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन शीघ्र कार्रवाई नहीं करता तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को विवश होंगे।

स्वरोजगार के लिए दस लाख तक ऋण उपलब्ध : जिला ग्रामोद्योग अधिकारी

मऊ। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि कि उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 हेतु ग्रामीण क्षेत्र में उद्योग स्थापना हेतु शिक्षित उद्यमियों / बेरोजगारों/आईटीआई प्रक्षिशण प्राप्त उद्यमियों परम्परागत कारीगरों को अपने गाँव में ही रोजगार उपलब्ध कराने का प्राविधान है। जिसकी उम्र 18 वर्ष से 50 वर्ष तक है, वे आपना आवेदन पत्र ऑनलाइन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजनान्तर्गत समान्य पुरुष को पूँजीगत ऋण पर 4 प्रतिशत और आरक्षित वर्ग (महिलायें, पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, अल्पसंख्यक, विकलॉग एवं भूतपूर्व सैनिकों) को पूँजीगत ऋण पर बिना ब्याज के ऋण दिये जाने का प्राविधान है जिनके अर्न्तगत 10 लाख रुपये तक ऋण बैंको के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को प्रोजक्ट कास्ट का 10 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को 5 प्रतिशत स्वंय का अंशदान लगाना होगा । एक जनपद एक उत्पाद वस्त्रो उद्योग जैसे साडी लुन्गी गमच्छा आदि उद्योग लगाने वाले को उद्यमियों को विशेष वरीयता दी जायेगी । इच्छुक व्यक्ति दिनांक 15/11/2025 तक अपना आवेदन पत्र cmegp.data-center.com.in पर जाकर अपना आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र आनलाईन ही स्वीकार किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय संगीत पैलेश निजामुदीनपुरा मऊ तथा दुरभाष संख्या 7408410764 9450510803 पर सम्पर्क कर सकते है।

फ्राड की गई 50 हजार रूपये दोहरी घाट साइबर पुलिस ने कराया वापस

मऊ। ट्रेडिंग के नाम पर खाते से फ्रांड की गयी 50000/- रुपये (पच्चास हजार) की कुल धनराशि थाना दोहरीघाट साइबर पुलिस टीम द्वारा वापस कराया गया। पुलिस अधीक्षक इलामारन के निर्देशन में अपराध/अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साइबर अपराध के माध्यम से ऑनलाइन ठगी गयी धनराशि वापस दिलाने व साइबर अपराध पर प्रभावी कार्यवाही के परिप्रेक्ष्य में थाना दोहरीघाट साइबर पुलिस टीम द्वारा सार्थक प्रयास करते हुए ट्रेडिंग के नाम पर खाते से फ्रॉड की गयी कुल धनराशि 50000 (पच्चास हजार) रुपये, पीडित वेद प्रकाश राय पुत्र सुभाष चन्द्र राय निवासी रेयांव थाना दोहरीघाट जनपद मऊ । आवेदक के कुल धनराशि 50000 रुपये की सम्पूर्ण धनराशि अथक प्रयास कर उनके खाते में वापस कराया गया। आवेदक द्वारा उच्चाधिकारियों व थाना दोहरीघाट के अधिकारी/कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। साइबर अपराध किसी के साथ और किसी भी प्रकार से घटित हो सकता है। बस जागरुक रहकर ही साइबर अपराध से बचा जा सकता है। बरामदकर्ता पुलिस टीम में प्रभारी नि. राज कुमार सिंह, क.आ. सुनील कुमार, का. अमित कुमार मिश्रा, का. चन्दन कुमार, म.का. रेखा थाना दोहरीघाट रहे।

ऐतिहासिक होगा मैराथन दौड़ : सोनू खेतान

कप्तानगंज (कुशीनगर)। नगर पंचायत द्वारा नगरवासियों के बेहतर स्वास्थ्य,नशा उन्मूलन व स्वच्छता के संदेश को प्रचारित करने के उद्देश्य को लेकर कस्बा में मैराथन का आयोजन किया गया है ।जिसकी तैयारी हेतु नगर पंचायत सभागार में चेयरमैन प्रतिनिधि अभिषेक सोनू खेतान व अधिशासी अधिकारी योगेश प्रताप मिश्रा ने कर्मचारियों के साथ बैठक की और जिम्मेदारियां का बटवारा किया। कप्तानगंज नगर पंचायत के सभागार में आयोजित बैठक में मैराथन को लेकर रूट मैप की जानकारी साझा करते हुए चेयरमैन प्रतिनिधि अभिषेक सोनू खेतान ने बताया कि यह आयोजन 3 नवम्बर दिन सोमवार को सुवह 8 बजे से आयोजित किया जाएगा। नगर पंचायत कार्यालय से शुरू मैराथन कस्वे के आजाद चौक, चांदनी चौक, मंगल की बाजार, डीसीएस चौक, बंदेलीगंज, तरैना बाइपास, तेलियाना चौराहा होते हुए नगर पंचायत परिसर में समापन होगा।श्री खेतान ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से पहली बार आयोजित होने वाला मैराथन ऐतिहासिक होगा।इसका उद्देश्य नागरिकों में शारीरिक फिटनेस , सामाजिक एकता और जन जागरूकता को बढ़ावा देना है। अधिशासी अधिकारी योगेश प्रताप मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर विशेष टीम गठित की गई हैं जो सुरक्षा, जलपान, चिकित्सा व्यवस्था व मार्ग प्रबंधन का कार्य देखेंगी।इसको लेकर नगर पंचायत प्रशासन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी है।रास्ते के मरम्मत कार्य के साथ अन्य व्यवस्थाओ को मूर्त रूप दिया जा रहा है। इस अवसर पर बरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व नगर पंचायत विजय खेतान, वरिष्ठ लिपिक सविता भारती, सभासद वीरेंद्र यादव, शालू जायसवाल, रमेश मोदनवाल इमदाद हुसैन भोला साहनी आदि मौजूद रहे।

ढाढा चीनी मिल ने लगाया छह दिवसीय नि:शुल्क दंत जांच शिविर

हाटा (कुशीनगर)। अवध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड की यूनिट न्यू इंडिया शुगर मिल

द्वारा छ दिवसीय नि:शुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। जहां चीनी मिल क्षेत्र में लगे शिविर में लगभग पांच सौ लोगों की नि:शुल्क दंत जांच व दवाएं वितरण किया गया। गुरुवार को हाटा क्षेत्र के बल्डीहा में लगे दंत जांच शिविर के समापन कार्यक्रम का शुभारंभ जीएम आर के गुप्ता ने फीता काट कर किया। प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डा सुरभि श्रीवास्तव व डा हर्ष श्रीवास्तव तथा उनकी टीम द्वारा डुमरी मलांव तितला, हरपुर, ढाढा, बल्डीहा में लगे शिविर में लगभग पांच सौ लोगों ने जांच कराई इस दौरान डा हर्ष श्रीवास्तव ने दांतों में होने वाली बीमारियों, समय पर उनके इलाज और दांतों की सही सफाई के बारे में जानकारी दी। डा. हर्ष ने बताया कि दांत हमारे मुख का अहम हिस्सा होते हैं। इनके खराब होने से मुख की सुंदरता के साथ-साथ पाचन शक्ति पर भी बुरा असर पड़ता है और असहनीय पीड़ा को सहन करना पड़ता है। इसलिए दांतों की लंबी उम्र के लिए दांतों की सफाई और उचित समय पर दांतों की जांच जरूरी है। चीनी मिल के जीएम आर के गुप्ता ने आए हुए डॉक्टरों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से समाज में जागरूकता आती है और लोगों में निस्वार्थ भावना उत्पन्न होती है। इस दौरान डा नवनीत त्यागी, अंकुर श्रीवास्तव, सुबोध उपाध्याय,विनय पाठक, ग्राम प्रधान संजू यादव, सुभाष सिंह, सभासद रणजीत सिंह सहित अन्य मौजूद रहें।

प्रतियोगिता के आखिरी दिन हुआ दस मॉडल राकेट का प्रक्षेपण

राष्ट्रीय मॉडल राकेट्री – कैनसेट प्रक्षेपण प्रतियोगिता का हुआ शानदार समापन

- असमय बारिश के कारण नहीं की जा सकी पांच मॉडल रॉकेटों की लांचिंग
- देश के विभिन्न इलाकों से पधारे युवा वैज्ञानिकों ने प्रतियोगिता के दौरान बीते क्षणों को बताया अविस्मरणीय

विश्ववार्ता संवाददाता

कुशीनगर। नारायणी नदी के तटवर्ती इलाके में इस जिले के सेवरही विकासखंड के रकबा जंगलीपट्टी गांव की सीमा में आयोजित राष्ट्रीय रॉकेट्री - कैनसेट प्रक्षेपण प्रतियोगिता का आज शानदार ढंग से समापन हुआ। बारिश के बावजूद दस मॉडल रॉकेटों का सफल प्रक्षेपण किया गया। पांच मॉडल रॉकेट बारिश के कारण प्रक्षेपित नहीं किये जा सके। इस चार दिवसीय प्रतियोगिता के आखिरी दिन यानी आज आयोजित समारोह में पिछले दिनों अंतरिक्ष की सैर कर लौट शुभांशु ग्रामीणों आकर्षण के केंद्र रहे।

प्रतियोगिता के समापन समारोह से पहले आज युवा वैज्ञानिकों ने सबेरे 9:30 बजे तक 10 रॉकेट्री का सफल प्रक्षेपण किया गया। युवा वैज्ञानिकों की इस कामयाबी पर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी , इन - स्पेस की वैज्ञानिक टीम एवं जिले के बड़े अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी। पहले मॉडल रॉकेट का प्रक्षेपण सबेरे 7:40 बजे हुआ, तो दो मिनट बाद दूसरा रासकेट लांच हुआ। 7:45 बजे तीसरे, 7: 46 बजे चौथे एवं 7:47 बजे पांचवें रॉकेट की लांचिंग की गई। आधे घण्टे के बाद 9:17 बजे छठे, 9:22 बजे सातवें, 9:28 बजे आठवें 9:32 बजे नौवें और 9:33 बजे दसवें राकेट का प्रक्षेपण हुआ। इस प्रतियोगिता के दौरान चार दिनों में कुल 40 मॉडल राकेट एवं कैनसेट का प्रक्षेपण किया गया।

प्रतियोगिता के दौरान युवा वैज्ञानिकों के बेहतर प्रदर्शन से की आयोजन से जुड़े वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रशासनिक टीम के लोग काफी उत्साहित दिखे। इसरो से जुड़े संगठन इन-स्पेस और एनएसआईएल के दिशा-निर्देशों के अनुसार सम्पन्न हुए इस आयोजन में इन - स्पेस के डायरेक्टर डॉ विनोद कुमार ने बताया कि मॉडल रॉकेट प्रक्षेपण कार्यक्रम के तहत चौथे दिन यानी दस रॉकेट्री का सफल प्रक्षेपण हुआ है।

इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर कल शाम पहुंचे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की एक झलक पाने तथा उन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण व युवा उपस्थित पहुंचे हुए थे। संबंधित क्षेत्र के उत्साही युवाओं से श्री शुक्ला बहुत ही प्रसन्न मुद्रा में मिले और उन्होंने अपने संकल्प एवं प्रयासों से जुड़ी जानकारी भी स्थानीय युवाओं के साथ साझा की।

इस दौरान इस आयोजन की पहल करने वाले सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, इन - स्पेस के निदेशक डॉ विनोद कुमार, इन- स्पेस के अध्यक्ष डॉक्टर पवन गोयनका, जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, पुलिस अधीक्षक केशव कुमार, राज्यसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री कुंवर आरपीएन सिंह, यहां के सांसद विजय दूबे, खड्डा के विधायक विवेकानंद पांडेय, पड़रौना के विधायक मनीष जायसवाल, तमकुहीराज की उप जिलाधिकारी आकांक्षा मिश्रा, पुलिस क्षेत्राधिकारी राकेश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

इस प्रतियोगिता के दौरान युवा वैज्ञानिकों के तकनीकी कौशल के प्रदर्शन का मूल्यांकन इसरो और इन-स्पेस के वैज्ञानिकों की एक प्रतिष्ठित जूरी द्वारा सटीकता और नवाचार दोनों का आकलन करने के लिए डिज़ाइन किए गए तकनीकी मापदंडों के एक व्यापक सेट के आधार पर किया गया। इसमें प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष पाँच टीमों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और नवाचार के लिए सम्मानित किया गया।

मॉडल रॉकेट्री श्रेणी में 31 टीमों और कैनसैट श्रेणी में 36 टीमों , जो देश के होनहार युवा नवप्रवर्तकों का प्रतिनिधित्व करती हैं, इसमें शामिल रहीं। इस प्रतियोगिता में मॉडल रॉकेट्री संस्थान आर.वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (बेंगलुरु) को प्रथम स्थान, प्रणवीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी-पीएसआईटी (कानपुर) को द्वितीय स्थान एवं निरमा विश्वविद्यालय (अहमदाबाद) को तृतीय स्थान मिला है। सम्मानित की गई युवा वैज्ञानिकों की टीमों को वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने बधाई दी और सभी का उत्साहवर्द्धन किया।

नारायणी नदी के तट पर प्रक्षेपित मॉडल राकेट व कैनसेट के साथ मानो आसमान से उतर रहे थे सपने

- तमाशबीनों के बीच बैठे बच्चे चिल्ला रहे थे 'देखो - वो रहा हमारा रॉकेट'

मिथिलेश्वर

कुशीनगर। नारायणी नदी के किनारे आज दोपहर में जब आसमान काले बादलों से भर रहा था, तभी अचानक एक आवाज़ गूंजी— "थ्री... टू... वन... लॉन्च!" - और एक झटके के साथ रॉकेट ने आग और धुएं की रेखा छोड़ते हुए आकाश को उड़ान भर दी । लोग सिर ऊपर उठाए खड़े थे, कुछ की निगाहें चश्मे के पार सूरज की तरफ, कुछ मोबाइल स्क्रीन पर ज़ूम किए हुए और फिर कुछ ही मिनटों बाद, आसमान में एक बिंदु धीरे-धीरे आकार बढ़ाता दिखा यह था सफेद पैराशूट! उसके साथ नीचे उतर रहा था एक छोटा-सा कैनसैट। लेकिन उसके साथ उतर रही थीं सैकड़ों उम्मीदें और सपने।

लॉन्च साइट से करीब सवा किलोमीटर दूर रामजानकी मंदिर के पास बनी दर्शक दीर्घा में बैठे दर्शक तालियाँ बजा रहे थे । हवा में "जय विज्ञान, जय भारत" के नारे गूंजने लगे। बच्चे खुशी से उछल पड़े। देखो, देखो! हमारा वाला नीचे आ रहा है! किसी ने इशारा किया। वो वाला तो पानी की ओर जा रहा है! लोग हँसते हुए दौड़ पड़े, मानो किसी त्योहार की झांकी देख रहे हों।

हर उड़ान के साथ छात्रों की धड़कनें तेज़ हो जातीं, और हर सफल रिकवरी के बाद एक नई कहानी जन्म लेती। रिकवरी टीम के सदस्य नदी किनारे तैनात थे। जैसे ही पैराशूट नीचे आता, उनकी नज़रें उसका पीछा करतीं। कभी हवा का रुख बदलता, कभी पेलोड ज़मीन से दूर जा गिरता, तो कभी सीधा नारायणी के बीचोंबीच उतर जाता। कुछ कैनसैट पेलोड पानी में गिरे, जिन्हें रिकवरी टीम ने रबर बोट से जाकर निकाल लिया। वापसी पर जब उन्होंने गीला लेकिन सुरक्षित पेलोड जूरी टेबल पर रखा, तो वहां मौजूद वैज्ञानिकों और छात्रों की तालियां गूंज उठीं। लॉन्च साइट से दूर बैठे गांवों के लोग भी इस नज़ारे को देख रहे थे। पास के स्कूल के बच्चे हाथ हिलाते हुए चिल्ला रहे थे। "वो देखों रॉकेट। देखो कैसे धीरे उतर रहा है! बुजुर्गों के चेहरों पर विस्मय था।"पहले यहां बाढ़ आती थी, अब आसमान से रॉकेट गिर रहे हैं! कुशीनगर की धरती, जिसे अब तक बौद्ध संस्कृति और कृषि के लिए जाना जाता था, चार दिनों में विज्ञान की नई संस्कृति का साक्षी बन गई।

बताते चलें कि कैनसैट एक छोटा शैक्षिक उपग्रह मॉडल होता है, जिसका आकार लगभग एक सोडा कैन जितना होता है। इसे रॉकेट के जरिए लगभग एक किलोमीटर की ऊंचाई पर भेजा जाता है, जहां से यह पैराशूट की मदद से धीरे-धीरे नीचे उतरता है। इस दौरान यह तापमान, दबाव, जीपीएस लोकेशन जैसी जानकारियां ग्राउंड स्टेशन तक भेजता है। जैसे ही पैराशूट खुलता है, छात्रों के चेहरों पर तनाव की जगह राहत आ जाती है। हर टीम अपने पेलोड के नंबर से पहचान करती है। देखो, 12 नंबर खुल गया, 13 नंबर वाली हमारी टीम है! नीचे उतरते पेलोड के साथ उनकी मेहनत, रातों की कोडिंग, और महीनों का अभ्यास उतर रहा होता है। उनकी नज़रें पैराशूट के साथ नीचे जाती हैं, और दिल में सिर्फ एक दुआ होती है।बस सही-सलामत लैंड कर जाए।

इस आयोजन की खास बात यह रही कि हर लॉन्च के बाद छात्रों को रिकवरी डेटा के विश्लेषण का मौका दिया गया। उन्होंने पैराशूट के खुलने का समय, हवा की दिशा, और पेलोड की गति जैसी सूचनाएं मापीं। कई छात्रों ने कहा कि उन्हें पहली बार यह समझ आया कि "विज्ञान केवल किताबों में नहीं, अनुभव में है। बीआईटीएस हैदराबाद की एक छात्रा ने कहा, कि जब हमारा कैनसैट नीचे उतरा, तो लगा जैसे बच्चा स्कूल से घर लौट आया हो। वह सिर्फ मशीन नहीं थी, हमारे दिल का टुकड़ा थी। बारिश के बावजूद लोगों की भीड़ कम नहीं हुई। कई ग्रामीण महिलाएं सिर पर दुपट्टा रखे आसमान की ओर देख रही थीं। बच्चे अपने मोबाइल से पैराशूट का वीडियो बना रहे थे।

फाजिलनगर के विधायक सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा,ये दृश्य बताता है कि ज्ञान अब किसी प्रयोगशाला की दीवारों तक सीमित नहीं रहा। यह गांवों की मिट्टी में भी उड़ान भर रहा है। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। चारों दिन आठ हाई-क्वालिटी कैमरों से पूरी लॉन्चिंग साइट की निगरानी की जा रही थी। एलईडी स्क्रीन पर रॉकेट की हर गतिविधि लाइव दिखाई जा रही थी।

अब कुशीनगर बनेगा नवाचार का हब

विश्ववार्ता संवाददाता

कुशीनगर। देवरिया के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी की पहल पर उत्तर भारत में पहली बार आयोजित रही चार दिवसीय राष्ट्रीय इन-स्पेस मॉडल रॉकेट्री और कैनसैट लांचिंग प्रतियोगिता ने कुशीनगर की धरती को विज्ञान एवं नवाचार का नया केंद्र बना दिया है। यह आयोजन न सिर्फ क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा , अपितु भविष्य में इस अंचल को भारत के "स्पेस इनोवेशन ज़ोन" के रूप में स्थापित करने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

चार दिन तक चले इस राष्ट्रीय आयोजन के दौरान देश के 47 कॉलेजों के 600 से अधिक युवा वैज्ञानिकों ने अपने मॉडल रॉकेट और कैनसैट लॉन्च कर इतिहास रचा। सांसद शशांक मणि के प्रयास से मिशन ने इस प्रतियोगिता को एक व्यापक उद्देश्य से जोड़ा। बकौल सांसद श्री मणि पूर्वांचल के युवाओं में वह प्रतिभा है, जो भारत के विकसित राष्ट्र बनने की दिशा तय करेगी। हमारा लक्ष्य है कि देवरिया और कुशीनगर विज्ञान और नवाचार के मॉडल जिले बनें।

इस आयोजन से स्थानीय स्तर पर कई तत्कालिक लाभ देखने को मिले। देश के विभिन्न जगहों से आए युवा वैज्ञानिकों ने नारायणी नदी में जमकर बोटिंग का आनंद लिया। सभी इस अंचल की संस्कृति, सभ्यता से काफी प्रभावित दिखे। सभी ने नारायणी एवं बांसी नदी की महिमा जानी। इस आयोजन ने न सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा मिलने का मार्ग प्रशस्त किया है ,बल्कि युवाओं में वैज्ञानिक सोच का प्रसार भी किया है। दीर्घकालिक लाभ के रूप में यह क्षेत्र अब इन-स्पेस और इसरो जैसे संस्थानों की गतिविधियों के केंद्र में आ गया है।

अनुदानित दर पर उपलब्ध कराये उच्च गुणवत्ता युक्त आलू व रबी मौसम के सागभाजी बीज

विश्ववार्ता संवाददाता

मऊ। उद्यान विभाग द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों के साथ-साथ किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त आलू बीज एवं रबी मौसम के सागभाजी बीज उचित अनुदानित दर पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आलू के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु विभाग द्वारा आधारित प्रथम श्रेणी के कुफरी सिंदूरी कुफरी चिपसोना एवं कुफरी बहार प्रजाति का 80 कुंतल बीज किसानों को नगद मूल्य पर वितरण हेतु भेजा गया है।

खास बात यह है कि शासन द्वारा आलू बीज की दरों में 800 रुपये प्रति कुंतल की सब्सिडी प्रदान करते हुए आधारित प्रथम बीज की दर 2915 रुपए प्रति कुंतल तथा आधारित द्वितीय की दर 2710 रुपए प्रति कुंतल निर्धारित की गई है। जिला उद्यान अधिकारी संदीप कुमार गुप्त ने बताया कि आलू बीज के 160 पैकेट, 50 किलोग्राम प्रति पैकेट के अनुसार कल प्राप्त हुए थे जिसमें से 76 पैकेट की बिक्री हो चुकी है तथा अब कुफरी सिंदूरी और कुफरी चिपसोना प्रजाति के 84 पैकेट बीज रोज गार्डन, बलिया मोड़ से एक-दो दिनों में किसानों को विक्रय किए जाएंगे।किसानों को सलाह दी गई कि वर्तमान में मोथा तूफान के कारण हो रही बारिश के मौसम को देखते हुए किसान बीज के आलू को खोलकर, छायेदार,हवादार स्थान पर अंकुरण हेतु रखें तथा मौसम साफ होने पर बीज का शोधन करते हुए बुवाई का कार्य पूर्ण करें। बीज को ज्यादा से ज्यादा उत्पादन उपरांत अगले वर्ष बीज के रूप में प्रयोग करें।जिला उद्यान अधिकारी द्वारा बताया गया है कि जनपद में जाड़े के शाकभाजी फसलों में सब्जी मटर की पांच प्रजातियां, 100 रुपए प्रति किलो की दर पर उपलब्ध है तथा मेथी, मूली धनिया, पालक एवं राजमा की प्रजातियां भी विभाग से अनुदानित दरों पर नगद मूल्य पर विक्रय की जा रही है सभी बीज आधारित और प्रमाणित श्रेणी के हैं जिनका मूल्य 85 से लेकर 325 रुपए किलो के मध्य निश्चित है।

किसानों को साग भाजी फसलों में गुणवत्तापूर्ण बीज उचित दरों पर उपलब्ध कराने के दृष्टिगत विभाग द्वारा लगभग 1000 किलो बीज वितरित किया जा रहा है जिससे कृषक कम लागत में अपनी छोटी जोत में भी जाड़े में सब्जी मटर एवं अन्य फसलों को पैदा आय में वृद्धि कर सकते हैं।

पड़रौना के श्री बुढ़िया माता मंदिर परिसर में हुई भव्य गंगा आरती

विश्ववार्ता संवाददाता

कुशीनगर । कुशीनगर महोत्सव के तहत पड़रौना नगर के श्री बुढ़िया माता मंदिर परिसर में आज सायंकाल गंगा आरती के भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और भारतीय संस्कृति की अनुपम छटा देखने को मिली। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष अतुल सिंह एवं विधान परिषद सदस्य रतनपाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर आरती के कार्यक्रम का श्रीगणेश किया और उपस्थित जनसमूह को धर्माचरण , सेवा एवं एकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में महोत्सव समिति के अध्यक्ष एवं एपीएन न्यूज के मैनेजिंग डायरेक्टर विनय राय व नगर पालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष विनय जायसवाल, पड़रौना नगर के गणमान्य जन, व्यापारी, महिला मंडल एवं युवाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। गौसेवा आयोग के उपाध्यक्ष श्री सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि गंगा आरती केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारी सनातन संस्कृति, पवित्रता और लोक-धर्म का प्रतीक है। इस प्रकार के आयोजन समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं।

रतनपाल सिंह ने कहा कि कुशीनगर महोत्सव हमारी सांस्कृतिक पहचान का पर्व है, जिसे और भव्य रूप में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। महोत्सव समिति के अध्यक्ष श्री राय ने आयोजन के 12वें वर्ष में प्रवेश को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों से स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से शिक्षा, चिकित्सा, धार्मिक व सांस्कृतिक क्षेत्र में लगातार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री जायसवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि पडरौना नगर को सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से आगे बढ़ाने के लिए नगर पालिका सदैव तत्पर है। इस प्रकार के आयोजन नगर के गौरव और एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने आगामी दिनों में नगर के रामकोला रोड स्थित नवनिर्मित महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज छठ घाट पर इस तरह के आयोजन किये जाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान दीपों की रोशनी, भक्ति संगीत और श्रद्धालुओं की आस्था ने पूरे मंदिर परिसर का वातावरण मनमोहक हो चला था । पूरा वातावरण गंगा आरती की मधुर स्वर लहरियों से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम में मनीष बुलबुल जायसवाल, सभासद चंदन जायसवाल, सौरव सिंह, सोनू कुशवाहा, रविन्द्र जायसवाल, रामाश्रय, अनिल जायसवाल, प्रदीप चहाड़िया, संजय मारोदिया, अशोक टिबड़ेवाल, अशोक अग्रवाल, नोबुल अग्रवाल, सुरेश मारोदिया, सुनीता देवी, अनीता सिंह, कौशल्या वर्मा, सुभाषिनी गौतम, निशा कुशवाहा, अनुप्रिया चौहान, ऋतु पाण्डेय, सीमा शुक्ला, आभा मिश्रा, प्रियंका तिवारी, आकाश वर्मा, मंथन सिंह, कुंदन सिंह, नीरज मिश्र, मानस मिश्र, निलेश मिश्र, अभय सिंह, अरविन्द कुशवाहा, सुनील चौहान, सर्वेश जायसवाल, अंशु जायसवाल, रितेश जायसवाल, अंकित अग्रवाल, राजेश जायसवाल, गौरव गुप्ता, सचिन साहा, अभय तिवारी, संदीप निगम, सनी सिंह आदि ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया ।

समीक्षा बैठक मासिक समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

योजनाओं का धरातलीय असर दिखना चाहिए : बीईओ

विश्ववार्ता संवाददाता

तमकुहीराज (कुशीनगर)। बेसिक शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं व कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से गुरुवार को दुदही बीआरसी परिसर में प्रधानाध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक नवागत खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) रीता गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ तभी सार्थक होगा जब उनका वास्तविक प्रभाव विद्यालय स्तर पर दिखे।

बीईओ ने ऑपरेशन कायाकल्प, यू-डायस प्लस 2025-26, डीबीटी, समर्थ पोर्टल, निपुण भारत मिशन, प्रेरणा पोर्टल व पीएम पोषण योजना जैसे कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने एसएमसी बैठक, पीटीएम, शिक्षक संकुल बैठक व सामुदायिक सहभागिता को नियमित रूप से आयोजित करने पर बल दिया। कहा कि बच्चों के नामांकन, ड्रापआउट चिन्हांकन, स्कूल चलो अभियान, स्कूल पेयरिंग व राष्ट्रीय आविष्कार अभियान जैसे कार्यक्रमों में प्रधानाध्यापक सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी विद्यालय में प्रेरणा पोर्टल, निपुण भारत लक्ष्य, उच्चीकरण शिक्षण या सामुदायिक कार्यक्रमों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि स्कूल रेडिनेस, टीडी टीकाकरण, अकैडमिक कैलेंडर, समय सारणी पालन, एक पेड़ मां के नाम अभियान व फैमिली आईडी निर्माण की प्रगति को भी गंभीरता से लिया जाए।

उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यालय की छवि तभी बदलेगी जब हर बच्चा विद्यालय से जुड़ा रहेगा और हर योजना का परिणाम समाज के सामने आएगा। बैठक में प्राशिसं अध्यक्ष अरुणेंद्र राय, मंत्री रामनिवास जायसवाल, जूशिसं अध्यक्ष बांके बिहारी लाल, मंत्री योगेंद्र शर्मा, विद्या सिंह, अशोक यादव, मुनव्वर अली, सैमुद्दीन अंसारी, राजकुमार राय, मनोहर पटेल, राजेश प्रसाद, बालकृष्ण, जवाहर लाल प्रसाद, विनोद सिंह आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी में हाटा की दो महिला मुक्केबाजों का हुआ चयन

हाटा (कुशीनगर)। 69 वीं नेशनल स्कूल गेम्स बालिका राष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता का आयोजन इटा नगर अरुणाचल प्रदेश में जो 28 अक्टूबर से लेकर 30 नवम्बर तक आयोजित है। इसमें आरके बाक्सिंग क्लब की दो महिला मुक्केबाज निशू सिंह पुत्री नवल किशोर सिंह निवासी बस्तापुर 46 किलो भार वर्ग में तथा खुशी तिवारी पुत्री आशुतोष निवासी वार्ड नम्बर 25 का चयन 69 वीं नेशनल गेम्स के लिए हुआ है। इनके इस चयन पर कोच राजेश कुमार गुप्ता,खेल अधिकारी रबि निषाद,जिला व्यायाम शिक्षक अनिल मिश्र, डाक्टर वीके सिंह, शादाब खान, विनोद जायसवाल, पंकज गुप्ता सहित अन्य खेल प्रेमियों ने बधाई दिया है।

लखीमपुर नाव से सामान खरीदने गए 22 लोग कौड़ियाला नदी में डूबे

पांच सुरक्षित बचाए गए एक की मौत, प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

राहुल उपाध्याय/राजेश जोशी

मिहिपुरवा, बहराइच। भारत नेपाल सीमा पर कतर्नियघाट संरक्षित वन्य जीव प्रभाव के गेरुआ ट्रांस गोमती क्षेत्र की नदियों से घिरे भरथापुर गांव के लोग हर साल मुसीबतों से जूझते हैं। कुछ ऐसा ही बुधवार की शाम को हुआ। एक नाव पर करीब 22 लोग सवार होकर लखीमपुर जिले के साप्ताहिक बाजार खैरटिया गए थे। वापस लौटते समय कौड़ियाला नदी में नाव पेड़ से टकरा कर पलट गई। पानी के तेज बहाव के कारण नाव डूबने से उस पर सवार 22 लोग हादसे का शिकार हो गए।

जिनमे 13 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। जबकि एक महिला की मौत हो गई। मामला सुजौली थाना क्षेत्र का है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लेते हुए राहत व बचाओ कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। देवीपाटन मंडल व जिले के पुलिस व प्रशासनिक

अधिकारी मौके पर मौजूद है। राहत व बचाव कार्य तेजी से किया जा रहा है। लेकिन बरसात आड़े आ रही है।

कतर्नियाघाट वन्य जीव रेंज का गांव है भरथापुर। यहां के ग्रामीण लखीमपुर के खैरटिया गांव से कौड़ियाला नदी के रास्ते नाव से आते-जाते हैं। बुधवार शाम 6 बजे खैरटिया गांव से भरथापुर लौट रही एक नाव गांव के करीब पहुंचते ही नदी में पलट गई। नाव में 22 से ज्यादा लोग सवार थे। हादसे में सुरक्षित बचाए गए लोगों में गांव निवासी लक्ष्मी नारायण पुत्र विसेसर, रानी देवी पत्नी रामाधार, ज्योति पुत्री आनंद कुमार और हरिमोहन पुत्र रामकिशोर शामिल हैं। लापता लोगों में नाव चालक मिहीलाल पुत्र पुत्तीलाल सहित 8 लोग लापता हैं। बताया जा रहा है कि लापता लोगों में कुछ मेहमान भी थे। ग्रामीणों के अनुसार, यह हादसा नदी में तेज बहाव के कारण हुआ है। हाल ही में चौधरी चरण सिंह घाघरा बैराज के गेट खोले गए थे, जिन्हें अब बंद कराया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची है। थानाध्यक्ष प्रकाश चंद्र शर्मा और तहसील की टीम राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है।

क्या हैं भरथापुर के हालात

बहराइच। आजादी के बाद से आज तक भरथापुर के लोग नरकीय जीवन जी रहे हैं। करीब 5 किलोमीटर क्षेत्र में या तो ट्रांस गेरुआ का इलाका है, या फिर जंगल एक किलो नमक के लिए भी इस गांव के लोगों को करीब 5 से 7 किलोमीटर की यात्रा तय करनी पड़ती है। इस गांव के हालात इतने खराब थे की न तो गांव के लोग मुख्य धारा से जुड़ पाए थे और न ही इन्हें सरकार की किसी प्रकार की सुविधा मिल रही थी तत्कालीन जिलाधिकारी मोनिका रानी के जब संज्ञान में यह मामला आया तो उन्होंने गांव का दौरा किया लेकिन उनका सरकारी वाहन गांव तक जाने की स्थिति में नहीं था। लेकिन उनके दिमाग में एक मनसा थी कि वह इस गांव के लोगों की पीड़ा को जानेंगी और उसका पुरसा हाल बनेगी। ताकि उस गांव के लोगों का गुजरा हो सके। उस गांव में न तो इलाज की सुविधा थी और न ही आवश्यक सुविधाएं। यहां तक कि कि लोग मुख्य धारा से भी जुड़े नहीं थे। उनके पास राशन कार्ड तक नहीं था। कुछ सुविधाएं तो तत्काल इंडियन बैंक उपलब्ध करा दी कुछ लोगों का आवास भी दिलाए।

फिलहाल उन्होंने गांव के लोगों को कई सरकारी सुविधाओं से आच्छादित कराया आवश्यक राशन कार्ड था लेकिन गांव के लोगों के आवागमन की सुविधा बहाल नहीं कर सकी। हालत वही गुजरे आज भी वह लोग उन्हीं परिस्थितियों के बीच आवागमन करने के लिए मजबूर है। बहराइच जिले के बाजारों से उनका संपर्क कई वर्षों से टूटा हुआ है। वह लखीमपुर जिले और नेपाल के जिलों के बाजारों पर निर्भर हैं। वहीं से अपनी दैनिक उपयोगिता की चीज खरीद कर लाते हैं और अपनी जीविका चलते हैं लेकिन इस पर सरकार का ध्यान कतई नहीं जाता। इस हालात के चलते ही बड़ा हादसा हुआ है। एक बार मुख्यमंत्री जब मिहिपुरवा में जनसभा को संबोधित कर रहे थे तो उन्होंने इस गांव को पूर्ण रूप से सुविधाजनक आच्छादित करने का आश्वासन तो दिया था लेकिन अभी तक उनका निर्देश आदेश धरातल पर नहीं आया है।

जहां नाव पलटी वहां 1200 मगरमच्छ और 600 से अधिक घड़ियाल

बहराइच। एसएसबी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और गोताखोरों की 50 सदस्यीय टीम 5 किमी एरिया में सर्च ऑपरेशन चला रही है। स्टीमर और नाव से लोगों को सर्च किया गया। अंधेरा होने पर सर्च ऑपरेशन बंद कर दिया गया। नाव हादसे के बाद कोई भी गोताखोर नदी में नहीं उतरा। गांववाले भी नदी के किनारे खड़े रहे। लापता लोगों के परिवारवाले दिनभर रोते रहे। किसी की हिम्मत नहीं हुई कि नदी में उतरे। इसकी वजह नदी में घड़ियाल और मगरमच्छों की संख्या है। कौड़ियाला और गेरुआ नदी में 600 से अधिक घड़ियाल हैं। मगरमच्छों की संख्या 1200 से ज्यादा है। ऐसे में आशंका है कि लापता लोगों को घड़ियाल खा तो नहीं गए। हालांकि बैराज का पानी बंद कर दिया गया है। जिससे नदी में पानी कम हो जाए। बैराज तक लोगों की तलाश की गई। प्रशासन ने नदी के पास का किनारा भी खाली करवा दिया है।

भारत-नेपाल बॉर्डर पर है भरतापुर गांव

बहराइच। जिला मुख्यालय से करीब 150 किमी दूर है भरतापुर गांव। यह गांव नेपाल बॉर्डर से भी सटा है। यहां से गेरूआ और कौड़ियाला नदी गुजरती है। यहां के लोग आवागमन के लिए केवल नाव पर निर्भर हैं। वन आरक्षित क्षेत्र होने के कारण यहां पक्के निर्माण पर रोक है।

एक नजर

दो दिवसीय जयगुरूदेव का आध्यात्मिक संगत आयोजित

रुपईडीहा, बहराइच। बाबा जयगुरुदेव आध्यात्मिक संगत नेपाल द्वारा नेपालगंज मे सत्संग व नामदान समारोह आयोजित किया गया। नेपालगंज उप महानगर पालिका वार्ड नं 19 वासुदेवपुर मे मंगलवार से बुधवार तक दो दिवसीय सत्संग समारोह आयोजित हुआ। सत्संग में नेपाली जिला बांके, बर्दिया, दांग, सुर्खेत व भारत के उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड से लगभग दस हजार जयगुरुदेव के शिष्यों की सहभागिता रही। कार्यक्रम के प्रचारक डॉ चेतमान जीसी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सत्संग व नामदान समारोह में भारत के मध्यप्रदेश स्थित उज्जैन से गुरु परमसंत बाबा उमाकांत जी महाराज यहां पधारे थे। कार्यक्रम में सनातन पूजा पाठ, रीति रिवाज, खानपान व पहनावे पर जयगुरुदेव ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज मानव भगवान को भूल गया है। पाप व व्यभिचार का रास्ता अपना लिया है। इसी लिए दु :खी है। कार्यक्रम में लगभग 25 लाख रुपये खर्च हुए है। भारतीय क्षेत्र से दर्जनों बसों द्वारा जयगुरुदेव के कार्यक्रम में उनके शिष्य गए थे। एक दूसरे प्रचारक डॉ लोकेंद्र खड़का ने बताया कि हमने किसी से चंदा नही लिया। उन्होंने बताया कि बांके, बर्दिया, दांग व सुर्खेत के शिष्यों द्वारा इस कार्यक्रम में सहयोग किया गया।

नगर कोतवाल बने मनोज कुमार सिंह

बलरामपुर। जिले में पुलिस विभाग में फेरबदल के तहत कई थानों के प्रभारियों को बदल दिया गया है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार द्वारा जारी आदेशानुसार आठ निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों के तबादले किए गए हैं। जारी आदेश के मुताबिक सादुल्लाहनगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह को नगर कोतवाली का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं, ललिया थानाध्यक्ष सतेन्द्र कुमार वर्मा को सादुल्लाहनगर थाने की कमान सौंपी गई है। इसके साथ ही निरीक्षक अशोक कुमार सिंह को हर्रैया थाने में स्थानांतरित किया गया है। निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह तथा उपनिरीक्षक कमलेश सिंह को पुलिस लाइन भेजा गया है। वहीं, उपनिरीक्षक अविरल शुक्ल को थानाध्यक्ष श्रीदत्तगंज के रूप में तैनाती दी गई है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के इस निर्णय को सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर इस फेरबदल को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

बरसात से फसल क्षति पर करें तत्काल सूचना 72 घंटे में दें रिपोर्ट

गोण्डा। जिले में 29 अक्टूबर से रुक–रुक कर चक्रवाती हवाओं के साथ हो रही बरसात से धान एवं मक्का जैसी खरीफ फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है। कृषि विभाग ने ऐसे सभी किसानों से अपील की है जिन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपनी फसल का बीमा कराया है, वे क्षति की सूचना 72 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से दें। किसान भाई अपनी फसल क्षति की लिखित सूचना अपने विकास खण्ड कार्यालय में सहायक विकास अधिकारी (कृषि), बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि, उप कृषि निदेशक, गोण्डा या जिला कृषि अधिकारी, गोण्डा के कार्यालय में जमा कराएं। साथ ही किसान बीमा कम्पनी के टोल फ्री नम्बर 14447 पर भी सूचना दर्ज कर सकते हैं ताकि समय से सर्वे कराकर क्षतिपूर्ति का लाभ दिलाया जा सके। कृषि विभाग ने किसानों से आग्रह किया है कि वे समयसीमा का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि देरी होने पर बीमा लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है।

पीड़ित पक्ष से ही दरोगा ने वसूल लिए डेढ़ लाख, दारोगा को एसपी ने किया निलंबित

गोंडा। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने फौजी परिवार से मारपीट के मामले मे डेढ़ लाख रूपये रिश्वत लेने के आरोपी दारोगा को निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए है। जिले के कर्नलगंज थाना क्षेत्र के नकहा बसंत गांव में बीते 13 जून को राजेश पांडे व उनके पुत्र विकास पांडे को गांव के ही संतोष, सचिन, पवन, सत्यम ने धारदार हथियार से मारा पीटा था जिसके बाद पीड़ित का इलाज कई महीनों तक लखनऊ के मेडिकल कॉलेज में चला मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दौरान विवेचना हत्या के प्रयास के साथ और कई गंभीर धाराएं लगी जिसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इस मामले के विवेचक बालपुर चौकी इंचार्ज उत्कर्ष पांडे ने पीड़ित राजेश पांडे के फौजी बेटे विनीत पांडे से 1.5 लाख रूपये की मांग की थी जिसके बाद फौजी ने गांव के ही एक व्यक्ति से उधार मांग कर 27 अगस्त को 1.5 लाख रूपये रिश्वत दी लेकिन इसके बाद भी 2 महीने तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई फौजी ने 24 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल से मिलकर पूरी व्यथा बताई जिसके बाद एसपी ने सख्त नाराजगी जताते हुए तत्काल इस प्रकरण की जांच अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय को सौंपी जिसके बाद जांच के दौरान रिश्वत लेने की बात की पुष्टि हुई।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज उतरौला की हालत बदहाल

बी पी त्रिपाठी /नूर मोहम्मद

उतरौला (बलरामपुर)। उतरौला नगर का राजकीय बालिका इंटर कॉलेज आज उस विडंबना का प्रतीक बन चुका है, जहां ज्ञान का दीपक तो जल रहा है, पर उसके चारों ओर सुरक्षा और संसाधनों का अंधकार फैला है। कभी नगर की बेटियों की शिक्षा का गौरव रहा यह संस्थान अब अपनी जर्जर इमारत, दीवारों की दरारों और प्रशासनिक उदासीनता की वजह से खतरे का पर्याय बन गया है।

विद्यालय परिसर में प्रवेश करते ही दीवारों का झड़ता प्लास्टर, टूटी छतें, उखड़ी फर्श और टेढ़ी मेढ़ी खिड़कियां खुद इस बात की गवाही देती हैं कि इस संस्थान को देखभाल की कितनी सख्त जरूरत है। जहां कभी शिक्षा का मंदिर गूंजता था, वहां अब डर और चिंता का साया है। **15 वर्षों से टलता रहा नवीनीकरण का सपना:** स्थानीय

नागरिकों के अनुसार, यह समस्या नई नहीं है। बीते पंद्रह वर्षों से लगातार समाजसेवी व उतरौला विकास मंच के अध्यक्ष आदिल हुसैन और लोकतंत्र सेनानी चौधरी इरशाद अहमद गद्दी, साथ ही नगर के कई अभिभावक एवं बुद्धिजीवी इस भवन के नवीनीकरण और भूमि हस्तांतरण की मांग उठा चुके हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री, राजस्व मंत्री, शिक्षा मंत्री, जिलाधिकारी बलरामपुर और जिला विद्यालय निरीक्षक तक को पत्र लिखे, लेकिन वर्षों से यह मांग सिर्फ फाइलों में घूमती रही। इन सभी प्रयासों के बावजूद प्रशासनिक प्रक्रिया की जटिलता और विभागीय तालमेल की कमी के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है।

स्वामित्व विवाद बना सबसे बड़ी बाधा: वर्तमान में कॉलेज का संचालन शिक्षा विभाग द्वारा किया जाता है, जबकि भवन और भूमि का स्वामित्व राजस्व विभाग के नाम पर दर्ज है। यही प्रशासनिक उलझन कॉलेज की सबसे बड़ी रुकावट बन चुकी है। न तो शिक्षा विभाग भवन की मरम्मत कर सकता है, न ही राजस्व विभाग इस पर निर्माण की जिम्मेदारी ले रहा है। परिणामस्वरूप, हर गुजरते वर्ष के साथ भवन की स्थिति और अधिक खतरनाक होती जा रही है।

जर्जर भवन में जोखिम भरी पढ़ाई: कॉलेज की प्रधानाचार्या कुमारी ज्ञान सिंह ने बताया कि कॉलेज में लगभग 1200 छात्राएं अध्ययनरत हैं। हर दिन वे जर्जर भवन में कक्षा के भीतर बैठती हैं, जहां दीवारों से प्लास्टर झड़ता है, छतों से पानी रिसता है और कई कमरों में दरारें इतनी चौड़ी हो चुकी हैं कि रौशनी और हवा भीतर झांकने लगती है।

बरसात के मौसम में स्थिति और भयावह हो जाती है। पानी के रिसाव से कक्षाओं की छतें नम हो जाती हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। शिक्षिकाओं का कहना है कि उन्हें हर दिन अपनी सुरक्षा की चिंता के साथ पढ़ाना पड़ता है।

बेमौसम बारिश से किसानों की खरीफ फसल नष्ट होने का भय

विश्ववार्ता संवाददाता

सादुल्लानगर/बलरामपुर। क्षेत्र में बुधवार की देर रात से हो रही लगातार बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। बारिश से धान की फसलें खेतों में ही बह गईं और कई खेतों में खड़ी व कटी फसले पड़ी होने से धान की बालिया खराब होकर काला हो रहा है।जिससे अन्नदाताओं के परिवार को को भूखा रहना पडेगा और खेतों में पानी भर जाने से खड़ी फसलें डूबकर नष्ट हो गईं।

सादुल्लानगर के किसान कनिकराम वर्मा, राधेश्याम गुप्ता, कामता प्रसाद, केशरी प्रसाद शुक्ल, उदयभान, मनोज, विजय, अमरिका प्रसाद, रमेश, नंदकिशोर श्रीवास्तव, श्यामजी वर्मा आदि ने बताया कि अचानक हुई तेज बारिश से धान की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। धान के

साथ ही गन्ने की फसल भी गिरकर क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि पहले ही लागत बढ़ने से खेती मुश्किल हो गई है, अब प्राकृतिक आपदा ने हालत और खराब कर दी है। किसान सरकार से मुआवजा व राहत देने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि समय रहते आर्थिक मदद न मिलने पर खेती करना मुश्किल हो जाएगा।

एसडीएम ने की स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा

» अधिकारियों को दी सख्त हिदायतें

विश्ववार्ता संवाददाता

पयागपुर,बहराइच। तहसील मुख्यालय में गुरुवार को तहसील स्तरीय स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक उपजिलाधिकारी अश्वनी पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का संचालन बीपीएम अनुपम शुक्ल ने किया।

बैठक में क्षयरोग नियंत्रण, फाइलेरिया मुक्ति, कुष्ठ रोग नियंत्रण, कुपोषण रोकथाम, एनीमिया मुक्त भारत, एंटीलार्वा दवा छिड़काव, नियमित टीकाकरण सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। एसडीएम अश्वनी पाण्डेय ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से अभियानों को प्रभावी ढंग से लागू करने और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

एसडीएम ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियानों को गंभीरता और जिम्मेदारी से चलाया जाए। उन्होंने लोगों को दिमागी बुखार, खांसी, जुकाम तथा क्षय रोग जैसे संचारी रोगों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। साथ ही, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशाओं, कोटेदारों और ग्राम प्रधानों को अभियान में सक्रिय भागीदारी के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग की टीमों को घर-घर सर्वेक्षण कर लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देने को कहा गया। सफाई और शुद्ध पेयजल के महत्व पर समाज में जनजागरूकता फैलाने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा के साथ भविष्य की कार्ययोजनाओं पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. धीरेंद्र तिवारी, डॉ. प्रवीण पांडेय, अमर सेन गुर्जर, अनुराग पाठक, सीडीपीओ विमला कुमारी, बीपीएम प्रतिभा सोनकर, इमरान अली, डब्ल्यूएचओ एफएम अविनाश अवस्थी और वैभव शुक्ल सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्माण श्रमिकों के नवीनीकरण की अंतिम तिथि बढ़ी

गोंडा। निर्माण श्रमिकों के हित में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत श्रमिकों के नवीनीकरण की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब श्रमिक 15 नवम्बर 2025 तक अपना पंजीकरण नवीनीकृत करा सकेंगे। प्रदेश में पंजीकृत लगभग 42 लाख से अधिक निर्माण श्रमिक ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले 4 वर्ष या उससे अधिक अवधि से अपना नवीनीकरण नहीं कराया है।

पहले यह अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2025 निर्धारित थी, परंतु श्रमिकों की संख्या अधिक होने और तकनीकी कारणों से कई श्रमिकों के नवीनीकरण न हो पाने के चलते अब यह अवधि एक माह बढ़ा दी गई है। अभी भी बड़ी संख्या में श्रमिक ऐसे हैं जो प्रक्रिया पूर्ण नहीं कर पाए हैं।

सीएचसी में नहीं है फायर एनओसी मानक सुरक्षा व्यवस्था रामभरोसे

बी पी त्रिपाठी/आशीष कुमार गुप्ता

सादुल्लानगर/बलरामपुर। जिले में जल्द पहुंचने वाली कामन रिव्यू मिशन (सीआरएम) की टीम से पहले स्वास्थ्य विभाग अस्पतालों की सूरत बदलने में जुटा है।मगर सादुल्लानगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में अग्नि सुरक्षा जैसे बुनियादी इंतज़ाम नदारद हैं। स्थिति यह है कि अस्पताल को अब तक अग्निशमन विभाग से फायर एनओसी तक जारी नहीं हुई है।

सीएचसी परिसर में अग्निशमन की व्यवस्था सिर्फ नाम मात्र को है। यहां लगे अग्निशमन सिलेंडर खराब पड़े हुए हैं और किसी भी आपात स्थिति में उपयोग लायक नहीं। ऐसे में शॉर्ट सर्किट या अन्य कारणों से आग लगने पर मरीजों व स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। अस्पताल प्रशासन की लापरवाही का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मानक पूरे न होने के चलते सीएचसी से एनओसी के लिए पोर्टल पर अब तक आवेदन भी नहीं भेजा गया है।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. विजय भान ने माना कि अस्पताल में लगे अग्निशमन यंत्रों की वैधता तीन माह पूर्व ही समाप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि संबंधित ठेकेदार से पुनः व्यवस्था के लिए बात की गई है।

वहीं अग्निशमन प्रभारी अंकित कुमार ने बताया कि मानक अपूर्ण होने की वजह से सीएचसी को एनओसी जारी नहीं की गई है। विभागीय अभियान के दौरान अस्पतालों में लगी अग्निशमन उपकरणों की जांच की जाती है, लेकिन जिम्मेदार मानक पूरा कराने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।

सीआरएम टीम के आगमन को देखते हुए अस्पताल परिसर में सफाई व अन्य तैयारियां तो जारी हैं, मगर अग्नि सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय की अनदेखी गंभीर चिंता का विषय है। मरीजों व स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा से जुड़े इस मामले में विभागीय उदासीनता का सवाल खड़े कर रही है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। बुधवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को न्यून से न्यूनतम करने के लिए सड़कों का स्ट्रक्चर, दुर्घटना बहुल्य क्षेत्रों का चिन्हांकन, ब्लैक स्पाट, सड़कों का निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीबी कैमरों की स्थापना इत्यादि के सम्बंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाये।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिया गया कि हिट एण्ड रन से से सम्बन्धित प्रकरणों में प्रभावित परिवारों, निस्तारित मामलों तथा प्रदान की गई सहायता का विवरण प्रस्तुत किया जाय। जनपद में यातायात परिचालन की सुगम व्यवस्था के लिए मार्ग एनएचएसएचएम डीआर, ओडीआर एवं शहरी भाग की यातायात परिचालन व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। श्री सिंह ने कहा कि दुर्घटना बाहुल्य मार्गों को चिन्हित कर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक प्रबन्ध किये जायें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चिन्हित ब्लैक स्पाटों पर इंजीनियरिग मानक के अनुरूप एनएचएसएचएमडी एवं ओडीआर मार्गो पर कैमरा, रैम्बल स्ट्रिप, स्पीड लिमिट, रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप, कैट-आई प्रकाश की समुचित व्यवस्था एवं मार्ग सुरक्षात्मक बोर्ड आदि की स्थापना की जाये।

एसपी ने निर्देश दिया कि पीडब्ल्यूडी अथवा नगर निकायों के एक-एक मार्ग को चिन्हित कर मॉडल मार्ग घोषित किया जाय। चिन्हित मार्गों को स्मार्ट सिटी मार्ग की गाइडलाइन के अनुसार विकसित करने हेतु आगणन बनाकर प्रस्ताव शासन से स्वीकृति हेतु प्रेषित किया जाय।

एसपी ने कहा कि मा. मुख्यमंत्री जी मंशानुरूप सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत कमी लायी जाने के उद्देश्य से यातायात तथा नो हेल्मेट नो फ्यूल नियम को कड़ाई से लागू किया जाय। एसपी श्री सिंह ने चिकित्सा एवं परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि वाहन चालकों की जांच हेतु विभिन्न मार्गों पर स्थित पेट्रोल पम्पों तथा अन्य उपयुक्त स्थलों पर आंखों की जांच हेतु कैम्प लगाये जायें। एसपी श्री सिंह ने नगर निकाय, लोक निर्माण व पुलिस विभाग को निर्देश दिया कि नगर के विभिन्न मार्गों पर पैदल गश्त कर सुगम यातायात में आने वाली दिक्कतों को दूर कराने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में नगरवासियों तथा विभिन्न टैक्सी स्टैण्ड स्वामियों के भी सुझाव प्राप्त किया जाय। एसपी द्वारा सभी सम्बन्धित को निर्देश दिया गया कि शहर में स्थित विभिन्न चिकित्सालयों में पार्किंग के माकूल बन्दोबस्त किये जायें जिससे मरीज़ों व तीमारदारों के वाहनों से यातायात की व्यवस्था में बाधा उत्पन्न न होने पाये।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी, सीओ लाइन पवन कुमार, एआरटीओ ओ.पी. सिंह, ईओ प्रमिता सिंह सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

बृजभूषण शरण सिंह के हेलीकॉप्टर की पायलट ने कराई इमरजेंसी लैंडिंग

विश्ववार्ता संवाददाता

गोंडा। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जनसभा करने गुरुवार को भोजपुर पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई बृजभूषण एनडीए गठबंधन के जेडीयू प्रत्याशी राधा चरण साह के समर्थन में जनसभा के लिए गए थे जनसभा के बाद दिनार जाने के लिए जैसे ही पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी।

बारिश के बीच तेज हवा की वजह से संतुलन बिगड़ने लगा। इसके बाद उनके पायलट की। सूझ बूझ से हेलिकॉप्टर की धान के खेत में ही इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। घटना छोटकी सासाराम और सरफाफर गांव के बीच की है। पूर्व सांसद बृज भूषण चरण सिंह छोटकी सासाराम गांव में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे

थे। सभा खत्म होने के बाद वे रोहतास के दिनारा विधानसभा क्षेत्र में अगली जनसभा के लिए हेलिकॉप्टर से रवाना हुए थे लेकिन उसी वक्त मौसम खराब हुआ और इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई जिसके बाद बृजभूषण शरण सिंह ने खुद का वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर खुद के सुरक्षित रहने और लोगो से अफवाह न फैलाने की सूचना दी

तस्करी भारतीय सुरक्षा बलों को चकमा देकर नेपाल पहुंच रहे थे तस्कर

ढाई लाख की स्मैक के साथ दो नेपाली युवक गिरफ्तार

नबी अहमद

रुपईडीहा, बहराइच। इस समय नेपाल-भारत सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी तेज हो गयी है। भारतीय सुरक्षा बलों को चकमा देकर तस्कर नेपाल पहुंच जा रहे है और उन्हे नेपाल पुलिस दबोच ले रही है। पड़ोसी नेपाली जिला बांके की पुलिस टीम ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए दोनों लोग नेपालगंज के निवासी है।

बांके जिले के डीएसपी दीपक पातली ने बताया कि बुधवार की शाम नेपालगंज वार्ड नंबर 13 में रामलीला मैदान जाने वाली सड़क पर रायल कैफे के पास संदिग्ध परिस्थितियों में दो लोगों को रोककर पुलिस टीम ने तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनकी पैंट की जेब से 49 ग्राम स्मैक बरामद हुआ। डीएसपी ने बताया कि बरामद स्मैक की कीमत ढाई लाख रूपये आंकी गयी है। डीएसपी ने बताया कि पकड़े गये युवकों की पहचान 38 वर्षीय चांद अली शेख और 31 वर्षीय बब्लू शेख निवासी नेपालगंज वार्ड नंबर 9 के पिरलीपुरवा के रूप में हुई है। उन्होने बताया कि पकड़े गये युवकों से और पूछताछ हो रही है।

इन दोनों ने पूछताछ में बताया कि यह स्मैक भारतीय क्षेत्र से खरीद कर लाये है। डीएसपी ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी का आरोप सिद्ध होने पर कम से कम दस साल की सजा हो सकती है।

मादक पदार्थ का ट्रांजिट प्वाइंट बना नेपालगंज शहर

रूपईडीहा, बहराइच। भारतीय सीमा से सटा नेपाली जिला बांके का नेपालगंज शहर मादक पदार्थ तस्करों के लिए एक पारगमन बिंदु बनता जा रहा है। खुली सीमा होने के कारण तस्कर आसानी से मादक पदार्थ नेपालगंज पहुंचा रहे है। नेपालगंज से नेपाल के विभिन्न जिलों व राजधानी काठमांडू तक मादक पदार्थ पहुंच रहा है। भारतीय बाजार रूपईडीहा में नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता ने भी बांके पुलिस के लिए चुनौतियाँ बढ़ा दी हैं। एसपी बांके इस मुद्दे को लेकर गंभीर है। उन्होने कहा कि इस विषय पर बहराइच एसपी को पत्र के माध्यम से अवगत करायेंगे। रूपईडीहा पुलिस व एसएसबी कभी-कभी मादक पदार्थ तस्करों को पकड़ कर जेल भी भेजती है, परन्तु आज तक इनके कारोबारियों को पुलिस सलाखों के पीछे नही भेज पायी है। बांके जिले के एसपी अंगुर जीसी ने एक प्रेस मीट के दौरान बताया कि इस समय नेपालगंज शहर की स्थिति भयावह होती जा रही है। बांके जिले की पुलिस टीम मादक पदार्थ तस्करों को पकड़ कर जेल भी भेज रही है। परन्तु इस पर पूरी तरीके से अंकुश नही लग पा रहा है। उन्होने बताया कि जिले की पुलिस टीम ने 2025-26 के पहले दो महीनों में दो भारतीय नागरिकों सहित 40 लोगों को मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा उनके कब्जे से जब्त की गई मादक पदार्थों की मात्रा भी स्थिति को चिंताजनक बताती है। पुलिस ने अलग-अलग तारीखों और ठिकानों पर इनके पास से 505 ग्राम और 760 मिलीग्राम स्मैक, 5 किलोग्राम गांजा, 200 मिलीलीटर कोरेक्स, नाइट्रोजेपाम की 1,104 गोलियाँ और ट्रामाडोल के 746 कैप्सूल भी जब्त किए हैं। बांके पुलिस के अनुसार, आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। जिला पुलिस कार्यालय, बांके के आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 में मादक पदार्थों की तस्करी के 157 मामलों में 236 लोग गिरफ्तार किए गए, उनके पास से 6 किलो 895 ग्राम गांजा और 1,320 नाइट्राजेपाम की गोलियां व 882 ग्राम 22 मिलीग्राम स्मैक बरामद किया गया है। जबकि 2023-24 में 177 मामलों में 264 लोग गिरफ्तार किए गए, उनके पास से 16 किलो 123 ग्राम हशीश, 15 किलो 113 ग्राम अफीम, 5 किलो 868 ग्राम गांजा, 3 लीटर 300 मिलीलीटर कोरेक्स, 812 नाइट्राजेपाम की गोलियां व 915 ग्राम 815 मिलीग्राम स्मैक बरामद किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में दर्ज मामलों की संख्या 213 तक पहुँच गई और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में 319 लोग गिरफ्तार किए गए, उनके पास से 8 किलो 224 ग्राम हशीश, 113 किलो 250 ग्राम मारिजुआना, 7 लीटर 300 मिलीलीटर कोरेक्स, 3,613 नाइट्रोजेपाम टैबलेट, ट्रामाडोल के 5,348 कैप्सूल व 3 किलोग्राम 4 ग्राम 690 मिलीग्राम स्मैक बरामद की गयी है। एसपी अंगुर जीसी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के मध्य अगस्त तक, बांके पुलिस ने 505 ग्राम 760 मिलीग्राम स्मैक जब्त करने में सफल रही है।

एक नजर

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हलिया (मिर्जापुर)। हलिया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी आरोपित रामपाल को स्थानीय पुलिस ने बुधवार को अहुगी कला नहर के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसआई अच्छे लाल यादव अपनी टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इसी बीच आरोपित अदवा कालोनी की ओर रहा था कि पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरोपित के खिलाफ गांव की ही एक महिला ने पिछले शुक्रवार को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

पुलिस ने नये कानून और साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

हलिया (मिर्जापुर)। इ्रमंडगंज पुलिस ने क्षेत्र के इ्रमंडगंज स्थित जय दुर्गा इंटरमीडिएट कालेज व रतेह चौराहा स्थित बीपी चौरसिया जूनियर हाईस्कूल में गुरुवार को छात्र छात्राओं को नये कानून और साइबर सुरक्षा के प्रति जानकारी देकर जागरूक किया। थानाध्यक्ष इ्रमंडगंज ब्रह्मदीन पांडेय ने नये कानून और साइबर अपराध के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि पहले की अपेक्षा नया कानून भारतीय न्याय संहिता भारत के नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। नये कानून में धाराओं की संख्या में बदलाव, अपराधों में सजा की वृद्धि और पहले की अपेक्षा प्रक्रियात्मक सरल है। साइबर सुरक्षा के प्रति छात्र छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि अनजान नंबरों से आने वाली फोन काल पर किसी को अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। साइबर अपराध की घटना होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर फोन कर मदद लेने की अपील की।कहा कि साइबर ठगी होने पर पुलिस को सूचना दें। पुलिस आपकी सहायता करेगी।इस दौरान जय दुर्गा इंटरमीडिएट कालेज के प्रधानाचार्य रमाकांत चौरसिया,बीपी चौरसिया जूनियर हाईस्कूल के प्रबंधक राकेश चौरसिया एस आई मनसुख यादव, महिला कांस्टेबल वंदना यादव,हेड कांस्टेबल प्रमोद यादव, कांस्टेबल साकेत सैनी,वेद प्रकाश आदि मौजूद रहे।

ऑटो और बाइक की टक्कर मे घायल युवक की इलाज के दौरान ट्रामा सेंटर में हुई मौत

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सोठिया गाँव निवासी मृतक के पिता लक्षिमन की तहरीर पर गुरूवार को अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पडताल में जुट गयी है। हलिया लालगंज मार्ग पर बीते मंगलवार को बरी गांव स्थित सरदार पटेल की मूर्ति के पास रात आठ बजे के करीब आटो व बाइक की जोरदार टक्कर हो गई थी जिसमें 30 वर्षीय बाइक चालक अनिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसकी उपचार के दौरान बुधवार को देर साम ट्रामा सेंटर वाराणसी में मौत हो गई। पुलिस मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच पडताल में जुट गयी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध इलाज के दौरान पुत्र की मौत होने पर तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर वाहन की तलाश की जा रही है।

बुकिंग कराकर किसान पाएं नि:शुल्क बीज

फतेहपुर। जिला कृषि अधिकारी नरोत्तम कुमार ने बताया कि सभी तेरह विकास खण्डों में स्थित राजकीय कृषि बीज भण्डारों से 50 प्रतिशत अनुदान पर चना, मटर, सरसों व गेंहू की उन्नतशील प्रजातियों के बीजो का वितरण किया जा रहा है। कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत सभी कृषकों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर पीओएस मशीन द्वारा वितरण किया जाएगा। एक किसान को अधिकतम 2.0 हे0 क्षेत्र के लिए बीज उपलब्ध हो सकेगा। बीज भण्डारों पर सरसों के नि:शुल्क मिनिकिट भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। किसान इसके लिये पोर्टल पर बुकिंग कर बीज नि:शुल्क प्राप्त कर सकते हैं। 10 वर्ष से कम अवधि के गेंहू बीज की प्रजातियों में 50 प्रतिशत का अनुदान एवं 10 वर्ष से अधिक प्रजाति (एचडी-2967) में कुल 1300 रूपए प्रति कुंतल का अनुदान देय है। जनपद के किसानों के मांग के दृष्टिगत गेंहू की डीबीडब्लू-187 (करण वन्दना), डीबीडब्लू-303 (करण वैष्णवी), डीबीडब्लू-327 (करण शिवानी) प्रजातियो के बीज पर्याप्त मात्रा मे उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

साड़ ने किया वृद्ध को घायल

फतेहपुर। राधानगर थाना क्षेत्र के ग्राम रमवां में गुरूवार की सुबह खेत जा रहे 84 वर्षीय वृद्ध को अन्ना साड ने हमला कर घायल कर दिया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार रमवां गांव निवासी स्व0 भगोली का पुत्र शिवकरन गुप्ता सुबह पहर जंगल जा रहा था। तभी वहां घूम रहे अन्ना साड़ ने उस पर हमला कर दिया। जिससे वृद्ध घायल हो गया। आस पास के लोगों ने लाठी डन्डो से मार कर साड़ को वहां से भगाया और घायलावस्था में उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

भाजपा नेता के होटल में कुक की मौत

शराब पीते समय गोली चली, बंदूक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के बेटे की

विश्ववार्ता संवाददाता

कोच जालौन। कोच में भाजपा नेता के होटल में कुक की लाश मिलने से मचा हड़कंप। तीसरी मंजिल पर कुक और बाउंसर बैठकर शराब पी रहे थे। तभी अचानक गोली चली, जो कुक को लगी। मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया।

बंदूक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुमन देवेंद्र निरंजन के बेटे हिमांशु की है। बाउंसर का कहना है कि हिमांशु की बंदूक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुमन देवेंद्र निरंजन के बेटे हिमांशु की है। बाउंसर का कहना है कि हिमांशु की बंदूक उसके पास थी। शराब पीते समय कुक ने खुद को गोली मार ली। पुलिस ने होटल को सील कर दिया है।

फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल की जांच की कर शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। कुक की पहचान मध्य प्रदेश के दतिया के भांडेर का रहने वाले महेश उम्र (40) वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस भाजपा नेता हिमांशु और बाउंसर संदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस सुसाइड और हत्या दोनों एंगल पर जांच कर रही है। घटना बुधवार देर रात की होटल आशीर्वाद की है।

10 हजार रुपए को लेकर विवाद हुआ था - जालौन के कोंच कोतवाली स्थित कोच कस्बे में भाजपा नेता का आशीर्वाद होटल है। महेश इस होटल में काम करने के लिए 24 अक्टूबर को आया था। बताया जा रहा है कि हिमांशु निरंजन से महेश ने काम के बदले 10 हजार रुपए मांगे थे। इसको लेकर विवाद भी हुआ था। बुधवार की रात महेश और होटल का बाउंसर संदीप तीसरी मंजिल पर शराब पी रहे थे। इसी दौरान गोली चली और महेश को लगी। महेश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस को मौके से 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक मिली है, जो होटल मालिक हिमांशु की है। महेश के भतीजे धीरेंद्र ने आरोप लगाया है कि चाचा की गोली मारकर हत्या की गई है। इस हत्या का आरोप गार्ड संदीप पर लगाया है। चाचा पूरी तरह स्वस्थ थे। 24 अक्टूबर को होटल में काम करने के लिए आए थे। उस दिन उन्होंने किसी भी तरह की परेशानी या विवाद की बात नहीं बताई थी। धीरेंद्र ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए। उसके आधार पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

CCTV के आधार पर जांच की जा रही - कोंच सीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि होटल आशीर्वाद के मालिक देवेंद्र द्वारा सूचना दी गई कि उनके यहां काम करने वाले एक कर्मचारी ने नशे की हालत में खुद को गोली मार ली है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

किसान के घर में चोरों ने सेंध लगा किया हाथ साफ

खागा, फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के बरेची गांव में बुधवार की रात अज्ञात चोरों ने एक घर में सेंध लगाकर कीमती जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पीड़ति की सूचना पर पुलिस मौके पर जाकर जांच शुरू कर दी है।

गांव निवासी किसान भान सिंह के यहां आधी रात चोरों ने धावा बोल दिया। मकान के पीछे सेंध लगाकर घर में घुस गए। पीड़ति ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि रात में परिवार के लोग सो रहे थे। चोरों ने उनके घर के पीछे से नकब लगाया। चोर घर से कीमती जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। किशनपुर थाना प्रभारी सत्यदेव गौतम ने बताया कि भान सिंह की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है चोरों की तलाश की जा रही है।

एक किलो से अधिक गांजा के साथ एक गिरफ्तार

बांदा। मुखबिर की सूचना पर तिंदवारी पुलिस ने गांजा बेचने जा रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया।

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर जनपद में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण लगाने तथा जिले को नशामुक्त बनाने को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। तिंदवारी थाना के उप निरीक्षक अजीत कुमार सिंह व शिवाजी मौर्य और हेड कांस्टेबल रामचंद्र को बुधवार को गश्त व चेंकिग के दौरान सूचना मिली कि एक व्यक्ति गांजा के साथ कस्बा स्थित पनीर वाली गली के पास खड़ा है। सूचना पर तत्काल पुलिस ने मौके पर जाकर कस्बे के हनुमान नगर निवासी विक्रम खंगार पुत्र ठाकुर प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक किलो 400 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

विवाहित ने लगाई फांसी

विश्ववार्ता संवाददाता

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पखरौली में संदिग्ध परिस्थितियों में 22 वर्षीय विवाहिता ने घर के अन्दर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतका की मां ने ससुरालीजनों पर दहेज में पांच लाख रूपये मिलने का कारण हत्या करने के बाद शव को फांसी पर लटका दिया।

» मृतका की मां ने ससुरालीजनों पर लगाया हत्या का आरोप

जानकारी के अनुसार पखरौली गांव निवासी कमल सिंह की पत्नी मीना देवी ने बुधवार की दोपहर घर के अन्दर फांसी लगाकर अत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। वहीं पोस्टमार्टम हाउस में आई मृतका की मां सुनीता देवी ने सुसरालीजनों पर आरोप लगाते हुए बताया कि शादी के तीन साल होने वाले इस बीच ससुरालीजनों ने पांच लाख रूपये धंधा करने के लिए मांगे लेकिन मायका पक्ष इस लायक नहीं था कि उनकी मांग पूरी करते।

मां ने बताया कि दो बार ससुरालीजनों की मार से वह मायके आ गयी थी। तीसरी बार ससुरालीजनों ने दहेज की खातिर उसकी बेटी की हत्या करने के बाद शव को फांसी पर लटका दिया। वहीं पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का सही कारण ज्ञात हो सकेगा।

बालाजी सेवा मंडल ने सौंपी जिम्मेदारियां

» 24 को ध्वज यात्रा व 25 नवंबर को श्रीराम विवाह पंचमी की तैयारी पर चर्चा

विश्ववार्ता संवाददाता

खागा, फतेहपुर। आगामी श्रीराम विवाह पंचमी पर्व के अवसर पर बालाजी सेवा मंडल की बैठक आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पप्पू द्विवेदी ने करते हुए कहा कि हम सभी सेवकों को पूरी निष्ठा एवं लग्न से सेवा करनी है। आने वाले भक्तों को कोई दिक्कत न हो। डाक्टर सुनील गुप्त ने सभी सेवकों को विभिन्न जिम्मेदारियां दी। उन्होंने बताया कि श्रीराम विवाह पंचमी के अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों के आगमन की हजारों की संख्या की संभावना है। जिसको देखते हुए मंडल ने सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संपन्न कराने का संकल्प लिया है।

बैठक में मंडल के सेवकों को साफ-सफाई, जल वितरण, भंडारा सेवा, यातायात व्यवस्था और दर्शन व्यवस्था जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं। इस अवसर पर सभी सेवकों ने एक स्वर में कहा कि वे अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करेंगे और आने वाले सभी भक्तों का श्रद्धा एवं भक्ति भाव से स्वागत करेंगे। मंडल के अध्यक्ष उमेश केसरवानी ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें प्रभु श्रीराम के विवाहोत्सव जैसे दिव्य आयोजन में सेवा का अवसर प्राप्त हो रहा है। मंडल के सभी सदस्य इस आयोजन को भव्य और अनुशासित रूप में संपन्न कराने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य करेंगे। बैठक के अंत में मंत्री महेंद्र गुप्त ने सभी सेवकों ने प्रभु श्रीराम, माता सीता और हनुमानजी से आशीर्वाद लेकर सेवा भाव की प्रतिज्ञा दोहराई। बैठक का संचालन केदारनाथ शुक्ल ने की।

खराब ट्रांसफार्मर बदलें, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति में लाएं सुधार

» विकास कार्यों व कानून व्यवस्था समीक्षा बैठक में आयुक्त ने दिए निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। मंडलायुक्त ने विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए किसानों को हर हाल में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के सख्त निर्देश दिए। कहा कि किसानों को खाद की समस्या नहीं होनी चाहिए। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति में सुधार लाने पर जोर दिया।

आयुक्त अजीत कुमार ने अपने कार्यालय सभागार में गुरुवार को बैठक कर मंडलीय विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। विभागीय कार्यों को समय से पूरा कराने को कहा। कहा कि किसानों को खाद की समस्या नहीं होने पाए। खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। महोबा जिले में हेल्थ इंडिकेटर में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने 70 वर्ष से अधिक के लोगों का आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाने को कहा। अधिकारियों को गांवों में जन चौपाल आयोजित करने तथा फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने विद्युत, विभाग अधिकारियों को अधिक बिलो के भेजने की समस्या को दूर करने को कहा। खराब ट्रांसफार्मर बदलने तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति में सुधार लाए जाने के निर्देश दिए। हमीरपुर एवं महोबा में पुल निर्माण कार्य में मैनपॉवर बढ़ाकर गुणवत्ता के साथ काम कराने को कहा। बैठक में जिलाधिकारी जे.रीभा, जिलाधिकारी हमीरपुर घनश्याम, अपर आयुक्त प्रशासन अमर पाल सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त अरविंद कुमार समेत मंडल के मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा मंडलीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला और साइबर अपराधों पर सख्ती से रोक की हिदायत

डीआईजी राजेश एस. ने मंडल के चारों जिलों बांदा, महोबा, हमीरपुर और चित्रकूट जिले के पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक करते हुए कानून व्यवस्था की समीक्षा की। डीआईजी ने क्षेत्र में हत्या, लूट, चोरी, महिला अपराध और साइबर अपराध पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। साइबर अपराध नियंत्रण के लिए सभी जनपदों में साइबर थानों को सक्रिय करने का आदेश दिया गया। पैदल गश्त बढ़ाने को कहा। बैठक में बांदा एसपी पलाश बंसल, चित्रकूट एसपी अरुण कुमार सिंह, हमीरपुर एसपी डा.दीक्षा शर्मा और महोबा एसपी प्रबल प्रताप सिंह मौजूद रहे।

सपा नेता हसनुद्दीन को मिली राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी

» अल्पसंख्यकों को साधने की कवायदों में जुटी सपा

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। कभी बुंदेलखंड को विशेष तरजीह देकर प्रदेश की सत्ता संभालने वाली समाजवादी पार्टी अब एक बार फिर से बुंदेलों को साधने की कवायद में जुट गई है। जहां पूर्व मंत्री विशंभर प्रसाद निषाद पहले ही समाजवादी पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव का अहम पद संभाले हुए हैं, वहीं अब पार्टी के वरिष्ठ नेता हसनुद्दीन सिद्दीकी को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी देकर बुंदेलखंड की सियासत में नया संकेत दे दिया है। सपा हाईकमान के इस फैसले को अल्पसंख्यक समाज को आगे बढ़ाकर उनका पूर्ण समर्थन हासिल करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि हसन के राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर पार्टी के कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति पर उनके निजी सचिव गंगाराम ने मनोनयन पत्र जारी करते हुए सपा खेल प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश सचिव हसनुद्दीन सिद्दीकी को राष्ट्रीय सचिव के रूप नियुक्त किया है। हसन की नियुक्ति से जनपद समेत समूचे बुंदेलखंड के सपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। बता दें कि अवकाशप्राप्त रेलवे कर्मचारी हसनुद्दीन सिद्दीकी बसपा सरकार में कद्दावर मंत्री रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी के छोटे भाई हैं, लेकिन दोनों भाइयों की सियासी राह अलग अलग हैं। सपा नेता हसन की मुस्लिम समाज के युवाओं में खासी पकड़ बताई जाती है और समाज के युवाओं को सपा से जोड़ने में उनकी अहम भूमिका रही है।

ग्राम चंदरसी में जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों की सुनी समस्याएं : डीएम

» ग्राम चन्दरसी में रात तक डटे रहे अधिकारी - जिलाधिकारी ने जनचौपाल में सुनी जनता की हर बात

विश्ववार्ता संवाददाता

उरई जालौन। जनसेवा का अद्भुत नजारा आज विकास खंड कदौरा के ग्राम पंचायत चन्दरसी में देखने को मिला, जब जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय स्वयं गांव पहुंचे और शाम से लेकर देर रात तक ग्रामीणों के बीच डटे रहे। उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं, योजनाओं का सत्यापन कराया और तत्काल समाधान के निर्देश दिए। गांव के चौपाल में प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आए।

जिलाधिकारी के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी एक-एक योजना की जानकारी देते रहे और मौके पर ही पात्रों की सूची की जांच की गई। चौपाल में स्वच्छ पेयजल, हैण्डपम्पों की कार्यदशा, जॉब कार्ड, अन्त्योदय कार्ड, पात्र गृहस्थी कार्ड, वृद्धावस्था व निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना, सामूहिक विवाह योजना जैसी केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की बारीकी से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा किसी भी पात्र व्यक्ति को योजनाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। जो छूट गए हैं, उनके नाम तत्काल जोड़ा जाए। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि और राज्य सरकार की मुख्यमंत्री आवास योजना, कन्या सुमंगला, सामूहिक विवाह व पेंशन योजनाएं हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए प्रशासन पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। रात का अंधेरा गहराया, पर चौपाल की रोशनी में प्रशासनिक जिम्मेदारी की चमक और बढ़ गई। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और उनकी टीम के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे जनचौपाल से ही हमें शासन की योजनाओं का असली लाभ मिलता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र देव शर्मा, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला विकास अधिकारी निशांत पांडे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश आदि सहित समाज जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

रामलीला में रामायण के प्रमुख प्रसंगों का मंचन

विश्ववार्ता संवाददाता

खागा, फतेहपुर। खागा तहसील क्षेत्र के सिलमी गांव में चल रही रामलीला में रामायण के प्रमुख प्रसंगों का मंचन हुआ। जिसमें राम-सुग्रीव की मित्रता के भावनात्मक प्रसंग को देखकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

मंचन की शुरुआत राम-सुग्रीव की मित्रता के भावनात्मक प्रसंग से हुई। इसके बाद बाली वध का दृश्य प्रस्तुत किया गया, जिसने धर्म और न्याय के महत्व को दर्शाया। विभीषण शरणागति प्रसंग में भगवान राम की करुणा और शरणागत वत्सलता ने दर्शकों को प्रभावित किया। रामलीला में सीता जी की खोज के लिए वन में घूम रहे राम-लक्ष्मण की मुलाकात हनुमान जी से होती है। हनुमान जी ने कंधों पर राम और लक्ष्मण को बैठाया और सुग्रीव के पास ले गए, जहां अग्नि को साक्षी मानकर दोनों ने मित्रता निभाने का वचन लिया। सुग्रीव से पर्वत पर रहने का कारण पूछकर श्रीराम के कहने पर सुग्रीव ने बाली को युद्ध के लिए ललकारा। सुग्रीव और बाली के बीच जोरदार संवाद और युद्ध चला। इसके बाद प्रभु श्रीराम ने बाली का वध किया। इसके बाद सुग्रीव ने माता सीता की खोज के लिए हनुमानजी को भेजा। हनुमानजी ने लंका पहुंचकर अशोक वाटिका में माता सीता को रामजी का संदेश दिया। हनुमान द्वारा वाटिका उजाड़ने की सूचना मिलते ही अक्षय कुमार वाटिका पहुंचे। जहां हनुमान और अक्षय कुमार के बीच युद्ध हुआ। इसके बाद मेघनाद युद्ध करने पहुंचा। मेघनाद ने हनुमान जी को बांधकर रावण के दरबार में लाया। रावण की आज्ञा से हनुमान की पूंछ में आग लगाई। हनुमानजी ने उछल-कूद कर पूरी लंका जला दी। राम लीला में राम का अभिनय आदर्श द्विवेदी, लक्ष्मण का अमन दीक्षित ने निभाया। इस बीच रामलीला समिति के अध्यक्ष छोटू सिंह परिहार, पूर्व अध्यक्ष शिवेश त्रिपाठी, अंकुर त्रिपाठी, आशीष यादव, उदय प्रताप सिंह तोमर, सौरभ त्रिपाठी मंच संचालक, रामजी, अजय सिंह, अपीयूष तोमर, रणदीप के साथ ग्रामीण उपस्थित रहे।

डंपर की टक्कर से स्कूटी सवार महिला समेत दो घायल

नरैनी। बालू लेने खदान जा रहे तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी चला रही महिला समेत मासूम बालिका घायल हो गई। घायलों को सीएचसी से मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। हादसे में स्कूटी जलकर खाक हो गई। घटना के बाद उत्तेजित ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया।

चौकी पुलिस ने उत्तेजित ग्रामीणों को समझा कर शांत कराया। अतर्रा कस्बा के भगवत नगर निवासी स्कूटी सवार अहिल्या पत्नी संजय अपने दो नाबालिक बच्चों को लेकर अतर्रा कस्बे से पथरा गांव जा रही थी। तभी अतर्रा थाना क्षेत्र के तेरा ब गांव के पास पीछे से बालू लेने जा रहे डंपर ने स्कूटी में टक्कर मार दी। स्कूटी सवार महिला व दो बच्चे गिरकर घायल हो गए। स्कूटी भी धू-धू कर जल उठी। घटना के बाद उत्तेजित ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया।

डीआईओएस कार्यालय में दिया धरना

» डीआईओएस को सौंपा 18 सूत्रीय मांग पत्र

विश्ववार्ता संवाददाता

फतेहपुर। विभिन्न मांगों को लेकर यूपी एजुकेशनल मिनिस्ट्रीयल आफीसर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में धरना देकर अपनी आवाज बुलंद की। तत्पश्चात डीआईओएस को 18 सूत्रीय मांग पत्र सौंपकर सभी मांगों को तत्काल पूरा किए जाने की आवाज उठाई।

एसोसिएशन के जनपदीय अध्यक्ष अनिल सिंह व सचिव दीपक कुमार की अगुवई में धरना दिया गया। धरने में उपस्थित कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। वक्ताओं ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर कई बार आवाज उठाई गई लेकिन कोई सुनवाई नही हो रही है। इसलिए आज विवश होकर धरना दे रहे हैं। धरने के पश्चात माध्यमिक/बेसिक के अपर मुख्य सचिव, महानिदेशक स्कूल शिक्षा उत्तर प्रदेश निशांतगंज लखनऊ, शिक्षा निदेशक माध्यमिक/बेसिक उप्र, अपर शिक्षा निदेशक बेसिक प्रयागराज को संबोधित 18 सूत्रीय ज्ञापन डीआईओएस राकेश कुमार को सौंपा। डीआईओएस ने ज्ञापन लेकर आश्वासन दिया कि ज्ञापन को उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दिया जाएगा। इस मौके पर अविनाश कुमार, संजय गुप्ता, सुरजीत कुमार, अरविन्द कुमार साहू, मानस रावत, शैलेन्द्र कुमार गुप्ता, मोनू, शाइस्ता नसरीन, सरिता, अभिलाष, राजेश कुमार, श्यामबिहारी साहू, सौरभ, विनीता, कु. कोमल, देशराज पाल, विनीत रस्तोगी, राघवेन्द्र श्रीवास्तव, अवधेश वर्मा, नीरज कुमार सहित तमाम कर्मचारी मौजूद रहे।

सुरक्षा लौह पुरुष जयंती की पूर्व संध्या पर निकाली सद्भावना राष्ट्रीय एकता रैली

पटेल सेवा संस्थान के तत्वाधान में आयोजित हुआ कार्यक्रम

» 151 कैंडिल प्रज्जवलित कर उन्हें याद किया, श्रद्धा सुमन अर्पित किए

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती की पूर्व संध्या पर पटेल सेवा संस्थान के तत्वाधान में सद्भावना राष्ट्रीय एकता बाइक एवं कार रैली निकाली गई। आक्सीजन पार्क में सरदार पटेल की याद में 151 कैंडिल प्रज्जवलित कर उन्हें याद किया। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने तथा राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा की शपथ ली।

शहर के मुक्तिधाम रोड (क्योटरा) स्थित पटेल सेवा संस्थान से गुरुवार को सांसद कृष्णा शिव शंकर पटेल, अपर आयुक्त न्यायिक भगवान शरण, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल एवं कुर्मी क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद बाल कुमार पटेल ने झंडी दिखाकर बाइक व कार रैली को रवाना किया। शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करने के बाद नरैनी रोड स्थित सरदार पटेल आक्सीजन पार्क पहुंच कर रैली का समापन हुआ। संस्थान पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल की याद में 151 कैंडिल प्रज्जवलित कर उन्हें याद किया। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए लौह पुरुष के बताए गए मार्ग पर चलने तथा राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा की शपथ ली। जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल ने सभी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष अध्यक्ष मुंगी प्रसाद पटेल समेत राममिलन पटेल, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष द्वारिकेश सिंह यादव, पूर्व मंत्री अयोध्या सिंह पटेल, ब्लॉक प्रमुख नरैनी मनफूल पटेल, ब्लॉक प्रमुख बबेरू रमाकांत पटेल, सपा नेत्री अर्चना सिंह पटेल, अरुण पटेल, इंद्रपाल पटेल, कृष्णेंद्र पटेल, अरुणेश पटेल, अनूप पटेल, राममूरत पटेल, जगदीश पटेल, रोहित पटेल, ओमप्रकाश पटेल, अजय पटेल, विद्याभूषण पटेल, वीरेंद्र पटेल, संजय पटेल, विजय पटेल, द्वारिका पटेल आदि उपस्थित रहे।

सरदार पटेल की याद में कैंडल जलाते पटेल समाज के लोग।

एक नजर

ऋषभ पंत ने अनऑफिशियल टेस्ट से वापसी की

बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्टेडियम में साउथ अफ्रीका और भारत की ए टीमों के बीच पहला अनऑफिशियल टेस्ट खेला जा रहा है। ऋषभ पंत इस मुकाबले से वापसी कर रहे हैं। पहले दिन स्टंप्स तक साउथ अफ्रीका ने 9 विकेट खोकर 299 रन बना लिए। मेहमान टीम से जॉर्डन हरमन, जुबैर हम्जा और रुबिन हरमन ने फिफ्टी लगाई। भारत के लिए ऑफ स्पिनर तनुष कोटियान ने 4 विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल शुक्रवार सुबह 9.30 बजे से शुरू होगा। ऋषभ पंत इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले में बैटिंग के दौरान इंजर्ड हो गए थे। पहली पारी में क्रिस वोक्स की बॉल पंत के पैर पर लगी थी। जिसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। हालांकि, वे फिर बैटिंग करने लौटे और फिफ्टी लगाकर भारत को 350 के पार पहुंचाया था।

राहुल बोले- रोहित ने भारत की टी-20 सोच बदली

भारत के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा- रोहित ने टीम की टी-20 क्रिकेट खेलने की सोच पूरी तरह बदल दी। द्रविड़ ने बताया कि जब रोहित कप्तान बने और उन्होंने कोच का काम संभाला, तब दोनों ने मिलकर टीम की बल्लेबाजी को ज्यादा तेज, निडर और बड़े स्कोर वाली शैली में बदलने का फैसला किया। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 9 महीने के भीतर 2 ICC ट्रॉफी अपने नाम की थी। टीम ने जून 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप और मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीता था।

देर से चमका रोहित का करियर

डेब्यू के 18 साल और 276 वनडे बाद रोहित शर्मा वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज बन ही गए। 5 साल तक टीम में जगह फिक्स नहीं कर सके रोहित का करियर ओपनिंग शुरू करने के बाद पलटा। 35 की उम्र में कप्तानी मिली और 38 साल की उम्र में दुनिया के सबसे उम्रदराज नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बन गए। 2006 के अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया रविकांत शुक्ला की कप्तानी में खेलने उतरी। टीम फाइनल में पाकिस्तान से हार गई, लेकिन टूर्नामेंट ने चेतेश्वर पुजारा, रवींद्र जडेजा, पीयूष चावला और रोहित शर्मा जैसे भविष्य के सितारे भारत को दे दिए। पुजारा 349 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज बने। रोहित टूर्नामेंट में भारत के तीसरे टॉप स्कोरर बने। उन्होंने 3 फिफ्टी लगाकर 202 रन बनाए। रोहित घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। इसी प्रदर्शन के दम पर 2007 में उन्हें वनडे डेब्यू का मौका मिल गया। उसी साल उन्होंने टी-20 डेब्यू भी किया और वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा बन गए।

17 साल के क्रिकेटर ऑस्टिन की बॉल लगने से मौत

17 साल के मेलबर्न के क्लब क्रिकेटर बेन ऑस्टिन की बॉल लगने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बेन मंगलवार को अपने क्लब के नेट्स में ऑटोमेटिक बॉलिंग मशीन के सामने बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे। उन्होंने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन गेंद उनके सिर और गर्दन के हिस्से पर जा लगी। हादसे के बाद उन्हें तुरंत गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां गुरुवार सुबह उनकी मौत हो गई। बेन ऑस्टिन को श्रद्धांजलि देने के लिए नवी मुंबई में खेले जा रहे विमेंस वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमें काली पट्टी बांधकर उतरी हैं। वहीं मेंस क्रिकेट में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच शुक्रवार को होने वाले दूसरे टी-20 में बेन को ट्रिब्यूट दिया जाएगा।

भारत विमेंस वर्ल्डकप के फाइनल में

सेमीफाइनल में 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराया, जेमिमा ने 127 रन बनाए

नई दिल्ली। भारत ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुरुवार को 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। DY पाटिल स्टेडियम में 339 रन का टारगेट भारतीय टीम 48.3 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर लिया। जेमिमा रॉड्रिग्ज 127 और अमनजोत कौर 15 रन बनाकर नाबाद लौटीं। इसी के साथ भारतीय टीम ने तीसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। 2 नवंबर को उसका सामना साउथ अफ्रीका से होगा।

भारतीय टीम ने 59 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। यहां से जेमिमा रॉड्रिग्ज ने मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिलाई। वे 134 बॉल पर 127 रन बनाकर नाबाद लौटीं। जेमिमा ने 14 चौके लगाए। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत कौर (89 रन) के साथ 167, दीप्ति शर्मा (24 रन) के साथ 38, ऋचा घोष (26 रन) के साथ 46 और अमनजोत कौर (नाबाद 15 रन) के साथ नाबाद 31 रन की अहम साझेदारियां कीं। किम गार्थ को 2 विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया की ओर से फीबी लिचफील्ड ने 119, एलिस पेरी ने 77 और एश्ले गार्डनर ने 63 रन बनाए। भारत के लिए स्पिनर श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट झटके। क्रांति गौड़, अमनजोत कौर और राधा यादव को 1-1 विकेट मिला। 3 बैटर्स रन आउट भी हुईं।

जीत के बाद रोने लगी जेमिमा, कहा- माता-पिता की शुक्रगुजार हूं

मैच जिताने के बाद जेमिमा मैदान पर ही बैठ गईं और रोने लगी। उन्होंने कहा- मैं अपने माता-पिता की शुक्रगुजार हूं। मुझे 5 मिनट पहले ही पता चला कि मैं नंबर-3 पर बैटिंग करने जा रही हूं। उन्होंने आगे कहा- नवी मुंबई मेरे लिए खास है और लोग इतनी बड़ी संख्या में आए और उन्होंने हमारा इतना समर्थन किया। इसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देती हूं।

क्रिकेट को कंट्रोल करता है भारत- पूर्व कोच ग्रेग चैपल

गांगुली का सस्पेंशन कम करने के लिए कहा था; मैच रेफरी भी सवाल उठा चुके

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कोच ग्रेग चैपल ने कहा कि भारत दुनिया में क्रिकेट को कंट्रोल करता है। चैपल ने ICC के पूर्व मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड का समर्थन भी किया। जिन्होंने कहा था कि भारत अपनी पावर का इस्तेमाल कर नतीजों को अपने हक में मोड़ लेता है।

गांगुली का सस्पेंशन कम करने की मांग की थी

सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को दिए इंटरव्यू में चैपल ने कहा कि BCCI और ICC के पूर्व चीफ जगमोहन डालमिया ने उनसे गांगुली का सस्पेंशन कम करने की मांग की थी। ताकि वे श्रीलंका दौरे पर क्रिकेट खेलने जा सके। चैपल ने आगे कहा, मैंने गांगुली का सस्पेंशन कम करने के लिए मना कर दिया। मैं सिस्टम खराब नहीं करना चाहता था। गांगुली को उनका सस्पेंशन पूरा करना ही पड़ेगा। जिसके बाद डालमिया ने भी इस पर आपत्ति नहीं जताई।

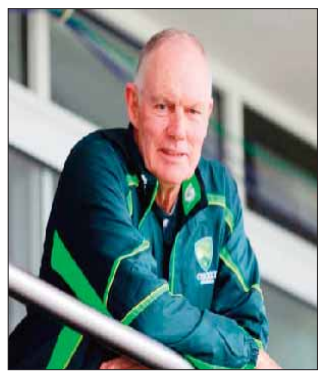

ट्राई सीरीज के पहले गांगुली को हटाया था

2005 में टीम इंडिया को श्रीलंका जाकर ट्राई सीरीज खेलनी थी। स्क्वॉड में गांगुली को जगह नहीं मिली। जिसके बाद सौरव और चैपल के बीच विवाद की स्थिति बढ़ते चली गई।

3 साल तक भारत के कोच रहे चैपल

ऑस्ट्रेलिया के ग्रेग चैपल 2005 से 2007 तक भारत के कोच रहे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वे गांगुली से जुड़ी बातें मीडिया में लीक करते थे। जिससे टीम में विवाद की स्थिति पैदा होने लगी थी। उनके ट्रेनिंग स्ट्रक्चर से भी टीम के प्लेयर्स खुश नहीं थे।

चैपल ने ही गांगुली को कप्तानी छोड़ने के लिए मजबूर किया था। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया 2007 के वनडे वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। जिसके बाद चैपल को इस्तीफा देना पड़ा था।

चैपल से पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और ICC के मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने भी BCCI पर सवाल उठाए थे। उन्होंने द टेलीग्राफ से बात करते हुए कहा, मैच से पहले मुझे एक कॉल आया और कहा गया कि भारत पर ज्यादा सख्ती नहीं दिखानी है। थोड़ा समय दो, ताकि उन्हें ओवर रेट सुधारने का मौका मिले।

गूगल का रेवेन्यू पहली बार 9 लाख करोड़ पार

पहला ऑफिस गैराज में था, राम श्रीराम शुरुआती निवेशक; 3 ट्रिलियन की कंपनी

वॉशिंगटन। गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट ने सितंबर 2025 तिमाही में पहली बार 100 बिलियन डॉलर (करीब 9.06 लाख करोड़) का रेवेन्यू हासिल किया है। CEO सुंदर पिचाई ने इसे 'माइलस्टोन क्वार्टर' बताया। सर्च, यूट्यूब और क्लाउड जैसे सेगमेंट में डबल डिजिट ग्रोथ हुई। 5 साल पहले कंपनी का तिमाही रेवेन्यू 50 बिलियन डॉलर था। गूगल के तिमाही नतीजों से जुड़ी बड़ी बातें 7.5 करोड़ डेली एक्टिव यूजर AI फीचर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्वेरीज (सर्च पूछताछ) इस तिमाही में दोगुनी हो गईं। पिछले साल की तुलना में कस्टमर्स 34% बढ़े। मौजूदा कस्टमर्स में से 70% से ज्यादा अब गूगल के AI प्रोडक्ट्स (जैसे जेमिनी) इस्तेमाल कर रहे हैं। AI ने गूगल क्लाउड की कमाई को तेज रफ्तार दी। क्लाउड रेवेन्यू 34% बढ़कर 15.16 अरब डॉलर (1.3 लाख करोड़) हो गया।

13 AI प्रोडक्ट लाइन्स (जैसे जेमिनी मॉडल्स) ने सालाना 1 अरब डॉलर (8,871 करोड़) से ज्यादा की कमाई का रन रेट हासिल किया।

यूट्यूब स्ट्रीमिंग स्पेस में नंबर 1 बना हुआ है। अमेरिका में 2 साल से ज्यादा समय से यह वॉच टाइम में टॉप पर है।

शॉर्ट वीडियोज (शॉर्ट्स फीचर) अब लंबे वीडियोज से ज्यादा कमाई कर रहे हैं। यूट्यूब ऐड रेवेन्यू 10.26 अरब डॉलर (91,023 करोड़) पिछले साल 15% ज्यादा पहुंचा।

कंपनी दिसंबर 2025 तक जेमिनी 3 (गूगल का नया AI मॉडल) रिलीज करने का प्लान कर रही है। यह और तेज, स्मार्ट होगा।गूगल के बिना जिंदगी कैसी होती? आज हर सवाल के जवाब 'गूगल कर लो' कहकर निकल जाते हैं, लेकिन 1998 से पहले सर्च करना था तो याहू पर घंटों लग जाते थे।

फिर आए लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन – दो ऐसे जीनियस, जिन्होंने एक छोटे से प्रोजेक्ट से दुनिया की तीसरी बड़ी टेक कंपनी बना दी।1995 में मिशिगन का लड़का लैरी पेज कंप्यूटर इंजीनियरिंग करने के लिए स्टैनफोर्ड पहुंचा। उसके मम्मी-पापा दोनों कंप्यूटर एक्सपर्ट थे, तो लैरी को बचपन से ही मशीनों का शौक चढ़ा।

जियो यूजर्स के लिए 35,000 का AI सब्सक्रिप्शन फ्री

मुंबई। भारत में अब 18 से 25 साल के जिओ यूजर्स को फ्री में जैमिनी प्रो सब्सक्रिप्शन मिलेगा। इसके लिए रिलायंस की सहायक कंपनी रिलायंस इंटेलिजेंस लिमिटेड ने गूगल के साथ पार्टनरशिप की है। इस प्रीमियम सर्विस की कीमत 35,000 है, जो यूजर्स को 18 महीने के लिए बिना किसी शुल्क के मिलेगी।

इस प्लान में स्टूडेंट्स को जेमिनी 2.5 Pro जैसे एडवांस्ड AI टूल्स, 2TB क्लाउड स्टोरेज से लेकर वीडियो बनाने के लिए Veo 3 का सब्सक्रिप्शन मिलेगा। यह ऑफर आज से शुरू हो गया है।

जेमिनी 2.5 Pro: ये गूगल का सबसे पावरफुल AI मॉडल है। ये निबंध लिखने, कोडिंग प्रॉब्लम सॉल्व करने, एग्जाम की तैयारी और यहां तक कि जॉब इंटरव्यू की प्रैक्टिस में मदद करता है।

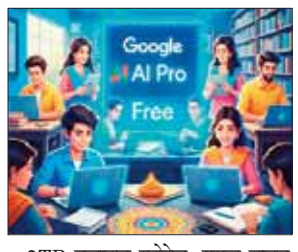

2TB क्लाउड स्टोरेज: गूगल ड्राइव, फोटोज और जीमेल में यह स्टोरेज इस्तेमाल होता है। यूजर्स इसकी मदद से असाइनमेंट्स, प्रोजेक्ट्स और पर्सनल फाइल्स को आसानी से स्टोर कर सकते हैं।

Veo 3 फास्ट: यह AI-पावर्ड टूल टेक्स्ट और इमेज से 8 सेकंड की फोटोरियलिस्टिक वीडियो बना सकता है। इसमें डायलॉग और साउंड इफेक्ट्स भी शामिल होंगे। यह क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स में काम आएगा।

13 दिन में कीमत 11,255 कम हुई, चांदी आज 150 बढ़कर 1,46,783 किलो बिक रही

मुंबई। सोना के दाम में आज यानी 30 नवंबर को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम सोने की कीमत 1,009 रुपए गिरकर 1,19,619 रुपए हो गई है। बुधवार को सोने के दाम 1,20,628 रुपए प्रति 10 ग्राम थे। वहीं, चांदी 150 रुपए बढ़कर 1,46,783 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। 29 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,46,633 प्रति किलोग्राम थी।

इससे पहले इसी महीने 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और चांदी ने 1,71,275 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था। ऑल टाइम हाई बनाने के बाद से अब तक 13 दिनों में ही सोना 11,255 रुपए और चांदी 24,492 रुपए सस्ती हो चुकी है।

IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

सोना-चांदी के दाम में गिरावट के 3 कारण

भारत में सीजनल खरीदी का खत्म होना: दिवाली जैसे फेस्टिवल के बाद इंडिया में सोने-चांदी की खरीदारी का सिलसिला थम गया। इससे सोना-चांदी की डिमांड में कमी आई है।

ग्लोबल टेंशन में कमी: सोना-चांदी को 'सेफ-हेवन' माना जाता है, यानी मुश्किल वक्त में लोग इन्हें खरीदते हैं। ग्लोबल टेंशन के कम होने से इसमें गिरावट आई है।

प्रॉफिट-टेकिंग और ओवरबॉट सिग्नल: रैली के बाद निवेशक प्रॉफिट बुक कर रहे हैं। टेक्निकल इंडिकेटर्स जैसे रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (RSI) दिखा रहे थे कि कीमतें ओवरबॉट (कीमतें ज्यादा बढ़ जाना) जोन में पहुंच चुकी थीं। इसलिए ट्रेंड फॉलोअर्स और डीलर्स ने बिकवाली शुरू कर दी है।

इस साल अब तक सोने की कीमत 43,457 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,19,253 रुपए हो गया है।

नस्लभेद का शिकार हुए दिलजीत दोसांझ

सिंगर बोले- ऑस्ट्रेलिया पहुंचा, तो लोगों ने कहा- नया ड्राइवर आ गया, किसी ने कहा सफाई वाला

दिलजीत दोसांझ को ऑस्ट्रेलिया टूर के दौरान नस्लभेद का सामना करना पड़ा। उनके ऑस्ट्रेलिया पहुंचने की खबर सुनकर लोगों ने कहा कि नया ऊबर ड्राइवर आ गया है। कुछ लोग ने इसके अलावा भी कई आपत्तिजनक कमेंट्स किए। अब दिलजीत ने इसका खुलासा करते हुए कहा है कि उन्हें इन सब बातों से अब गुस्सा नहीं आता है। दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल से ऑस्ट्रेलिया टूर का बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा, 'जब हमने यहां लैंड किया फ्लाइट से, तो डेली मेल वाले आए। उन्होंने एक न्यूज डाली थी कि दिलजीत दोसांझ करके भारत (पंजाब) से लैंट किया है। मुझे किसी ने वो पोस्ट भेजी, मैंने जाकर चैक की। मुझे पहले पता नहीं था कि उन्होंने वो अपलोड की है। उसके नीचे बहुत सारे कमेंट्स थे, जैसे कि, "नया ऊबर ड्राइवर आ गया," "7-11 पर नया काम करने वाला आ गया" मतलब ऐसे-ऐसे रेसिज्म वाले कमेंट्स बहुत थे।' आगे दिलजीत ने कहा है, 'मैंने देखा लोग वहां लड़ भी रहे थे, क्योंकि उन्होंने अपनी पहचान के लिए यहां बहुत संघर्ष किया है। मुझे ऐसा लगता है कि यह दुनिया, यह जो धरती है, इस पर कोई सीमाएं नहीं होनी चाहिए। कोई भी कहीं भी जा सकता है। लेकिन लोगों ने जैसे अपनी-अपनी सीमाएं बना रखी हैं, कि "यह हमारा है," "हमारा देश," "हमारा देश," "यह हमारा देश है", "यह हमारा इलाका है, तुम यहां मत आओ, हम वहां नहीं जाएंगे।" मेरे लिए तो धरती एक ही है। और जिन्होंने यहां आकर मेहनत की है, मुझे उन पर बिल्कुल गुस्सा नहीं आता।' 'जिन लोगों ने कमेंट्स किए कि "ऊबर वाले आ गए," या "सफाई करने वाले आ गए", अरे भाई, अगर वक्त पर ऊबर मिल जाए, तो वही तो सबसे बड़ी राहत होती है। कभी-कभी अगर ऊबर न मिले, तो "मुश्किलें भी लग जाती हैं" और कोई कहता है, "नया ट्रक ड्राइवर आ गया, चाबी वाला।" अरे, अगर ट्रक चलाने वाले न हों, तो वापस जाकर ब्रेड भी घर तक नहीं पहुंचेगी।'वीडियो के आखिर में दिलजीत ने कहा, 'इसलिए मुझे गुस्सा नहीं है, पर मैं यही कहता हूं, "यार, लोग अभी भी कहां खड़े हैं?" चलो, भगवान खुद ही सब ठीक करेंगे। क्योंकि जब "इक ओंकार" है, तो वही सब करवाते हैं, इंसान के हाथ में कुछ नहीं होता। सो महाराज ही सब सही करेंगे।

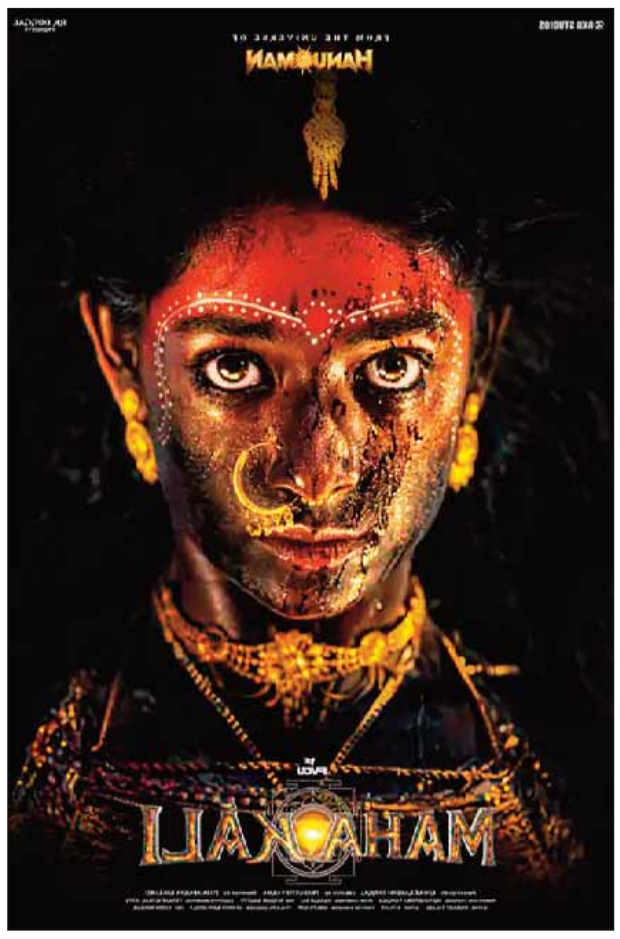

फिल्म 'महाकाली' से भूमि शेट्टी का पहला लुक आया सामने

लाल-सुनहरे परिधान और पारंपरिक गहनों में उग्र अवतार में नजर आईं एक्ट्रेस

'हनुमान' जैसी सुपरहिट फिल्म के जरिए भारतीय सुपरहीरो जॉनर को नया आयाम देने वाले डायरेक्टर प्रशांत वर्मा और आरकेडी स्टूडियोज अब अपनी अगली फिल्म 'महाकाली' लेकर आ रहे हैं। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म की नायिका भूमि शेट्टी का पहला लुक जारी किया है, जिसने दर्शकों को हैरान कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म की 50% से ज्यादा शूटिंग पूरी हो चुकी है और इन दिनों हैदराबाद में बने सेट पर शूट जारी है। खास बात यह है कि निर्माताओं ने बड़ी स्टार कास्ट की जगह नई एक्ट्रेस भूमि शेट्टी पर भरोसा जताया है और इस प्रोजेक्ट में भारी निवेश किया है। सूत्रों के मुताबिक, कई नामी अभिनेत्रियां इस रोल को निभाना चाहती थीं, लेकिन मेकर्स ने 'महाकाली' के नाम के अनुरूप ऐसी एक्ट्रेस को चुना, जो भारतीयता और शक्ति दोनों का प्रतीक हों। भूमि शेट्टी का पारंपरिक गहनों और लाल-सुनहरे परिधान में उग्र लुक दर्शकों को आकर्षित कर रहा है। भूमि शेट्टी को लेकर डायरेक्टर प्रशांत वर्मा ने कहा, "हनुमान के बाद मैं दिव्य स्त्री शक्ति को पर्दे पर उतारना चाहता था। भूमि ने इस किरदार के लिए काफी ट्रेनिंग ली और अपनी आंखों की तीव्रता से 'महाकाली' की आत्मा को जीवंत कर दिया।"

बैटल ऑफ गलवान में हुई अमिताभ बच्चन की एंट्री!

सलमान खान की फिल्म के सेट से सामने आई तस्वीर, गोविंदा ने भी शुरू की है शूटिंग

सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म में अमिताभ बच्चन के होने की खबरें हैं। दरअसल, हाल ही में एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें अमिताभ बच्चन फिल्म के डायरेक्टर अपूर्वा लखिया के साथ फिल्म बैटल ऑफ गलवान के सेट पर नजर आए हैं। डायरेक्टर अपूर्व लखिया ने हाल ही में अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से अमिताभ बच्चन के साथ एक तस्वीर शेयर कर लिखा है, सोचिए वो मुझे क्या कह रहे हैं। हैशटैग लीजेंट ऑन द सेट टुडे। अमिताभ बच्चन। तस्वीर सामने आने के बाद से ही कयास लगाए जाने लगे कि अमिताभ बच्चन की फिल्म में एंट्री हो चुकी है। हालांकि इस बात पर अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अगर ऐसा होता है, तो ये अमिताभ बच्चन और सलमान की साथ में चौथी फिल्म होगी। दोनों ने फिल्मों बाबूल, बागबान, गॉड तुस्सी ग्रेट हो जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। इसके अलावा फिल्म हैलो ब्रदर में भी अमिताभ बच्चन वॉइस नरेटर थे। हाल ही में गोविंदा ने भी फिल्म बैटल ऑफ गलवान फिल्म की शूटिंग शुरू की है। इस फिल्म के जरिए गोविंदा और सलमान की जोड़ी 18 साल बाद बड़े पर्दे पर लौट रही है। इससे पहले दोनों साल 2007 की फिल्मों पार्टनर और सलाम-ए-इश्क में साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा सलमान ने गोविंदा की फिल्म दिवाने मस्ताने में भी स्पेशल अपीयरेंस दी थी। अपूर्वा लखिया के निर्देशन में बन रही फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। फिल्म का दूसरा शेड्यूल 10 अक्टूबर मुंबई में शुरू हुआ है। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा चित्रांगदा सिंह, अंकुर भाटिया, अभिलाश चौधरी, विपिन भारद्वाज, सिद्धार्थ मूली और जेन शो भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म अगले साल बड़े पर्दे पर रिलीज हो सकती है। ये फिल्म लद्दाख के LAC के पास स्थित गलवान घाटी में भारत-चीन के बीच बिना हथियारों के हुई झड़प की कहानी है। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद यह इलाका संवेदनशील बना रहा। 2020 की शुरुआत में दोनों देशों के सैनिक LAC के कई हिस्सों में आमने-सामने आने लगे थे।

फैन ने शाहरुख से मन्नत में मांगा कमरा:SRK बोले - मेरे पास भी रूम नहीं है, आजकल भाड़े पर रह रहा हूं

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर #AskSRK सेशन में फैंस के सवालों के जवाब दिए। एक फैन ने उनसे पूछा - "सर, 'किंग' का अपडेट आप देंगे या हम ज्योतिषी बुला लें?" इस पर शाहरुख ने जवाब दिया — "नहीं नहीं ज्योतिषी से तो सिद्धार्थ आनंद मेरी डेट्स मांगता रहता है!!!" बता दें कि शाहरुख खान की अगली फिल्म 'किंग' का डायरेक्शन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। इस फिल्म में पहली बार शाहरुख अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है, जो 2026 में रिलीज होने की संभावना है। फैंस ने उनसे फिल्म को लेकर कई सवाल पूछे, लेकिन SRK ने हमेशा की तरह हर बात को मजाकिया अंदाज में टाल दिया। जब एक फैन ने लिखा - "सर, किंग का टीजर डीएम करो!" तो शाहरुख ने जवाब दिया - "अभी टाइटल तो अनाउंस किया नहीं... तुम टीजर पर कैसे पहुंच गए!" एक अन्य फैन ने पूछा - "सर, किंग में सुहाना के साथ काम करने के लिए एक शब्द क्या होगा?" इस पर शाहरुख ने जवाब दिया - "अपना-अपना सा लगता है..." जब एक यूजर ने कहा कि वह एक्टर के बर्थडे के लिए मुंबई आ गए हैं, लेकिन उन्हें यहां कमरा नहीं मिल रहा, तो उन्होंने मजाक में पूछा - "क्या मन्नत में एक कमरा मिल सकता है?"जिस पर SRK ने मजेदार जवाब दिया - "मन्नत में तो मेरे पास भी रूम नहीं है आजकल भाड़े पर रह रहा हूं!!!"

एक नजर

मुस्तफाबाद सरैया में बंदरों का आतंक

कादीपुर - सुलतानपुर। क्षेत्र के मुस्तफाबाद सरैया बाजार में पिछले दो महीने से बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बाजारवासी भय और असहायता के बीच दिन गुजारने को मजबूर हैं। बंदरों के झुंड घरों की छतों, सड़कों और गलियों में घूमते रहते हैं तथा लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। बाजार के निवासियों का कहना है कि बंदर आए दिन छतों पर लगे डिश एंटीना के तार, पानी की टंकी, टोटी और प्लास्टिक पाइपों को क्षतिग्रस्त कर रहे हैं, जिससे लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय व्यवसायी अनिल कुमार अग्रहरि और विजय कुमार ने बताया कि पिछले पखवाड़े में करीब एक दर्जन लोग बंदरों के हमले का शिकार हो चुके हैं। घायलों में शिव कुमारी, शनी, मुन्नी देवी, अक्षत, सरोजा सहित कई लोग शामिल हैं। वहीं, सत्तर वर्षीय बुजुर्ग बब्बन प्रसाद को बंदरों ने दो बार काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बाजार में लगातार बढ़ते बंदर आतंक से लोगों में दहशत का माहौल है। बाजारवासियों ने प्रशासन से शीघ्र प्रभावी कार्रवाई कर उन्हें बंदरों के उत्पात से निजात दिलाने की मांग की है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजनांतर्गत जन सेवा केंद्र का विधायक ने किया लोकार्पण

मोतिगरपुर-सुलतानपुर। शेषपुर गांव में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजनांतर्गत जन सेवा केंद्र का विधायक ने लोकार्पण किया। गुरुवार को सदर विधायक राजप्रसाद उपाध्याय, प्रमुख चंद्रप्रताप सिंह व बीडीओ एसएन चौबे की मौजूदगी में शेषपुर गांव में नव निर्मित जन सेवा केंद्र का लोकार्पण विधायक ने शिलापट से पर्दा हटाते हुए फीता काटकर किया। विधायक ने कहा की गांव के लोगों को ब्लाक व तहसील का चक्कर न लगाना पड़े इसलिए सरकार गांव में ही जन सेवा केंद्र खोलने का काम कर रही है। वहीं प्रमुख ने कहा की डिजिटल सेवा कामन सर्विस सेंटर गांव में खोलकर सरकार हम ग्रामीणों के लिए आनलाइन से जुड़े सभी कार्य को करने में आसान बना रही है। बीडीओ ने कहा की जाब कार्ड बनवाना, श्रमिक पंजीकरण, जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, आधार कार्ड, पेंशन योजना आदि कार्य एक ही जगह अब होने लगेंगे। इस मौके पर प्रधान शेषपुर हरखाली, प्रेमसागर कल्लू वर्मा, पिंटू सिंह, सोनू, बीडीसी राजकुमार यादव, धर्मेंद्र सिंह, सचिव सचिन सहित आदि मौजूद रहे।

चांदा में स्वास्थ्य विभाग ने किया अवैध क्लीनिक सीज

चांदा-सुलतानपुर। कस्बे में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गुरुवार को अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। डिप्टी सीएमओ डॉ. पी.डी. त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम ने आयुषी पाली क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया, जहां तीन महिला मरीज भर्ती मिलीं। हैरानी की बात यह रही कि क्लीनिक पर उस समय कोई जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद नहीं था। निरीक्षण के दौरान टीम ने क्लीनिक के केयरटेकर से पूछताछ की, लेकिन संतोषजनक उत्तर न मिलने पर सभी मरीजों को एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर कमैंचा भेजा गया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्लीनिक को बंद कर ताला लगाते हुए सीज कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान वरिष्ठ सहायक विजय कुमार राय, सीएचसी अधीक्षक डॉ. आर.सी. यादव, बीपीसीएम दिनेश सिंह, एसआई तीर्थराज सिंह सहित पुलिस बल मौजूद रहा। जांच टीम के पहुंचते ही कस्बे में हड़कंप मच गया और कई अवैध क्लीनिक एवं लैब संचालक ताले लगाकर फरार हो गए। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से पूरे कस्बे में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। अधिकारियों ने बताया कि अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों के खिलाफ आगे भी सघन अभियान जारी रहेगा। फिलहाल, आयुषी पाली क्लीनिक को सीज कर दिया गया है और सभी मरीजों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया है।

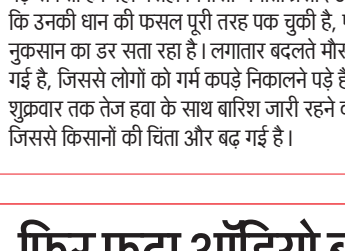

रिमझिम बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता, ठंड ने भी बढ़ाई मुश्किलें

दोस्तपुर-सुलतानपुर। क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही रिमझिम और कभी-कभी तेज बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। गुरुवार की सुबह से शुरू हुई बौछारों ने जहां किसानों की चिंता बढ़ा दी, वहीं ठंड में भी इजाफा हो गया है। धान की कटाई और आलू की बुआई कर चुके किसान अब फसल के नुकसान की आशंका से बेचैन हैं। लगातार बरसात से खेतों में अधिक नमी और जलभराव की स्थिति बन गई है। किसानों का कहना है कि अगर बारिश ऐसे ही जारी रही तो धान की तैयार फसल गिर सकती है और आलू की बीज सड़ने का खतरा बढ़ जाएगा। स्थानीय किसान आनंद प्रकाश, अनिल कुमार और विशाल ने बताया कि आलू की बुआई हाल ही में की गई है, और इस समय भारी बारिश से बीज सड़ने की आशंका बढ़ गई है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं बसहां निवासी भगौती प्रसाद उपाध्याय और संतोष ने बताया कि उनकी धान की फसल पूरी तरह पक चुकी है, ऐसे में लगातार बारिश से नुकसान का डर सता रहा है। लगातार बदलते मौसम से ठंड में भी बढ़ोतरी हो गई है, जिससे लोगों को गर्म कपड़े निकालने पड़े हैं। उधर, मौसम विभाग ने शुक्रवार तक तेज हवा के साथ बारिश जारी रहने की चेतावनी जारी की है, जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है।

बगियागांव-बिरसिंहपुर मार्ग पर मिट्टी बनी मुसीबत, बारिश में धंस रहे वाहन

विश्ववार्ता संवाददाता

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। बगियागांव-बिरसिंहपुर मार्ग बनने के बाद भी लोक निर्माण विभाग की लापरवाही से राहगीरों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। डाक बंगले के पास जल निकासी के लिए पाइप डाली गई है। उसके ऊपर विभाग ने मिट्टी डाल रखा है। दो दिन से हो रही रिमझिम बारिश से मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो गई है। जिससे साइकिल, बाइक और चारपहिया वाहन फंसने लगे हैं। मजबूरन राहगीरों को कीचड़ में उतर कर सफर करना पड़ रहा है।

करीब 20 करोड़ की लागत से बगियागांव-बिरसिंहपुर मार्ग का उच्चीकरण और चौड़ीकरण किया गया है। बगियागांव चौराहे पर जल निकासी के लिए नाली का निर्माण कार्य प्रगति पर है। डाक बंगले के पास जल निकासी के लिए सड़क के बीच से पाइप डाली गई है। कार्यदायी संस्था ने एक सप्ताह पूर्व पाइप को मिट्टी से ढक दिया। बारिश होने से वही मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो गया। जिससे इस मार्ग पर सफर करना अब मुश्किल हो रहा है। गुरुवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे यात्रियों को ले जा टेंपो वाहन मिट्टी के दलदल में फंस गया। जिससे यात्रियों को कीचड़ में नीचे उतरना पड़ा। अरुण यादव, विनोद मोदनवाल, रमेश अग्रहरि, केदारनाथ, महेश साहू, विकास सोनी और अरविंद गुप्ता ने विभागीय अधिकारियों से तत्काल सुधार कार्य की मांग की है। लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता श्रवण कुमार ने बताया कि उन्हें समस्या की जानकारी मिल गई है। बारिश के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। मौके पर कर्मियों को भेजा जा रहा है और ईंट भट्ठे की मोटी राख डलवाकर रास्ते को सुचारु करने का प्रयास किया जा रहा है।

रबी फसलों हेतु उर्वरक आपूर्ति पर हुई बैठक, एडीएम ने दिए सख्त निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। आगामी रबी 2025 सीजन में गेंहूँ एवं दलहनी/तिलहनी फसलों की बुवाई को ध्यान में रखते हुए किसानों को गुणवत्तायुक्त फास्फेटिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने और काला बाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) राकेश सिंह ने की।

बैठक में जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जनपद में वर्तमान में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण है। जनपद की 113 सहकारी समितियों एवं 436 निजी विक्रेताओं के पास कुल यूरिया 9698 मीट्रिक टन, डीएपी 3376 मीट्रिक टन, एनपीके 5348 मीट्रिक टन, एमओपी 243 मीट्रिक टन तथा एसएसपी 4728 मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है, जो गत वर्ष की तुलना में अधिक है।

थोक विक्रेताओं को वॉल पेंटिंग, सही मूल्य व वितरण के निर्देश

अपर जिलाधिकारी ने उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि उर्वरकों की आपूर्ति अधिकृत थोक विक्रेताओं में समान रूप से की जाए और रासायनिक उर्वरकों के साथ टैगिंग न की जाए। किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक मिलना सुनिश्चित किया जाए। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार सभी खुदरा प्रतिष्ठानों पर वॉल पेंटिंग के माध्यम से उर्वरक की दरें प्रदर्शित करना अनिवार्य है, जिसमें उर्वरक का कुल मूल्य, सरकार द्वारा देय अनुदान एवं कृषक अंश स्पष्ट रूप से अंकित हो। जिन दुकानों पर वॉल पेंटिंग संभव न हो, वहाँ फ्लैक्स बैनर लगाया जाए। एडीएम ने चेतावनी दी कि जिन स्थानों पर वॉल पेंटिंग न होगी, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि रैक या सड़क मार्ग से आने वाले उर्वरकों की सूचना 48 घंटे पूर्व देना अनिवार्य है। किसी भी थोक विक्रेता को जिला कृषि अधिकारी से आवंटन प्राप्त किए बिना उर्वरक की बिक्री नहीं करनी चाहिए, अन्यथा लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा। थोक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि उर्वरक का वितरण एग्री जंक्शन को प्राथमिकता से करें, गोदामों में स्टॉक लॉटवार व्यवस्थित रखें और प्रतिदिन स्टॉक बोर्ड पर अंकन कराएं। गोदाम का स्टॉक पॉस मशीन से भिन्न पाए जाने पर लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। बैठक में जिला कृषि अधिकारी, सहायक आयुक्त सहकारिता, सहायक निबंधक सहकारिता, जिला प्रबंधक पीसीएफ, अपर जिला कृषि अधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी इफको एवं कृभको, तथा उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित कुल 30 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

वित्त अधिनियम-2025 के तहत टीडीएस/टीसीएस संशोधनों पर विस्तृत चर्चा

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। संशोधन/नए सम्मिलित टीडीएस/टीसीएस प्रावधान और विभिन्न टैन के विरुद्ध लंबित बकाया माँगों विषय पर एक आउटरीच कार्यक्रम/सेमिनार का आयोजन कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी विभागों के लेखा अधिकारियों एवं डीडीओ को नवीनतम आयकर प्रावधानों, वित्त अधिनियम-2025 के संशोधनों तथा लंबित कर संबंधी मांगों के समाधान के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में आयकर विभाग की ओर से आयकर अधिकारी (टीडीएस) संतोष कुमार पाण्डेय ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और टीडीएस/टीसीएस से जुड़ी नवीन प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर आयकर अधिकारी आर.के. गौतम, आयकर निरीक्षक अमरजीत वर्मा, विकास वर्मा, एसडीएम श्रीमती प्रीती जैन तथा मुख्य कोषाधिकारी दीपक कुमार तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें आईटीओ टीडीएस सुलतानपुर के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विभिन्न सरकारी विभागों के डीडीओ, लेखा अधिकारी एवं संबंधित स्टाफ शामिल रहे। सेमिनार में वित्त अधिनियम-2025 के अंतर्गत नए सम्मिलित टीडीएस/ टीसीएस प्रावधानों एवं उनके संशोधनों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिससे प्रतिभागियों को नवीन कर नियमों की गहराई से जानकारी प्राप्त हो सके।

इसी क्रम में प्रतिभागियों के विभिन्न टीएएन पर लंबित बड़ी मांगों, कई बार दाखिल किए गए सुधार विवरणों, तथा गैर-अनुपालन से संबंधित मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। आयकर विभाग की टीम ने इन बिंदुओं के संभावित प्रभावों और समाधान की प्रक्रिया पर स्पष्ट जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी डीडीओ और लेखा अधिकारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा मांगों की दोहराव, गलत टीएएन के विरुद्ध मांग प्रस्तुत करने, और डेटा मिलान में आ रही तकनीकी समस्याओं जैसे विषयों पर प्रश्न रखे, जिनका समाधान विभागीय टीम द्वारा मौके पर ही किया गया।

आयकर अधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि ऐसे सेमिनारों का उद्देश्य सरकारी अधिकारियों को समय-समय पर बदल रहे कर कानूनों की जानकारी देना और अनुपालन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से अपने रिटर्न एवं सुधार विवरण सही टीएएन के अंतर्गत दाखिल करें, जिससे विभागीय कार्यवाही में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

निष्पक्ष और त्वरित न्याय समय की मांग : जिला जज

सुलतानपुर। जिला जज सुनील कुमार ने कहा कि निष्पक्ष और त्वरित न्याय समय की मांग है। न्यायिक व्यस्था में इसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। जिला जज गुरुवार को वकीलों की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे थे। अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, हरीश्वर सिंह, सन्तोष पाण्डेय राम विशाल तिवारी एमपी शर्मा आदि वकीलों ने दीवानी के अधिवक्ता सभागार में माल्यार्पण कर जिला जज का स्वागत किया। कार्यक्रम में सीजेएम नवनीत सिंह, गैंगस्टर कोर्ट के जज राकेश पांडेय, एडीजे प्रथम संतोष कुमार, नागेंद्र सिंह, एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन राजेंद्र प्रसाद दुबे, रामधनी पांडे, करुणाशंकर दूबे, अब्बास अहमद खान, दिनेश दुबे, संतोष मिश्र समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में युवक की पिटाई, पिता ने थाने में दी तहरीर

दोस्तपुर-सुलतानपुर। क्षेत्र के ग्राम धरमपुर में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की पिटाई का मामला सामने आया है। पीड़ित के पिता राजेन्द्र तिवारी पुत्र स्व. शिवलाल तिवारी निवासी धरमपुर ने थाना दोस्तपुर में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, घटना 23 अक्टूबर 2025 की रात करीब 8:30 बजे की है, जब प्रार्थी का पुत्र अभिकर्ष तिवारी उर्फ अतुल अपने चाचा अखिलेश तिवारी के घर के बरामदे में लेटा हुआ था। तभी उसी गांव के पट्टीदार बालेन्द्र तिवारी उर्फ गोलू पुत्र संजय तिवारी पुरानी रंजिश को लेकर वहां पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों व लाठी-डंडों से अभिकर्ष की पिटाई करने लगा। शोर सुनकर अखिलेश तिवारी की पत्नी कीर्ति तिवारी मौके पर पहुंचीं और बीच-बचाव कर किसी तरह युवक की जान बचाई। हमले में अभिकर्ष तिवारी को गंभीर चोटें आईं।

प्रतिभा अलंकरण समारोह में मेधावियों का हुआ सम्मान

विश्ववार्ता संवाददाता

चांदा-सुलतानपुर। नेताजी सुभाष सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में प्रधानाचार्य जटाशंकर मिश्र के नेतृत्व में संकुल एवं प्रांत स्तरीय खेलकूद और प्रश्न मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक देवराज मिश्र तथा मुख्य अतिथि सुश्री वंशिका शर्मा (सहायक प्रबंधक, पूर्वी उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक) की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

वैदिक गणित प्रश्न मंच प्रतियोगिता (बाल वर्ग) में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अतुल सिंह, अनमोल सिंह और सतीश निषाद, वहीं विज्ञान प्रश्न मंच (किशोर वर्ग) में तृतीय स्थान पाने वाले वैश्विक प्रताप सिंह और श्रेयशी साहू को भी सम्मानित किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में भी छात्रों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

100 मीटर व 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली आंचल पाल, लंबी कूद में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली लवली यादव, 400 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बहन, तथा गोला फेंक प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पाने वाले अंशुमान शुक्ला को मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि सुश्री वंशिका शर्मा एवं प्रबंधक देवराज मिश्र ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए और मेहनत से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहिए।

हेलो चैंप्स विद्यार्थियों ने गौ अष्टमी पर की गौ सेवा, प्रतिभा का दिखाया जलवा

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। गौ अष्टमी के पावन अवसर पर हेलो चैंप्स स्कूल के विद्यार्थियों ने सामाजिक सरोकार का उदाहरण प्रस्तुत किया। गुरुवार को विद्यार्थियों को बृजरानी देवी वृद्ध गौ सेवा संस्थान के भ्रमण का अवसर मिला, जहां उन्होंने गौ सेवा की और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर संस्था के प्रबंधक सचिव अंकित अग्रहरि, उप प्रबंधक धनंजय मुखर्जी, कोषाध्यक्ष सच्चिदानंद कसौधन, कार्यकारिणी सदस्य विशाल अग्रहरी, सुव्रत विश्वास, राकेश, धर्मेंद्र सिंह, अभिषेक अग्रहरी और मनोज कसौधन मौजूद रहे।कार्यक्रम में हेलो चैंप्स स्कूल के प्रबंधक संदीप सिंह एवं अध्यक्ष नरसिंह नाथ सिंह ने गौ सेवा कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान चित्रकला प्रतियोगिता, क्राफ्ट प्रतियोगिता और निबंध लेखन प्रतियोगिता जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को संस्थान की ओर से सम्मानित किया गया,जबकि सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या साक्षी श्रीवास्तव, उप प्रधानाचार्या देवांशी रचिता, तथा शिक्षकगण सोनाली शर्मा, अंकुर मिश्रा, नेहा गुप्ता और प्रवीण श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

गौ अष्टमी पर आयोजित यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए न केवल धार्मिक, बल्कि संवेदनशीलता और सेवा भाव का प्रेरक अनुभव साबित हुआ। उपस्थित सभी लोगों ने इसकी सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में संस्कार, करुणा और सृजनात्मकता को बढ़ावा देते हैं।

ध्रुव चरित्र व श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के प्रसंग से भक्ति में डूबा कथा पंडाल

मोतिगरपुर-सुलतानपुर। ग्राम पंचायत पहाड़पुर सराय भीषम में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन धर्म और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। बृंदावन धाम से पधारे आचार्य प्रहलाद कृष्ण महाराज ने गुरुवार को श्रद्धालुओं के समक्ष ध्रुव चरित्र तथा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का ऐसा दिव्य वर्णन किया कि लोग भक्ति रस में झूम उठे। आचार्य महाराज ने ध्रुव चरित्र का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि दृढ़ निश्चय और अटूट भक्ति के बल पर एक बालक भी ईश्वर को प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने बताया कि ध्रुव की साधना बताती है कि जब मनुष्य का विश्वास ईश्वर में स्थिर हो जाता है तो संसार का कोई भी कष्ट उसे विचलित नहीं कर सकता। श्रोतागण बालक ध्रुव के तप और भगवान विष्णु की कृपा का वर्णन सुनकर भावविभोर हो उठे। इसके बाद श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर कथा स्थल उत्साह और आनंद से भर गया। जैसे ही आचार्य ने श्रीकृष्ण के अवतरण का प्रसंग सुनाया, वैसे ही घंटे-घड़ियाल और शंखध्वनि से वातावरण गूंज उठा। महिला भक्तों ने नृत्य कर बधाई गीत गाए। पुरुष श्रद्धालुओं ने प्रसन्नता से जयकारे लगाए। देर रात तक भजन-कीर्तन और झांकी दर्शन से कथा स्थल श्रीकृष्ण प्रेम में रंग गया। समापन पर मुख्य आसमान राम ललन सिंह और उनकी पत्नी इंद्रावती सिंह ने व्यास पीठ की आरती उतारी। चौथे दिन की कथा में सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह 'राणा' पूर्व जिपं अध्यक्ष ओपी चौधरी, विक्रमजीत पांडेय, अमित पांडेय, सतीश अग्रहरि, शिवम पाठक, अंकित अग्रहरि, राम उजागिर सिंह, राम सम्हार सिंह, गया प्रसाद सिंह एवं बृजेश सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फिर फूटा ऑडियो बम, अश्लील ऑडियो वायरल

- पूर्व चिकित्साधीक्षक का महिला स्वास्थ्य कर्मी से अश्लील बातचीत का ऑडियो
- महिला कर्मी पर दोस्ती का बना रहे थे दबाव
- तैनाती के दौरान का बताया जा रहा ऑडियो

विश्ववार्ता संवाददाता

लंभुआ-सुलतानपुर। लंभुआ में एक और ऑडियो बम फूट गया है। सरकारी महकमों में इससे हड़कंप मचा हुआ है। अभी लंभुआ कोतवाली के एक सिपाही व ग्रामीण के बीच हुई बातचीत के ऑडियो का मामला थमा नहीं था कि निवर्तमान चिकित्सा अधीक्षक का भी एक अश्लील ऑडियो वायरल हो गया है। हालांकि, यह ऑडियो अधीक्षक के अस्पताल में तैनाती के दौरान का बताया गया है।

दरअसल, लंभुआ सीएचसी में तैनात चिकित्साधीक्षक डॉ अनिल कुमार का महिला स्वास्थ्यकर्मी से बातचीत का एक ऑडियो प्रसारित हुआ है। ऑडियो की सत्यता की पुष्टि' नहीं करता है। सोशल साइट्स पर प्रसारित इस ऑडियो में वे एक महिला से बात करके उसके साथ दोस्ती का प्रस्ताव रख रहे हैं। महिला ने अधीक्षक का प्रस्ताव खारिज करते हुए एक अन्य महिला स्वास्थ्यकर्मी की तरह बदनाम होने की आशंका भी जताई है। इस पर अधीक्षक उसे पूरी तरह आश्वस्त होने का आश्वासन दे रहे हैं। बात नहीं बनी तो अधीक्षक ने किसी दूसरी लड़की से दोस्ती कराने के लिए कहा। इस पर भी महिला ने कहा कि वह किसी ऐसी लड़की को नहीं जानती है और न ही उसकी कोई दोस्त यहां है।

इस बाबत निवर्तमान अधीक्षक डॉ अनिल कुमार से फोन पर सम्पर्क करने का प्रयास किया गया। पर, उनका फोन उठा नहीं। नवागत चिकित्सा अधीक्षक डॉ राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने ऐसे किसी ऑडियो की जानकारी होने से ही इंकार किया है।

15 दिन बाद हुआ तबादला आदेश का पालन

बीते 14 अक्टूबर को स्थानीय सीएचसी में एक महिला की लापरवाही से हुई मौत के मामले में तत्कालीन चिकित्साधीक्षक डॉ अनिल कुमार को हटाया गया था। उनकी जगह कादीपुर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ राघवेन्द्र प्रताप सिंह को भेजा गया था। इसके बावजूद अधीक्षक व उनके करीबी तबादला रोकवाने का प्रयास करते दिखे। तबादला रोकवाने का प्रयास सफल नहीं हुआ तो बुधवार को चिकित्सा अधीक्षक डॉ राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

पहल वृद्धों की सामाजिक और मानसिक समस्याओं को समझा, दिए सकारात्मक जीवन के संदेश

कमला नेहरू संस्थान के विद्यार्थियों ने वृद्धाश्रम में फैलाया स्नेह का उजाला

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुलतानपुर के मनोविज्ञान विभाग और समाजशास्त्र विभाग द्वारा विस्तार कार्यक्रम के तहत एक प्रेरक पहल की गई। दोनों विभागों ने मिलकर पयागीपुर स्थित आनंद भवन वृद्धा आश्रम में पहुंचकर वहां रह रहे वृद्धजनों की सामाजिक और मानसिक समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.नीतू सिंह विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र ने की। उन्होंने वृद्धों की सामाजिक समस्याओं जैसे सामाजिक संबंधों की कमी, एकांत की इच्छा, शारीरिक क्रियाशीलता में कमी, व्यवहार में परिवर्तन और तर्कशक्ति में गिरावट जैसे मुद्दों पर चर्चा की और उन्हें जागरूक किया।

डॉ. अतुल कुमार मिश्रा विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान ने बताया कि सकारात्मक सोच, तनाव से दूरी, सेवानिवृत्ति के बाद सक्रिय रहना, सृजनात्मक कार्यों में समय देना, योग और स्वास्थ्य जागरूकता वृद्धावस्था में मानसिक संतुलन बनाए रखने के सर्वोत्तम उपाय हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर सुप्रिया सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वृद्धाश्रम आधुनिक युग की एक वास्तविकता बन गए हैं। उन्होंने बताया कि पारिवारिक उपेक्षा, रोजगार के लिए प्रवासन, पीढ़ीगत अंतर और तकनीकी युग में सामंजस्य की कमी जैसी परिस्थितियां वृद्धजनों को वृद्धाश्रम का सहारा लेने पर विवश करती हैं।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य धर्मेंद्र सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और छात्रों को वृद्धजनों की सेवा के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने वृद्धों को फल और मिठाई वितरित की।

भावनात्मक क्षण तब आया जब छात्रा मैसर जहां ने मां-बाप को समर्पित गीत मां-बाप की ऊपर दिलो जान लुटाओ, कुरान और गीता का फरमान है तुम इसे निभाओ गाकर सबको भावुक कर दिया।

वहीं छात्रा शालिनी मिश्रा ने वृद्ध महिलाओं को साड़ी भेंट की।

इस कार्यक्रम में सौ से अधिक विद्यार्थी शामिल रहे जिनमें सोनी, मोनी, स्नेहा पांडे, प्रतिष्ठा मिश्रा, सूर्य प्रकाश, दुर्गेश कुमार सिंह, अफसर, विशाल यादव, विकास, प्रियांशु सिंह, सुधांशु सिंह, अंशु, सुनैना आदि प्रमुख रहे।

कार्यक्रम की सफलता पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार सिंह, उप प्राचार्य डॉ. शक्ति सिंह, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. आलोक कुमार वर्मा, मुख्य अनुशासक डॉ. सुधांशु प्रताप सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. प्रवीण कुमार, उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. अतुल कुमार सिंह और कला संकाय अध्यक्ष रंजना सिंह ने आयोजकों को बधाई दी।

एक नजर

नवनीत राणा को गैंगरेप-हत्या की धमकी

मुम्बई। पूर्व सांसद और बीजेपी नेता नवनीत राणा को एक बार फिर जान से मारने व गैंगरेप की धमकी मिली है। यह धमकी स्पीड पोस्ट के जरिए उनके अमरावती स्थित दफ्तर में भेजी गई। पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी नाम लिया गया है और बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है और अमरावती क्राइम ब्रांच की टीम तुरंत राणा के घर पहुंची। जांच में सामने आया है कि यह धमकी भरा पत्र हैदराबाद से भेजा गया है। इसे जावेद नाम के व्यक्ति के नाम से दर्ज किया गया है। नवनीत राणा के पीए मंगेश कोकाटे ने राजापेठ पुलिस स्टेशन में शिकायत दी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज कर ली गई। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस पत्र के पीछे असली व्यक्ति कौन है और इसका उद्देश्य क्या था। पत्र में आरोपी ने न केवल नवनीत राणा को धमकाया, बल्कि उनके बच्चे के सामने रेप करने जैसी बातें लिखीं। पुलिस की टीमें अब हैदराबाद से भेजी गई डाक के सबूत खंगाल रही हैं। अमरावती और हैदराबाद पुलिस मिलकर इस केस पर काम कर रही हैं।

पुराने वाहनों की दिल्ली में बल्ले-बल्ले

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में चल रहे पुराने वाहनों के मालिकों को बड़ी राहत दी है। अब 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के लिए एनओसी लेने की समय सीमा हटा दी गई है। अब उम्र पूरी कर चुके वाहनों की कभी भी एनओसी ली जा सकती है और दूसरे राज्यों में ले जाया जा सकता है। पहले नियमों के तहत, वाहन की निर्धारित आयु पूरी होने के एक साल के भीतर ही एनओसी लेना अनिवार्य था। तय समय बीत जाने पर एनओसी जारी नहीं की जाती थी, जिससे वाहन मालिक अपने वाहन को दूसरे राज्यों में ट्रांसफर नहीं करा पाते थे। लेकिन अब सरकार ने इस नियम में संशोधन करते हुए राहत दी है। वाहन की उम्र पूरी होने के बाद भी कभी भी एनओसी ली जा सकेगी, ताकि वाहन को स्क्रैप करने के बजाय दूसरे राज्य में उपयोग के लिए भेजा जा सके। नयी व्यवस्था लागू होने के बाद अब वाहन मालिक आसानी से अपने पुराने वाहन को दूसरे राज्यों में बेच या रजिस्टर करा सकेंगे, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान से भी बचाव होगा।

चक्रवात मोन्था कमजोर, लेकिन नेपाल तक असर

नयी दिल्ली। चक्रवात मोन्था लगातार कमजोर हो रहा है। लेकिन इसका असर कई राज्यों में देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी बारिश जारी है। यूपी के लखनऊ-कानपुर समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। काशी में बारिश से जलभराव हो गया है। बुधवार को मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। वहीं, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में तेज हवा चली। इससे तापमान में कमी आई है। उज्जैन में तापमान 23 डिग्री पहुंच गया। राजस्थान के जयपुर, अलवर, करौली सहित कई जिलों में गुरुवार सुबह तेज बूंदाबांदी हुई। इससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। इधर, चक्रवात मोन्था ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उड़ीसा में काफी नुकसान किया है। आंध्र प्रदेश में तीन लोगों की मौत हो गई, 42 मवेशी मारे गए और करीब 1.5 लाख एकड़ में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। तेलंगाना के कई हिस्सों में तेज बारिश जारी है। सूर्यापेट में पेड़ गिरने से बाइक सवार की मौत हो गई। खम्मम जिले में एक ट्रक ड्राइवर के बह जाने की भी खबर है।

निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज से क्रेन गिरी, दो मौतें

पीथमपुर। धार जिले के पीथमपुर में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज पर पिलर चढ़ा रही क्रेन पलट गई और सर्विस रोड से गुजर रहे दो पिकअप वाहनों पर गिर गई। दोनों वाहन चकनाचूर हो गए। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 4 लोग घायल हैं। हादसा गुरुवार करीब 8:30 बजे सागौर इलाके में हुआ। दोपहर करीब 2:30 बजे परमार समाज के लोगों ने महू नीमच राजमार्ग पर चक्काजाम कर दिया। जिससे करीब 8 किमी तक वाहनों की कतार लगी रही। मृतक कल्याण के परिजन मुआवजे और नौकरी की मांग को लेकर सतनाला चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन कर रहे थे। एसडीएम राहुल गुप्ता और परिजन के बीच चर्चा के बाद करीब डेढ़ घंटे बाद शाम चार बजे धरना-प्रदर्शन खत्म हो गया। इस दौरान मृतक के परिजन को 12 लाख रुपए की सहायता राशि देने पर सहमति बनी है। इसके बाद परिजन शव लेकर रवाना हो गए।

राज्यपाल गहलोत अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को बुखार और पीठ दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजभवन के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अस्पताल में राज्यपाल से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। सूत्रों ने बताया कि गहलोत को सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राजभवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उन्हें शुक्रवार तक छुट्टी दे दी जाएगी। उनके अनुसार, गहलोत अपने गृह राज्य मध्य प्रदेश में थे, जहां उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया। शायद थकान के कारण उन्हें हल्के बुखार के साथ पीठ दर्द हुआ होगा।

आंध्र बस हादसा, तीसरी गाड़ी के निशान मिले

हैदराबाद। आंध्र पुलिस ने 19 यात्रियों की जान लेने वाले कुर्नूल बस हादसे में तीसरे वाहन के होने की आशंका जताई है। 24 अक्टूबर की सुबह बेंगलुरु जा रही स्लीपर बस एक बाइक पर चढ़ गई थी, जिससे आग लग गई और बस जलकर खाक हो गई। हादसे के वक्त बस में 44 यात्री सवार थे, जिनमें कई जान बचाकर निकल गए। पुलिस को घटनास्थल पर तीसरी गाड़ी के टायरों के निशान मिले हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि बाइक को बस से पहले किसी और गाड़ी ने टक्कर मारी थी।

सीएम फडणवीस से मिलेंगे पूर्व विधायक बच्चू कडू

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में किसानों की कर्जमाफी की मांग को लेकर बड़ा आंदोलन चला रहे पूर्व विधायक बच्चू कडू गुरुवार मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि किसानों के पक्ष में कोई अच्छा फैसला जरूर आएगा। हाल ही में हजारों प्रदर्शनकारियों ने नागपुर के पास नेशनल हाइवे-44 को रोक दिया था, जिसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें सड़क खाली करने का आदेश दिया।

चुनाव आयोग ने बंगाल में हेल्पलाइन शुरू की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के दौरान लोगों की शिकायतों को दूर करने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग ने एक नई हेल्पलाइन सेवा शुरू की है। अब राज्य के मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल करके अपने सवाल पूछ सकते हैं या शिकायत दर्ज करा सकते हैं। आयोग ने बताया कि नेशनल कॉन्टैक्ट सेंटर अब सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए केंद्रीय हेल्पलाइन के रूप में काम करेगा। यह रोजाना सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक चालू रहेगा। इसका टोल-फ्री नंबर 1800-11-1950 है।

दंपती को ठगों ने अरेस्ट कर उड़ाए 50 लाख

मुम्बई। मुंबई के एक रिटायर्ड बैंक अधिकारी और उनकी पत्नी साइबर ठगों के शिकार बन गए। ठगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर दंपती को तीन दिन तक वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट करके रखा। रिटायर्ड बैंकर को फोन कर ठगों ने मनी लॉनड्रिंग केस में नाम होने को लेकर डराया। फिर खुद को मुंबई पुलिस और साइबर क्राइम डिपार्टमेंट का अधिकारी बताते हुए वीडियो कॉल पर रखा। इस दौरान उनके बैंक खाते से करीब 50.5 लाख रुपए निकलवा लिए।

दिल्ली से पाक के लिए जासूसी कर रहा था

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 59 वर्षीय मोहम्मद आदिल हुसैन के तौर पर हुई है। आदिल का संपर्क एक विदेशी न्यूक्लियर साइंटिस्ट से था और वह पाकिस्तान समेत कई देशों की यात्रा कर चुका है। वह फर्जी पासपोर्ट और पहचान पत्र बनवाने वाले एक नेटवर्क से भी जुड़ा था, जो झारखंड के जमशेदपुर से ऑपरेट हो रहा था। पुलिस ने बताया कि आदिल को दो दिन पहले दिल्ली के सीमापुरी इलाके से पकड़ा गया।

सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोकआस्था का संगम है काशी की देव दीपावली

सीएम योगी ने की देव दीपावली तैयारियों की समीक्षा, 01 से 04 नवंबर तक आयोजित होगा गंगा महोत्सव

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में 05 नवम्बर को वाराणसी में आयोजित होने वाली देव दीपावली 2025 की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देव दीपावली काशी की सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोकआस्था का अद्वितीय संगम है। यह पर्व भारत की उस अनादि परंपरा का सजीव प्रतीक है, जहाँ दीप केवल ज्योति नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य और राष्ट्रभाव का प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी की देव दीपावली का आयोजन इस प्रकार किया जाए कि यह भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आध्यात्मिक चेतना का विश्व संदेश बने।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि देव दीपावली से पूर्व आयोजित गंगा महोत्सव (01 से 04 नवम्बर) और मुख्य आयोजन देव दीपावली (05 नवम्बर) की सभी तैयारियाँ समयबद्ध, व्यवस्थित और उच्च गुणवत्ता की हों। घाटों की प्रकाश सज्जा, दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जनसहभागिता की तैयारियाँ इस प्रकार हों कि श्रद्धा, अनुशासन और सौंदर्य का संतुलन प्रदर्शित हो। उन्होंने कहा कि गंगा तट पर दीपदान का दृश्य श्रद्धा और अनुशासन की मिसाल बने। इसके लिए घाटों पर भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या अवरोध न हो।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन, नगर निगम, पुलिस, जल पुलिस, संस्कृति, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी, विद्युत व स्वास्थ्य विभागों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि वे अपनी जिम्मेदारी के अनुरूप आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि देव दीपावली के अवसर पर

घाटों पर स्मार्ट लाइटिंग, आकर्षक फ्लोरल डेकोरेशन, थीम-आधारित इंस्टालेशन तथा ड्रोन और सीसीटीवी मॉनिटरिंग की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि घाटों, गलियों और प्रमुख मार्गों की सफाई और सजावट पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा प्रत्येक घाट पर पर्याप्त सफाई कर्मी तैनात रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कंट्रोल रूम 24×7 सक्रिय रहे और कमांड सेंटर से सीसीटीवी फीड की निगरानी निरंतर की जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त शौचालय, पेयजल व्यवस्था, चिकित्सीय सहायता और प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किए जाएँ। घाटों के समीप आपातकालीन नौका एवं एम्बुलेंस सेवाएँ उपलब्ध रहें। नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें लाइफ जैकेट, पंजीकरण टैग और निर्धारित रूट की जानकारी दी जाए।

मुख्यमंत्री ने नमो घाट, राजघाट, राजेन्द्र प्रसाद घटा, दशाश्वमेध घाट सहित सभी प्रमुख घाटों पर आयोजित होने वाले दीपोत्सव की तैयारियों की भी समीक्षा की और कहा कि वहाँ दीप सज्जा, पर्यटक सुविधाएँ और सुरक्षा उपाय उच्च स्तर पर किए जाएँ। उन्होंने कहा कि नाविक समुदाय काशी की परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, उनका उत्साह और योगदान देव दीपावली की गरिमा को और बढ़ाता है। प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि उन्हें पर्याप्त सहयोग मिले और श्रद्धालुओं को सुरक्षित नौका सेवाएँ प्राप्त हों। बैठक में बताया गया कि चेत सिंह घाट पर 25 मिनट की प्रोजेक्शन सहित प्रतिदिन 03 बार लेज़र शो का आयोजन करने की योजना है। इसी तरह, काशी विश्वनाथ घाट और चेत सिंह घाट के बीच रेत की सैंड आर्ट इंस्टॉलेशन लगाई जाएगी। ग्रीन आतिशबाजी, लेज़र शो और संगीत कार्यक्रम के साथ काशी विश्वनाथ धाम घाट के सामने 10 मिनट का ग्रीन फायरक्रैकर शो आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देव दीपावली का आयोजन 'क्लीन काशी, ग्रीन काशी, डिवाइन काशी' के भाव को साकार करने वाला हो। घाटों से लेकर गलियों तक स्वच्छता, सुगमता और प्रकाश व्यवस्था बनी रहे।

चाबहार पोर्ट पर भारत को अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट

ट्रम्प ने दी छह महीने की मोहलत, यह बंदरगाह भारत को जोड़ता है अफगानिस्तान से

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। अमेरिकी सरकार ने भारत को ईरान के चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंधों से छह महीने के लिए रियायत दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गरुवार को साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी।

इससे पहले अमेरिका ने कहा था कि वो 29 सितंबर से इस बंदरगाह को चलाने, पैसे देने या उससे जुड़े किसी काम में शामिल कंपनियों पर जुर्माना लगाएगा। हालांकि बाद में इस छूट को बढ़ाकर 27 अक्टूबर कर दिया गया था, जिसकी मियाद 3 दिन पहले खत्म हुई थी। अब इसे 6 महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। भारत ने 2024 में चाबहार को 10 साल के लिए लीज पर लिया है। इसके तहत भारत यहां 120 मिलियन डॉलर निवेश करेगा और 250 मिलियन

डॉलर का क्रेडिट लाइन (सस्ता कर्ज) देगा। चाबहार बंदरगाह भारत को अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप से सीधे व्यापार करने में मदद करता है।

चाबहार पोर्ट को छूट से भारत के 4 बड़े फायदे हैं। पहला यह कि बिना पाकिस्तान के रास्ते सेंट्रल एशिया तक पहुंचा जा सकता है। अब भारत को अफगानिस्तान या दूसरे एशियाई देशों तक सामान भेजने के लिए पाकिस्तान के रास्ते से नहीं जाना पड़ेगा। भारत ईरान के चाबहार पोर्ट से सीधा अपना माल अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया भेज सकता है। इससे समय और पैसा दोनों बचेंगे। भारत अब चाबहार के जरिए अपने सामान, दवाएं, फूड और इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट आसानी से दूसरे देशों तक भेज सकेगा। इससे भारत का एक्सपोर्ट बढ़ेगा और लॉजिस्टिक खर्च (ढुलाई खर्च) कम होगा। भारत को ईरान से तेल खरीदने में आसानी होगी। दोनों देश मिलकर चाबहार को एक ट्रेड हब बना सकते हैं।

भारत ने चाबहार पोर्ट के विकास में काफी पैसा और संसाधन लगाए हैं। अमेरिका की छूट से अब भारत अपने प्रोजेक्ट को बिना रुकावट के आगे बढ़ा सकेगा। चाबहार बंदरगाह, पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट (जहां चीन निवेश कर रहा है) के नजदीक है। इसलिए यह पोर्ट भारत को रणनीतिक रूप से मजबूत बनाता है और चीन-पाकिस्तान गठजोड़ को काउंटर करने में मदद करता है।

पहले भारत को अफगानिस्तान माल भेजने के लिए पाकिस्तान से गुजरना पड़ता था, लेकिन सीमा विवाद के कारण यह मुश्किल था। चाबहार ने यह रास्ता आसान बनाया। भारत इस बंदरगाह से अफगानिस्तान को गेहूं भेजता है और मध्य एशिया से गैस-तेल ला सकता है। 2018 में भारत और ईरान ने चाबहार विकसित करने का समझौता किया था। अमेरिका ने इस प्रोजेक्ट के लिए भारत को कुछ प्रतिबंधों में छूट दी थी। यह बंदरगाह पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट, जिसे चीन बना रहा है, के मुकाबले भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

हम मोबाइलों के पेच कस रहे, डेटा चीन चला गया

नयी दिल्ली। देश की नामी टेक कंपनी एचसीएल के सह-संस्थापक अजय चौधरी ने भारत के टेक सेक्टर में पिछड़ने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि हम मैन्युफैक्चरिंग पर ही मोटे तौर पर निर्भर हैं और यह संकट की स्थिति है। उन्होंने चीन के बढ़त लेने और भारत का डेटा हासिल करने को लेकर भी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि आप अपने आसपास जो भी चीजें देखते हैं, उनमें चीन की चिप लगी हैं। नरेंद्र मोदी जब सत्ता में आए तो उन्होंने कहा कि मैं केंद्र सरकार के हर ऑफिस में अटेंडेंस मशीन देखना चाहता हूं। जो भी अटेंडेंस मशीने लगी हैं, वे चीन की हैं और उनमें वहीं की चिप्स लगी हैं।

फिर एक बार इंटेलिजेंस एजेंसी को जांच के लिए कहा गया तो उसने कहा कि सारा डेटा चीन जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस तरह हमारे सभी केंद्रीय कर्मचारियों का डेटा चीन चला गया। उन्होंने कहा कि इसी तरह भारत में गली-गली में जो सीसीटीवी कैमरे हैं, उनमें भी चीन की ही चिप्स लगी हैं।

अब 'मरे' और कानून शिक्षा में 'जीरो' भी पढ़ा रहे ब्रह्मानंद कॉलेज में कानून?

आरटीआई से प्राचार्य और कॉलेज प्रबंध समिति का कारनामा उजागर

विश्ववार्ता ब्यूरो

कानपुर। ब्रह्मानंद कॉलेज, कानपुर से जुड़ा एक नया विवाद सामने आया है। जानकारी के अनुसार रश्मि पाठक (अंग्रेज़ी) और अंजन कुमार (शारीरिक शिक्षा) जिन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था, उन्हें प्राचार्य डॉ. विवेक द्विवेदी और प्रबंध समिति की मिलीभगत से विधि (कानून) विषय में पढ़ाने के लिए अनुमोदित कर दिया गया।

यह न केवल शिक्षा नियमों का खुला उल्लंघन है, बल्कि सेवा आचरण नियमावली और विश्वविद्यालय अधिनियम दोनों के भी विपरीत है, क्योंकि एक एक शिक्षक दो विषयों में या दो संस्थानों से वेतन ग्रहण नहीं कर सकता। दूसरी बात यह कि जिस विषय में उसकी नियुक्ति नहीं हुई, उसमें शिक्षण कार्य करना अवैध माना जाता है।

प्रकरण की गंभीरता इस बात से भी झलकती है कि ब्रह्मानंद कॉलेज के प्राचार्य और प्रबंधक द्वारा बार काउंसिल ऑफ इंडिया को भेजे गए शपथ पत्र और शिक्षक सूची पहले विश्वविद्यालय प्रशासन को भेजे गए, जिनके माध्यम से लॉ की मान्यता के लिए यह सूची बार काउंसिल तक पहुंची, ऐसे में बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या विश्वविद्यालय की यह जिम्मेदारी नहीं थी कि वह यह जांचे कि महाविद्यालय द्वारा भेजे गए दस्तावेज़ सत्य हैं या नहीं?"

सूत्रों के अनुसार दोनों शिक्षकों ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया में गलत

हलफ़नामे प्रस्तुत किए, जिनमें स्वयं को विधि विषय में नियुक्त और अधिकृत शिक्षक बताया गया। जब इस प्रकरण से संबंधित जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई, तो बार काउंसिल ऑफ इंडिया के उत्तर ने चौंकाने वाला खुलासे किये। इसके मुताबिक रश्मि पाठक और अंजन कुमार के नाम पर जो नियुक्ति पत्र भेजे गए, उनमें उन्हें "विधि विषय में पढ़ाने हेतु नियुक्त" दर्शाया गया है, जबकि विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज से प्राप्त सूचना के अनुसार, दोनों क्रमशः अंग्रेज़ी और शारीरिक शिक्षा विभाग में ही नियुक्त हैं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा भेजी गई कुल 23 शिक्षकों की सूची में अधिकांश नामों में रामसागर अवस्थी और रमन कुमार अवस्थी के नाम दर्ज हैं जो लगभग 10 वर्ष पहले मृतक हो चुके हैं फिर भी ब्रह्मानंद कॉलेज ने उन्हीं मृतकों के नाम "अध्यापक" के रूप में भेज कर अनुमोदन करा लिया। कुछ कानपुर कोर्ट में अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस करने वाले बाहरी व्यक्ति हैं, या कॉलेज से औपचारिक रूप से नियुक्त ही नहीं हैं।

सूची में ज्योति मिश्रा (कंप्यूटर एप्लीकेशन) और डॉ. एस.के. गुप्ता (बी. कॉम) जैसे नाम भी शामिल हैं जो कॉलेज के सेल्फ फायनेंसेस से जुड़े हैं, लेकिन उन्हें भी लॉ डिपार्टमेंट में "अनुमोदित शिक्षक" दिखा दिया गया।

शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है—

"यदि कोई सरकारी शिक्षक अपनी नियुक्ति विषय के अलावा किसी अन्य विषय में पढ़ाता है या समानांतर संस्था में पढ़ाने के लिए गलत हलफनामा देता है, तो यह सेवा नियमावली और विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 37 का गंभीर उल्लंघन है, जिसके लिए दंडात्मक कार्रवाई अनिवार्य है।"

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार से 'शारीरिक शिक्षा' और 'अंग्रेज़ी' विषय में नियुक्त होने के बावजूद ये शिक्षक 'लॉ' विभाग में कैसे अनुमोदित हो गए? क्या कॉलेज प्रशासन ने नियमों की धज्जियाँ उड़ाकर दोहरी नियुक्ति और दोहरा वेतन सुनिश्चित किया? और क्या विश्वविद्यालय प्रशासन ने जानबूझकर इन गलत नियुक्तियों पर आंख मूंद ली?

जितना विरोध करोगे, उतनी तेजी से काम करेंगे

उत्तराखंड के सीएम धामी ने विपक्ष पर बदला अपना टोन

विश्ववार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, जिन्हें अब तक शांत स्वभाव और मृदुभाषी नेता के रूप में जाना जाता था, अब विपक्ष पर अपने शब्दों से फायर करते नजर आ रहे हैं। हाल के दौरों में उनके बयान इस बात की गवाही दे रहे हैं कि मुख्यमंत्री का फोकस अब विकास के साथ-साथ सख्ती पर भी है।

टिहरी और पिथौरागढ़ में बीते तीन दिनों के भीतर सीएम धामी ने जिस तेवर के साथ विपक्ष पर हमला बोला, उसने साफ संकेत दिया कि अब उनका अंदाज बदल गया है। धामी ने कहा कि उनकी सरकार केवल कुर्सी बचाने के लिए नहीं, बल्कि राज्य का भविष्य सुरक्षित करने के लिए काम कर रही है।

इसके साथ ही सीएम धामी ने धर्मांतरण, नकल माफिया, और युवाओं के रोजगार जैसे मुद्दों पर अपनी सख्त नीति पर बोलते हुए कहा कि विपक्ष उन्हें कठोर कहता है, तो वो इसे गर्व से स्वीकार करते हैं, क्योंकि उनकी कठोरता जनता के हित के लिए है, न कि सत्ता के लिए।

27 अक्टूबर को टिहरी में सिद्धपीठ मां कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले के उद्घाटन के दौरान सीएम धामी ने कहा कि "हमने जनता के हितों को सुरक्षित रखने के लिए कठोर और ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिन्हें विपक्ष तुष्टीकरण की राजनीति के कारण कभी लागू नहीं कर पाया। विपक्ष कहता है कि हम ज्यादा कठोर हैं, तो हां- हम कठोर हैं, लेकिन राष्ट्र विरोधियों, जनता का हक छीनने वालों और युवाओं को अंधकार में धकेलने वालों के लिए कठोर हैं।"

धामी ने आगे कहा कि उनकी सरकार धर्मांतरण पर कानून लेकर आई और आने वाले समय में ऐसे कई कदम और भी उठाए जाएंगे, जिससे उत्तराखंड की पहचान "निरंतर प्रगति" से जुड़ी रहे।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा, विरोध करने वाले विधायकों को मार्शलों ने बाहर निकाला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को विपक्षी भाजपा विधायक, NC विधायकों से भिड़ गए। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा नेता खड़े हो गए और प्रश्नकाल स्थगित करने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि सदन में जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों पर आधे घंटे की चर्चा की जाए। लेकिन अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने भाजपा विधायकों से प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध किया।

भाजपा सदस्य नहीं माने और अपनी मांग पर अड़े रहे। हंगामा बढ़ने पर किश्तवाड़ से भाजपा विधायक शगुन परिहार सदन के वेल में जाने लगीं, लेकिन महिला वॉच एंड वार्ड स्टाफ ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद वेल में कूदने पर दो भाजपा विधायकों आरएस पठानिया और सुरिंदर कुमार को मार्शलों ने बाहर निकाल दिया। भाजपा विधायक पूरे प्रश्नकाल तक सदन में खड़े रहे, बाद में उन्होंने बायकॉट कर दिया।

उमर सरकार टेनेंसी रिफॉर्म, पंचायती राज, लेबर वेलफेयर और कोऑपरेटिव से जुड़े चार महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में है। बुधवार को भी सदन में हंगामा हुआ, जब राज्य निर्वाचन आयुक्त की एज लिमिट 65 से 70 साल करने वाला विधेयक पेश किया गया था। ये चार विधेयक विधानसभा में पेश किये जाने हैं। जम्मू और कश्मीर टेनेंसी बिल 2025- इस विधेयक का मकसद एक रेंट अथॉरिटी का गठन करना है, जो किराए पर स्थानों को विनियमित करेगा और मकान मालिकों तथा किराएदारों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक इंस्टेंट ज्यूडीशियल सिस्टम देगा।

संघ की ड्रेस पहनने वाले सरकारी कर्मचारी के सस्पेंशन पर रोक

कर्नाटक का मामला, सीएम ने लगाया था शाखा पर प्रतिबंध, ट्रिब्यूनल ने जारी किया स्थगनादेश

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के लिंगासुगुर में आरएसएस कार्यक्रम में जाने वाले सरकारी कर्मचारी प्रवीण कुमार केपी के सस्पेंशन पर स्टे लगा दिया गया है। यह रोक कर्नाटक स्टेट एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल ने लगाई है।

प्रवीण कुमार पंचायत विकास अधिकारी के अलावा भाजपा विधायक मनप्पा डी वज्जल के पर्सनल असिस्टेंट भी हैं। प्रवीण 12 अक्टूबर को आरएसएस की ड्रेस पहनकर संगठन के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। राज्य सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए सस्पेंड कर दिया था। प्रवीण ने इस फैसले के खिलाफ ट्रिब्यूनल में अपील की।

ट्रिब्यूनल के ज्यूडिशियल मेंबर एस वाई वटवती की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुरुवार को अंतरिम आदेश पारित किया। साथ ही राज्य को अपनी आपत्तियां दर्ज करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 14 नवंबर को होगी।

कर्नाटक में आरएसएस शाखा पर प्रतिबंध को लेकर राज्य सरकार काफी समय से प्रयास कर रही है। हालांकि कर्नाटक हाईकोर्ट की धारवाड़ बेंच ने 28 अक्टूबर को राज्य सरकार के आदेश पर स्टे लगा दिया, जिसमें बिना परमिशन सरकारी जगहों पर आरएसएस की शाखा लगाने और 10 से ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने पर रोक लगा दी गई थी। राज्य सरकार का फैसला कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे के उस सुझाव के बाद आया था, जिसमें उन्होंने सार्वजनिक जगहों पर आरएसएस की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की थी। इसके बाद कैबिनेट ने 18 अक्टूबर को फैसला किया था कि सार्वजनिक जगहों, सड़कों और सरकारी परिसरों में बिना परमिशन के पथ संचलन या शाखा नहीं लगाई जा सकेगी।

जस्टिस नागप्रसन्ना की सिंगल बेंच ने पूछा कि

क्या कर्नाटक सरकार इस आदेश से कुछ और हासिल करना चाहती है? हाईकोर्ट ने सरकार को मामले पर दलील देने के लिए एक दिन का समय दिया और राज्य सरकार समेत होम डिपार्टमेंट, डीजीपी हुबली पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी किया। राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ हुबली की पुनश्चितना सेवा संस्था ने याचिका दायर की थी। सीनियर एडवोकेट अशोक हरनहल्ली ने कोर्ट में कहा कि सरकार ने जो नियम बनाया है, वह संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों के खिलाफ है। हरनहल्ली ने कहा कि सरकारी आदेश के अनुसार अगर कोई पार्टी पार्क या मैदान में भी आयोजित हो, और वहां 10 से ज्यादा लोग इकट्ठा हों, तो इसे गैर-कानूनी माना जाएगा। उन्होंने यह भी पूछा कि जब पहले से पुलिस एक्ट लागू है तो इस तरह का नया आदेश क्यों बनाया गया। ऑर्डर में कहा गया है कि सरकार ने बिना अनुमति के 10 या उससे अधिक लोगों के जमावड़े को अपराध मानकर सार्वजनिक जगहों जैसे सड़कों, पार्कों, मैदानों और झीलों में प्रवेश पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान द्वारा मिले अधिकारों को किसी भी सरकारी आदेश के माध्यम से छीना नहीं जा सकता। पिछले कुछ दिनों से कर्नाटक में आरएसएस गतिविधियों पर बैन लगाने की मांग की जा रही थी। इसके बाद राज्य सरकार ने संघ की गतिविधियों पर कंट्रोल के लिए नियम बनाने का फैसला किया था।

कर्नाटक के चित्तपुर में होने वाली आरएसएस और भीम आर्मी के मार्च को प्रशासन ने परमिशन देने से इनकार कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि एक ही दिन दो बड़े संगठनों के रूट मार्च से इलाके में तनाव पैदा हो सकता है, जिससे शांति भंग होने का खतरा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को कहा कि लोगों को सनातनियों की संगत से बचना चाहिए और आरएसएस से सावधान रहना चाहिए, क्योंकि उन्होंने इतिहास में हमेशा डॉ. भीमराव अंबेडकर और उनके बनाए संविधान का विरोध किया है।

जयेश मीडिया प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **रोहित बाजपेयी** द्वारा दि इंडियन एक्सप्रेस लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ से मुद्रित और 33 कैंट रोड निकट ओडियन सिनेमा लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- **मनोरंजन सिंह***, **उत्तराखंड कार्यालय**- जे.एन. प्लाजा कॉम्पलेक्स, तृतीय तल, जिला जज न्यायालय के सामने, हरिद्वार रोड, देहरादून
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायालय में मान्य होगा।
RNI No. UPHIN/2008/28657 Phone No.: (BSNL) 0522-2619671, 2619672 Phone No.: (AIRTEL) 0522-4323301, 4323302, 4323303 E-Mail: vishwavarta.response@gmail.com, dailyvishwavarta@yahoo.com dailyvishwavarta@rediffmail.com